## पेटीएम ने अगस्त में 66.7 करोड़ डॉलर के ऋण वितरित किए

मुंबई (ईएमएस)। फिनटेक कंपनी पेटीएम ने कहा कि अपने मंच के द्वारा अगस्त में 66.7 करोड़ डॉलर (5,517 करोड़ रुपये) का ऋण वितरित किया और ऑफलाइन भुगतान के लिए 87 लाख यंत्र तैनात किए। विजय शेखर शर्मा नीत फिनटेक मंच ने बताया कि इस साल जुलाई और अगस्त में औसतन 9.4 करोड़ उपयोगकर्ताओं ने पेटीएम के माध्यम से मासिक लेनदेन किया, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में करीब 20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने अगस्त की अपनी परिचालन प्रदर्शन रिपोर्ट में कहा, हमारा ऋण वितरण व कारोबार (हमारे ऋणदाता भागीदारों के साथ साझेदारी में) 10,710 करोड़ रुपये (1.3 अरब अमेरिकी डॉलर, 137 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि) और 88 लाख ऋण (47 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि) के वितरण के साथ लगातार बढ़ रहा है। यह भुगतान जुलाई और अगस्त 2023 में पेटीएम मंच के माध्यम से हुआ।


देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

# त्रिगुट



नासिरा प्रेस

मालवीयनगर-गोण्डा

मो0-9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।



गोण्डा बुधवार 06 सितम्बर 2023 वर्ष 39 अंक 22 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स-05262-230683 डाक पंजीयन संख्या-NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ- 8 मूल्य 2.00 रुपये


# संसद के विशेष सत्र से देश का नाम बदलकर भारत करेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। 18 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र को लेकर तस्वीर पूरी तरह से साफ हो चुकी है। केंद्र की मोदी सरकार देश का नाम बदलने का प्रस्ताव ला सकती है। यूसीसी और एक-राष्ट्र, एक चुनाव के बाद अब कयास लगाए जा रहे हैं कि अनुच्छेद 368 के तहत एक संवैधानिक संशोधन किया जाएगा और हमारे देश के नाम को इंडिया से आधिकारिक तौर पर भारत कर दिया जाएगा। इस लेकर मोदी सरकार की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। लेकिन जी20 नेताओं को राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से भेजे गए रात्रिभोज निमंत्रण में प्रेसिडेंट ऑफ भारत का जिक्र है। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गरम है।

बता दें कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में हमारे देश का उल्लेख इस प्रकार किया गया है कि इंडिया अर्थात भारत एक राज्यों का संघ है। देश के नाम को लेकर निर्णय संविधान सभा ने बहुत बहस के बाद हुआ था। क्योंकि कुछ सदस्य इंडिया नाम चाहते थे और कुछ सदस्य भारत रखना चाहते थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कई बार घोषणा की है कि उनका झुकाव भारत नाम की ओर है। 2022 में अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान, पीएम मोदी ने नागरिकों से गुलामी के निशान को खत्म करने सहित कुछ प्रतिज्ञाएं लेने को कहा था।

देश का नाम इंडिया के केवल भारत करने के कयास दो वजहों से लग रहे हैं। एक है असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की एक्स (ट्विटर) पर की गई हालिया पोस्ट। इसमें उन्होंने कहा, भारत गणराज्य खुश और गौरवान्वित है कि हमारी सभ्यता साहसपूर्वक अमृत काल की ओर आगे बढ़ रही है। दूसरा है राष्ट्रपति की ओर से जी20 प्रतिनिधिमंडल को भेजे गए रात्रिभोज निमंत्रण पत्र। राष्ट्रपति भवन से जी20 प्रतिनिधिमंडल को दिए गए आधिकारिक रात्रिभोज निमंत्रण में राष्ट्रपति का उल्लेख प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया के बजाय प्रेसिडेंट ऑफ भारत लिखा है। देश का नाम इंडिया से भारत करने की मांग कई बार उठ चुकी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत जैसे लोग भी इस विचार का समर्थन कर चुके हैं। इस कदम को गुलामी वाली विरासत से दूर जाने का एक और प्रयास करार दिए जाने की संभावना है।

## शाहरुख खान ने बेटी सुहाना के साथ तिरुपति मंदिर में किए दर्शन

चैन्नई (ईएमएस)। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार को तिरुमाला मंदिर में पूजा-अर्चना की। सोमवार रात मंदिर पहुंचे अभिनेता ने सुबह-सुबह प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर में दर्शन किए। पत्नी गौरी खान, बेटी सुहाना खान और अभिनेता नयनतारा के साथ उन्होंने सुप्रभात सेवा में भाग लिया। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने मंदिर पहुंचने पर खान का स्वागत किया। उन्होंने अभिनेता और उनके परिवार के लिए प्रार्थना करने की पूरी व्यवस्था की थी। दर्शन के बाद, खान और उनका परिवार रंगनायकुला मंडपम पहुंचे जहां पुजारियों ने वेद आशीर्वादम का प्रदर्शन किया और तीर्थ प्रसादम पेश किया।

# गुरूजनों के सम्मान करके ही मिलेगी सफलता - मण्डलायुक्त

## माता - पिता व गुरुओं का सम्मान करें सभी छात्र

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। देवीपाटन मंडल के मण्डलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने मंगलवार को पण्डरी कृपाल के कम्पोजिट विद्यालय महादेवा का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां चल रहे निर्माण कार्यों को देखा और सम्बन्धित को सुन्दर निर्माण कार्य कराने के निर्देश दिये। शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्होंने स्कूल के बच्चों से मुलाकात कर उन्हें टाफी, पेंसिल, रबर, चाकलेट आदि वितरित की। उपहार पाकर बच्चे बहुत प्रसन्न हुये।

शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि सभी छात्र व छात्राएं अपने माता-पिता व गुरुजनों का पूरा सम्मान करें। माता-पिता व गुरुजनों का सम्मान करने से ही जीवन में सफलता प्राप्त होगी। उन्होंने कहा मैं भी अपने गुरुजनों की बातों को आत्मसात करते ही यहां तक पहुंचा हूं आप सभी भी गुरुजनों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करके ही नहीं ऊंचाइयों तक पहुंच सकते है। उन्होंने सभी बच्चों को पूरी लगन से पढ़ाई करने एवं गुरुजनों को पूरी लगन से बच्चों को शिक्षा देने की बात कही। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, बीएसए, डीपीआरओ व अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

## जिला अस्पताल में आयोजित हुआ विधिक साक्षरता शिविर

गोण्डा। सीएमओ डॉ0 रश्मि वर्मा की अध्यक्षता में जिला अस्पताल गोण्डा के सभागार में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के परिप्रेक्ष्य में विधिक जागरूकता/साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीएमओ द्वारा शिविर में उपस्थित लोगों को जानकारी दी गयी कि भारत में हर साल एक से सात सितंबर तक राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाया जाता है। यह स्वस्थ जीवन शैली बनाए रखने और बीमारियों की रोकथाम में पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं को सुपोषित बनाने के लिये बाल विकास विभाग द्वारा भी पोषण माह का आयोजन किया जा रहा है, जो सितम्बर माह में पूरे जनपद में चलेगा, इसका प्राथमिक उद्देश्य स्वस्थ जीवन के लिए अच्छे पोषण के महत्व पर जोर देना है।

इस अवसर पर जिला चिकित्सालय गोण्डा के एफआई दीपा तिवारी, स्टाफ नर्स रचना श्रीवास्तव सहित व एडीआर के कनिष्ठ लिपिक उपस्थित रहे।

## 150 सीटों के साथ फिर भाजपा सरकार बनेगी-अमित शाह

श्योपुर (ईएमएस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को मंडला में उपस्थित होकर तो श्योपुर में ऑनलाइन जन आशीर्वाद यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस राज्य को बीमारू बना रखा था, उसे शिवराज ने बेमिसाल बना दिया। शाह ने कहा कि श्रीमान बंटाढार और करप्शन नाथ, आप सुन लीजिए। 25 सितंबर को जन आशीर्वाद यात्रा का समापन होगा, उस दिन तय हो जाएगा कि 150 सीटों के साथ एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। तीन दिन की यात्रा की रिपोर्ट पूछी। हजारों लोग स्वागत में उमड़ रहे हैं। भाजपा की सरकारें गांव-गरीब की सरकार हैं, महिला उत्थान की सरकार हैं। लाड़ली बहनों को शिवराज जी ने रक्षाबंधन पर खुश कर दिया है। कांग्रेस की सरकार थी।

आए दिन आतंकवादी हमले होते थे। पाकिस्तान से आए हुए आतंकवादी हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते थे। कांग्रेस की सरकार उफ नहीं करते थे। उरी और पुलवामा में हमला हुआ। आतंकवादी भूल गए कि मौनी बाबा मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री नहीं हैं, नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दस दिन के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकियों का सफाया करने का काम नरेंद्र मोदी ने किया है। समग्र दुनिया में संदेश भेजा कि भारत की सीमा और सेना के साथ छेड़छाड़ नहीं करते हैं, वरना परिणाम भुगतने पड़ते है। मोदी जी ने भारत को सुरक्षित किया।

# जल जीवन मिशन में गोंडा पूरे मंडल में प्रथम स्थान पर हो-डीएम

## हर घर जल के बारे में लोगों के बीच फैलाई जाए जन जागरूकता

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। गोंडा में जल जीवन मिशन हर घर जल योजना के तहत सभी गांवो में स्वच्छ जल मुहैया कराने का काम किया जा रहा है। इसी के तहत मंगलवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के तहत किये जा रहे कार्यो की समीक्षा की जिसमें उन्होंने अभी तक कराए गए कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्थाओं से पंप हाउस, बाउंड्री वॉल, नलकूप, सोलर, पंपिंग प्लांट आदि के निर्माण के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने एलएनटी व केएलएसआर एजेंसी को निर्देश दिए कि वह अपने कार्यो की प्रगति को बढ़ाकर समय पर कार्य पूरा करें। उन्होंने निर्देश दिए की पूरे मंडल में गोंडा जिले पहले पायदान पर होना चाहिए। डीएम ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एवं शीर्ष प्राथमिकता में शामिल है। इसके क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, एक्सईएन जल निगम व अन्य संबंधित अधिकारी का उपस्थित रहे।

*उच्च क्वालिटी के मटेरियल का हो इस्तेमाल*

जिलाधिकारी ने दोनों कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए की जो भी निर्माण कार्य किया जा रहा है उसमें किसी भी प्रकार से गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए। उच्च क्वालिटी का मटेरियल ही इस्तेमाल किया जाए जिससे कि यह योजना काफी लंबे समय तक चले। यदि इसकी गुणवत्ता से समझौता किया गया तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उन्होंने दोनों कार्रवाई संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए की जल जीवन मिशन के तहत जहां भी रोड कटिंग हो वहां पर पूर्व की भांति रोड को रिस्टोर किया जाए। कहीं पर भी रोड कटिंग होने से आमजन को असुविधा नहीं होनी चाहिए। निर्धारित समय में ही रोड को रिस्टोर कर दिया जाए।

*गांव में फैलाई जाए जन जागरूकता*

इसके अलावा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर जल योजना को सफल बनाने के लिए गांव - गांव में जाकर लोगों के बीच इसके लाभ बताए जाएं। उन्होंने आईईसी को गांव गांव में जाकर वॉल पेंटिंग, नुक्कड़ नाटक, स्वच्छता मेला, प्रदर्शनी, बैठक आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिये।

# शास्त्री डिग्री कॉलेज में सम्मानित किए गए गुरुजन

## धूम धाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोंडा में आज शिक्षक दिवस समारोह को बहुत धूम धाम से मनाया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्व पल्ली राधा कृष्णन की जयंती के अवसर पर हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। महाविद्यालय के नवोन्मेषी प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र कुमार पांडेय ने अपने संबोधन में शिक्षक की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सबसे पहले अपने माता पिता को जीवन दाता के साथ साथ ज्ञान प्रदाता के रूप में महिमा मंडित किया क्यों कि क्योंकि हमारे जीवन में ज्ञान का महत्व सर्वोपरि है जिसकी शुरुआत घर परिवार से होकर जीवन भर ज्ञानार्जन की प्रक्रिया चलती रहती है। इस अवसर पर महाविद्यालय के ललिता सभागार में छात्र छात्राओं ने गुरु की महत्ता का वर्णन करते हुए अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान एवं उपहार अर्पित किए। प्राचार्य जी ने नवोन्मेषी प्रयास करते हुए एक पारदर्शी प्रक्रिया अपनाते हुए हर संवर्ग के शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करनेवाले कुछ शिक्षकों को सम्मानित किया जिसमे क्रमशः प्रोफेसर अतुल कुमार सिंह, प्रोफ़ेसर दीना नाथ तिवारी, डॉक्टर अजीत मिश्र, डॉक्टर ममता शुक्ला एवं श्री राघवेन्द्र मिश्र रहे।

इस अवसर पर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो शैलेंद नाथ मिश्र विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री प्रो जितेंद्र सिंह, इतिहास की विभागाध्यक्ष प्रो अमन चंद्रा शिक्षा शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो शिव शरण शुक्ल, प्रो श्याम बहादुर सिंह, प्रो अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रो संदीप श्रीवास्तव, प्रो बी पी सिंह, प्रो जे बी पाल, प्रो शशि बाला, प्रो जय शंकर तिवारी, डॉक्टर ओम प्रकाश यादव, डॉक्टर संजय वर्मा, डॉक्टर सतीश तिवारी, डॉक्टर लोहांश कल्याणी सहित दर्जनों शिक्षक एवं सैकड़ों छात्र छात्राओं ने सहभागिता की एवं शिक्षक दिवस की शुभकामना व्यक्त किए। गुरु की महत्ता को समझने एवं समझाने के लिए यह श्लोक उद्धत किया जा सकता है अज्ञानांधास्य लोकस्य ज्ञानांजनि सलाकया। चक्षु रुन मीलितम येन, तस्मै श्री गुरुवे नमः।।

## अभियान चलाकर निराश्रित गोवंशों को पकड़ा

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देशानुसार गोण्डा- अयोध्या मार्ग पर नवाबगंज, कटरा, करनैलगंज रेलवे क्रासिंग के आसपास सड़कों व अन्य स्थानों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों को पकड़ने का अभियान चलाया। इस अभियान में के आसपास के सभी सांड़ों को पकड़ा गया। उन्होंने अपनी टीम के साथ सभी गोवंशों को पड़कर गौशालाओं में संरक्षित किया गया। और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि राजमार्गो एवं बाजारों में घूम रहे निराश्रित गोवंशों पर विशेष ध्यान दिया जाय। और इनको तत्काल पड़कर गौशालाओं में संरक्षित किया जाए ताकि यह रोड पर या बाजार में घूमने ना पायें।

# रूस व यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के कारण पुतिन जी-20 बैठक में नहीं हो रहे शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली में 9 से 10 सितंबर तक होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भाग नहीं लेना अनेक सवालों को जन्म दे रहा है। सूत्र बता रहे हैं कि इस समय यूक्रेन और रूस का युद्ध चल रहा है, ऐसे में रूस के खिलाफ चर्चा होने के डर से पुतिन बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। हालांकि बैठक के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को सजा दिया गया है। इसमें भाग लेने के लिए दुनियाभर से शक्तिशाली नेता आ रहे हैं। इनके रहने से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक के लिए पुख्ता इंतजाम कर दिए गए हैं। लेकिन दुनिया भर के शक्तिशाली नेताओं में से एक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसमें भाग लेने के लिए भारत नहीं आ रहे हैं, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन समेत कई दिग्गज इस दौरान भारत में रहेंगे। दरअसल जी20 शिखर सम्मेलन पर दुनियाभर की नजरें टिकी हुई हैं। क्योंकि इस सम्मेलन में यूरोपीय संघ के साथ-साथ दुनिया के सबसे समृद्ध देशों के नेता महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हालांकि टेलीफोन पर राष्ट्रपति पुतिन ने व्यक्तिगत रूप से पीएम नरेंद्र मोदी को बैठक में अपनी अनुपलब्धता के बारे में बताया था। पुतिन के दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में नहीं आने की एक वजह रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को भी माना जा रहा है। रूस की ओर से विदेश मंत्री सार्गेई लावरोव बैठक में हिस्सा लेने वाले हैं।

## अवैध कच्ची शराब की दबिश के दौरान 300 किलो लहन व 3 अभियोग पंजीकृत किया गया

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा के निर्देश पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में आबकारी विभाग द्वारा करियापुरवा थाना कोतवालीनगर, भावजीतपुर, विश्वोहरपुर थाना छपिया, तुलसीपुर थाना नवाबगंज, बालपुरजाट थाना कोतवाली देहात में क्षेत्र 1 सदर, क्षेत्र 2 मनकापुर, क्षेत्र 3 तरबगंज, क्षेत्र 4 करनैलगंज की संयुक्त टीम द्वारा अपने अपने क्षेत्रों में दबिश देकर प्रवर्तन कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया है कि दबिश के दौरान लगभग 62 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद किया गया, बनाने का उपकरण तथा मौके पर 300 किलो लहन नष्ट किया गया। आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत 03 अभियोग पंजीकृत किया गया।

# जनपद के सभी सरकारी दफ्तरों के लिए होगा स्वच्छ कार्यालय प्रतिस्पर्धा का आयोजन

## जनपद के सरकारी दफ्तरों में थूकना या गंदगी फैलाना पड़ेगा महंगा, देना होगा जुर्माना

निज संवाददाता

गोण्डा। जनपद के मुख्य मार्गो की सफाई के बाद अब बारी सरकारी दफ्तरों की है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जनपद के सभी सरकारी दफ्तरों को साफ और स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छ कार्यालय प्रतिस्पर्धा आयोजित करने का फैसला लिया है।

स्वच्छता के 18 बिन्दुओं के आधार पर सरकारी दफ्तरों का मूल्यांकन किया जाएगा। इनमें, कार्यालय परिसर का रखरखाव, प्रसाधन एवं पेयजल की व्यवस्था, साफ-सफाई व कचरा प्रबंधन समेत अन्य बिन्दु शामिल हैं। एक निर्णायक मंडल स्वच्छता के संबंध में सभी कार्यालयों का मूल्यांकन करेगा। इसके आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कार्यालयों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। नगर मजिस्ट्रेट से तीन दिन में प्रतिस्पर्धा आयोजन की रूपरेखा तैयार कर पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्रतिस्पर्धा का उद्देश्य सरकारी कार्यालय में पहुंचने वाले जनपद वासियों को साफ और स्वच्छ माहौल उपलब्ध कराना है।

थूकने या गंदगी फैलाने पर जुर्माना

सरकारी दफ्तारों में न केवल यहां काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारी बल्कि बाहर से आने वाले लोगों के लिए भी थूकना या गंदगी फैलाना महंगा पड़ेगा। ऐसे करते पकड़े जाने पर जुर्माना वसूला जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा स्वच्छ कार्यालय प्रतिस्पर्धा के संबंध में जारी दिशा निर्देशों में इसे शामिल किया गया है। इसमें, स्पष्ट किया गया है कि कूड़ा फैलाने/थूकने/खुले में पेशाब करने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जाए।

*कार्यालय परिसर में यह व्यवस्था करने होगी सुनिश्चित*

कार्यालयाध्यकों को स्वच्छता सुनिश्चित करने के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत, उ़्ड़फर्नीचर, पंखे, लाइट, ए.सी., लिफ्ट आदि जैसे बुनियादी ढांचे की नियमित सफाई और रख-रखाव सुनिश्चित करेंगे। शौचालय की सफाई और प्रसाधन सामग्री यानी हैंडवाश, पेपर रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगें। शौचालयों में नेफ्थलीन बॉल्स की व्यवस्था करनी होगी। पानी की टंकियों और पीने के पानी के कूलरों की सफाई सुनिश्चित करेंगे। कूड़ा-कचरा फैलने से रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में कूड़ेदानों का प्रावधान किया जाए। गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग कूड़ेदान की व्यवस्था की जाए। कूड़ेदान की नियमित सफाई सुनिश्चित करेंगे।

*यह व्यवस्थाएं भी करनी होगी*

०कूड़ा फैलाने/थूकने/खुले में पेशाब करने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई की जाए।

० सभी कर्मचारियों के लिए अपने संबंधित कार्यालय कक्षों को साफ और स्वच्छ रखने के लिए जागरूकता करें।

० प्रतिदिन कम से कम दो बार बाहरी क्षेत्रों की सफाई करना सुनिश्चित करें।

० कचरा डंपिंग स्थल की सफाई सुनिश्चित करें।

० जैविक (बायोडिग्रेडेबल) कचरे का परिसर में ही यथासंभव निस्तारण सुनिश्चित करें।

# संक्षिप्त समाचार

## अहरा रेलवे अंडरपास के नीचे भरा बारिश का पानी

बस्ती। मुंडेरवा मार्ग पर अहरा में रेलवे अंडरपास का निर्माण कराया गया है। इन दिनों अंडरपास के नीचे बारिश का पानी भरा है। जिससे आने-जाने वाले लोग पानी में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सबसे अधिक समस्या अंडर पास से होकर गुजरने वाले स्कूली बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं को हो रही है। मुंडेरवा मार्ग के अहरा में रेलवे का अंडरपास का निर्माण एक साल पहले कराया गया है। निर्माण में लाखों रुपये खर्च कर दिए गए। लेकिन पानी निकासी की व्यवस्था नहीं बनाई गई। ऐसे में बारिश के बाद हर बार यहां अधिक मात्रा में पानी भर जाता है। यदि निर्माण के समय ही ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया होता तो शायद बारिश का पानी न भरता। अरुण कुमार पांडेय, अनिल सिंह ने बताया कि बारिश के बाद यहां पानी भर जाता है, जो महीनेभर तक नहीं सूखता है। आने-जाने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। बीडीओ केदारनाथ कुशवाहा ने बताया कि रेलवे के अधिकारियों को पत्र भेजकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है।

## जिले की 144 सरकारी गाड़ियां हो गई कबाड़, पंजीयन भी निरस्त

बस्ती। जिले की 144 सरकारी गाड़ियों को कबाड़ घोषित कर नीलाम करने की समय सीमा पूरी होने में अब सिर्फ 30 सितंबर तक का समय रह गया है। इन्हें कबाड़ घोषित कर नष्ट करने के लिए नीलाम कर दिया जाएगा। उसके बाद नई गाड़ियों का इंतजाम कर सरकारी तंत्र को चाक-चौबंद किया जाएगा। जिले में कुल 453 वाहन राजकीय कार्य में पंजीकृत किए गए थे। कबाड़ नीति घोषित होने के बाद जब परिवहन विभाग ने ब्योरा इकट्ठा किया तो कुल 144 वाहन ऐसे पाए गए, जो 15 वर्ष की आयु सीमा पूरी होने के बावजूद विभागों में संचालित हो रहे हैं। यही नहीं इनमें कुछ ऐसे भी वाहन हैं, जो 35 से 40 वर्ष की उम्र पूरी होने के बावजूद सेवा दे रहे हैं। इनमें सबसे अधिक पुलिस के 23 व स्वास्थ्य विभाग के 21 वाहन हैं। परिवहन विभाग के आरआई संजय दास के अनुसार इन्हें चिन्हित कर 1 अप्रैल 2023 से इनका संचालन रोक दिया गया है और पंजीयन निरस्त किया जा चुका है। अगर ऐसे वाहन ऑनरोड पाए जाते हैं तो उन पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। बिना पंजीयन वाहन का संचालन दंडनीय अपराध माना जाता है।

## पुरानी बस्ती से छह और अमहट उपकेंद्र से दो घंटे बाधित रही बिजली आपूर्ति

बस्ती। बिजली को लेकर जिलेभर में स्थिति खराब हो रही है। खपत बढ़ने के बाद अघोषित कटौती में भी तेजी आई है। रविवार को अमहट उपकेंद्र से दो घंटे, पुरानी बस्ती के पठान टोला क्षेत्र में छह घंटे व मालवीय रोड उपकेंद्र से दिनभर बिजली की लुकाछिपी जारी रही। इससे उमसभरी गर्मी में उपभोक्ताओं को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बिजली कटौती का असर व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी पड़ रहा है। अगर यही हाल रहा तो आग भी लोग कटौती का दंश झेलेंगे। जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। कहीं ट्रांसमिशन उपकेंद्र से आपात रोस्टिंग हो रही है तो कहीं फाल्ट के नाम पर कटौती हो रही है। हालत यह है कि शहर में हर घंटे कोई न कोई लाइन फाल्ट हो रही है। रविवार को पड़ताल की तो पठान टोला में तार टूटने से लोग परेशान दिखे। पठान टोला, सहित चिकवा, ऊंचवा टोला, राजा मैदान आदि मुहल्लों को छह घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही मिली। दूसरी ओर दोपहर में बिजली कर्मी रौता के पास सरोज बाबा गली में तारों को बदलते मिले। यह क्षेत्र मालवीय रोड उपकेंद्र के तहत आता है। इस उपकेंद्र से रविवार को दिनभर बिजली कटौती हुई। शहर में रविवार को करीब 65 फाल्ट दर्ज किए गए। अधिशासी अभियंता नगरीय मनोज कुमार सिंह ने बताया कि खपत बढ़ने से लाइनें ओवरलोड हो रही हैं। जिससे फाल्ट की समस्या अधिक आ रही है। अमहट उपकेंद्र पर मरम्मत और मालवीय रोड उपकेंद्र के सरोजबाबा गली में पुराने तारों को बदला जा रहा था। इसलिए आपूर्ति प्रभावित रही।

## जिला अस्पताल में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

बस्ती। नौकरी के लिए रुपये लेकर हड़पने के मामले में वाल्टरगंज पुलिस ने इसी थाना क्षेत्र के गनेशपुर टोला बेलवा जोर निवासी सुजीत कुमार के विरुद्ध केस दर्ज किया है। इस संबंध में राम प्रकाश निवासी गनेशपुर चौरवा ने तहरीर दी है। जिसमें बताया कि उसके बेटे अर्जुन कुमार को जिला अस्पताल बस्ती में सहायक कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर नौकरी दिलाने के लिए सुजीत कुमार ने एक लाख रुपये की मांग की। उसने अपने लड़के अर्जुन कुमार के फोन-पे के माध्यम से 38 हजार रुपये सुजीत कुमार के खाते में भेज दिया। इसके बाद 50 हजार रुपये नकद सुजीत कुमार को दिया। उसके बाद भी आरोपी 30 हजार रुपये मांगने लगा। शक होने पर राम प्रकाश ने रुपये वापस मांगे तो सुजीत कुमार ने मना कर दिया। आनाकानी करने के साथ ही वह जान से मारने की धमकी भी देने लगा। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

## सिंचाई करते समय मारपीट, एक नामजद

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के रौसिंघापार में खेत में पानी चला रहे एक शख्स पर गांव के ही युवक ने अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। सिर पर डंडे से प्रहार कर घायल कर दिया। जिससे वह बेहोश गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर एक युवक के खिलाफ मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। श्यामदेव पांडेय ने तहरीर में आरोप लगाया है कि वह अपने खेत में सिंचाई कर रहा था। इसी दौरान गांव के ही जितेंद्र आए और अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी दी। जब इसका विरोध किया तो लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया। जिससे वह बेहोश हो गया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर जितेन्द्र के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है।

## बालिकाओं ने बनाई आकर्षक मेहंदी, हुई पुरस्कृत

बस्ती। सोशल वेलफेयर ट्रस्ट की तरफ से रविवार को महिला हुनर रोजगार मिशन के तहत मदरसा इस्लामिया गुलशन मदीना में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 61 बालिकाओं ने शामिल होकर कई आकर्षक मेहंदी बनाई। प्रतिभागी बालिकाओं को ट्रस्ट की तरफ से प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि मोहम्मद इसराइल ने कहा कि भेदभाव रहित समाज और आत्मनिर्भर भारत के लिए ऐसे आयोजन की जरूरत है। बेटा-बेटी का फर्क मिटा कर बच्चियों को अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ट्रस्ट कार्य कर रहा है। विशिष्ट अतिथि मास्टर नूरूल हसन ने ट्रस्ट के कार्यो की सराहना की। संचालन मुहर्रम अली और अध्यक्षता अब्दुल रऊफ हाशमी ने किया। मेंहदी में आफ़रीन बानो प्रथम, निशा द्वितीय, तायसीन व आसमां तृतीय रहीं। इस मौके पर एहसान अहमद, मौलाना रिजवान नूरी, परवेज आलम, शायमा बानो, तमन्ना बानो, नाजिया बानो, मोहर्रम अली आदि रहे।

## जमीन के धंधेबाजों को तंवर ने खूब दौड़ाया- वीसी गए संतकबीरनगर, कहीं थम न जाए बुलडोजर

संत कबीर नगर। 24 सितंबर 2022 को महेंद्र सिंह तंवर ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण का कार्यभार संभाला था। कुछ दिनों बाद उनके पास अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई फंसाने वालों की शिकायतें मिलने लगीं। कार्यभार संभालने के 20 दिनों में ही उन्होंने अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। गोरखपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर को संतकबीरनगर का डीएम बनाए जाने के बाद अब प्राधिकरण में चर्चा है कि जमीन के अवैध धंधे पर चल रहा बुलडोजर थम न जाए। आम लोगों की गाढ़ी कमाई डूबने की शिकायत के बाद वीसी ने जमीन के धंधेबाजों को खूब दौड़ाया था और गलत तरह से बनाई गई 27 कॉलोनियों पर बुलडोजर चलवा दिया। लोगों में चिंता यह भी है कि नई व्यवस्था में बुलडोजर थम गया तो फिर से भूमाफिया की पहले जैसी मनमानी और दबंगई न शुरू हो जाए। 24 सितंबर 2022 को महेंद्र सिंह तंवर ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण का कार्यभार संभाला था। कुछ दिनों बाद उनके पास अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई फंसाने वालों की शिकायतें मिलने लगीं। कार्यभार संभालने के 20 दिनों में ही उन्होंने अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। 10 नवंबर को आदेश देकर सभी अवैध कॉलोनियों को वीडियो ग्राफिंग करवाई। इसके बाद सभी कालोनाइजर्स को बुलाकर उन्होंने संवाद किया और बुकिंग व एडवांस देकर प्लाट बुक करवाने वालों को जमीन पर कब्जा दिलाने की बात पूछी।

## हापुड़ की घटना को लेकर अधिवक्ताओं ने किया कार्य बहिष्कार, मुकदमे हुए प्रभावित

सहारनपुर। सोमवार को सहारनपुर कलक्ट्रेट में अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर अपनी मांगे रखीं। अधिवक्ताओं का कहना है कि हापुड़ के अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की घटना निंदनीय है। आरोपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज करने का मामला गर्मा रहा है। सहारनपुर में सोमवार अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार किया। इससे न्यायायिक कार्य और मुकदमे प्रभावित हुए। सहारनपुर अधिवक्ता एसोसिएशन के अध्यक्ष अरविंद शर्मा और महासचिव मुनव्वर आफताब ने कहा कि हापुड़ के अधिवक्ताओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किए जाने की घटना निंदनीय है। इन पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। घटना को लेकर अधिवक्ताओं ने रोष व्यक्त किया। वहीं, हड़ताल की वजह से न्यायालयों में कामकाज ठप रहा।

# काम करते समय निर्माणाधीन कुतुबखाना फ्लाईओवर से गिरा मजदूर, हालत गंभीर

बरेली। कुतुबखाना फ्लाईओवर पर रविवार को शटरिंग बांधने के दौरान पीलीभीत के पूरनपुर निवासी मजदूर धनंजय नीचे गिर गया। दूसरे मजदूर उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले गए। वहां से उसे रेफर कर दिया गया। बरेली में कुतुबखाना फ्लाईओवर के निर्माण में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते आखिरकार हादसा हो ही गया। पुल के लिए शटरिंग बांध रहा मजदूर रविवार तड़के चार बजे नीचे गिर गया। उसके सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। निजी अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद मजदूरों ने दोपहर तक काम बंद रखा। अमर उजाला ने खबरें प्रकाशित कर जिम्मेदारों को बार-बार चेताया था। यदि वहां सुरक्षा इंतजाम किए होते तो शायद यह हादसा नहीं होता।

कुतुबखाना चौराहे से कोहाड़ापीर तक निर्माणाधीन पुल पर शटरिंग का काम हो रहा है। रविवार को शटरिंग बांधने के दौरान पीलीभीत के पूरनपुर निवासी मजदूर धनंजय नीचे गिर गया। दूसरे मजदूर उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल ले गए। वहां से उसे रेफर कर दिया गया। इसी दौरान कार्यदायी संस्था के ठेकेदार भी पहुंच गए।

*पहले भी सामने आ चुकी है लापरवाही*

उन्होंने उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। स्मार्ट सिटी के अधिकारियों को हादसे की सूचना तक नहीं दी गई। कार्यदायी संस्था के ठेकेदार और प्रोजेक्ट मैनेजर हादसे पर पर्दा डालने की कोशिश में जुटे हैं। उच्चाधिकारियों को भी हल्की चोट आने की सूचना दी गई। फ्लाईओवर के निर्माण में पहले भी इस तरह की लापरवाही सामने आ चुकी है। स्मार्ट सिटी के वरिष्ठ महाप्रबंधक संजय कुमार तिवारी ने बताया कि मुझे हादसे की जानकारी है। प्रोजेक्ट मैनेजर से फोन पर बात करके पता कर रहे हैं।

## गड्ढों में तब्दील हुई सड़कबारिश में भर रहा पानी

बस्ती। मालवीय मार्ग से जुड़ा वार्ड संख्या 12 रौतापार दुश्वारियों से घिरा हुआ है। यहां की आधा दर्जन सड़कें चलने लायक नहीं है। जगह-जगह नालियां टूटकर क्षतिग्रस्त हो गई हैं। गंदे पानी का बहाव नहीं हो पा रहा है। बारिश के दौरान यहां आधा दर्जन मुहल्लों में जलभराव की समस्या गहरा जाती है। बदइंतजामी के बीच रहना यहां के नागरिकों की नियति बन गई है। नगर पालिका परिषद के विकास की गाड़ी का पहिया लगभग ठप है। जिससे वार्ड 12 रौतापार मुहल्ला भी दुश्वारियों का दंश झेल रहा है। डेढ़ साल से यहां न तो सड़कों की मम्मत हुई है और न ही नालियों की रिपेयरिंग की गई। आधा दर्जन मुहल्लों में समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

## खाली प्लाट में बाक्स में मिला युवती का जला शव

भदोही। कोतवाली क्षेत्र के लालानगर टोल प्लाजा के समीप शनिवार को खाली पड़े प्लाट में बाक्स में बंद किशोरी का जला शव मिलने से सनसनी फैल गई। खबर मिलते ही एसपी डॉ. मीनाक्षी कात्यायन संग कई अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शव का काफी हिस्सा जलने से उसकी शिनाख्त नहीं हो सका। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार शाम को लालानगर निवासी सौरभ कुमार शौच के लिए टोल प्लाजा के समीप स्थित प्लाट के समीप गया। उसकी निगाह एक जले हुए बाक्स पर पड़ी । नजदीक जाने पर उसमें एक किशोरी का शव दिखा। इसकी सूचना उसने पीआरबी पुलिस को दी। पीआरबी पुलिस के साथ सदानंद सिंह प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। शव का ज्यादातर हिस्सा जला होने से उसकी पहचान नहीं हो सकी। घटनास्थल पर शव कब लाया गया, कौन लाया होगा इन सब बातों पर जांच चल रही है। किशोरी के दोनों पैर को रबड़ से बांधा गया है। चेहरे को पूरी तरह से जला दिया गया है, ताकि किशोरी की पहचान न हो सके। फारेंसिक टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। पुलिस आस पास के दुकानों पर लगे सीसीटीवी को खंगालने में जुट गई है। एसपी डॉ. मीनाक्षी कात्यायन, एएसपी राजेश भारती भी घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली। एसपी ने बताया कि प्रथम दृष्टया कहीं अनयत्र हत्या कर शव यहां जलाया गया है। उसकी पहचान मिटाने के लिए चेहरे को पूरी तरह जलाया गया है। शिनाख्त के लिए शव को रखा जाएगा। अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जाएगी।

# सर्विलांस पर लगाए रजिस्ट्री ऑफिस कर्मियों के फोन नंबर

बरेली। रजिस्ट्री कार्यालय से पेटी चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कर्मचारियों के मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाए हैं। उनकी कॉल डिटेल निकलवाई जा रही है। 22 अगस्त को एक शख्स शाम के वक्त दफ्तर से पेटी उठाकर कार में बैठे हथियारबंद साथियों संग फरार हो गया था। घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ था। चर्चा है कि तीन लाख पांच हजार रुपये रजिस्ट्री शुल्क रखी पेटी उठाई गई है। हालांकि, अधिकारी इससे इन्कार कर रहे हैं। अधिकारियों का दावा है कि कोई रकम गायब नहीं हुई है। पेटी में सिर्फ कागज भरे हुए थे। मामले में शुक्रवार को सब रजिस्ट्रार ने अज्ञात आरोपी पर कागजात चोरी कर भागने की रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी में कैद हुई फुटेज में दिख रहा है कि आरोपी को कार्यालय से पेटी लेकर जाते हुए कई कर्मचारी देख रहे हैं।

इसके बाद भी उन्होंने उसे रोकने की जहमत नहीं उठाई। पुलिस को संदेह है कि कर्मचारियों की भी घटना में भूमिका हो सकती है। इन संदिग्ध कर्मचारियों से अब पूछताछ की तैयारी की जा रही है। इसके अलावा कई कर्मचारियों के मोबाइल नंबर पर सर्विलांस पर लगाए गए हैं। इंस्पेक्टर क्राइम सत्य सिंह ने बताया कि अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है।

# शहर को दिया जाएगा नया रूप...लखनऊ की तर्ज पर सजेंगे तीन चौराहे

बस्ती। नगर पालिका क्षेत्र का शास्त्री चौक, कंपनी बाग व बड़े वन लखनऊ से आने वालों का इंट्री गेट है। इस गेट पर जहां तहां बेतरतीब सजी दुकानों व जाम से लोगों को शहर में प्रवेश से पहले ही खराब छवि नजर आती है।

अब इसे सुधारने के लिए पालिका प्रशासन व बीडीए इन चौराहों का स्वरूप बदल देगे। बड़ेवन, शास्त्री चौक व कंपनी बाग को लखनऊ के खूबसूरत व सुविख्यात चौराहों की तरह सजाया जाएगा। इसके लिए नगर पालिका परिषद व बीडीए खाका खींचने में लग चुकी है। यही नहीं इन चौराहों के चारो तरफ लोग सुबह-शाम सैर सपाटा भी कर सकेंगे। बड़े वन, शास्त्री चौराहा व कंपनी बाग की गिनती मंडल मुख्यालय के प्रमुख चौराहों में की जाती है। कारण यह है कि इन चौराहों से होकर जहां कमिश्नर व डीआईजी अपने कैंप कार्यालय यानी कि आवास पर पहुंचते हैं, वहीं डीएम व एसपी अपने दफ्तरों में पहुंच कर आम जन की फरियाद सुनते हैं। यही नहीं कचहरी स्थापित होने के कारण यहां तकरीबन मंडल स्तर के लोग भी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचते हैं। यहां की सबसे बड़ी दुश्वारी यहां पर सुबह से लेकर दे रात तक सब्जी बेचने वाले ठेले व मुख्य सड़क की पटरियों पर अतिक्रमण है। जिस कारण यह चौराहे पूरी तरह से विलुप्त होते जा रहे हैं।

नगर पालिका परिषद ने शास्त्री की प्रतिमा के पास पार्क व हाईमास्ट लाइट स्थापित किए हैं। यहां सीमेंट की सीटें स्थापित कर सुधारने का प्रयास किया है। इन्हें उपयोगी बनाने के लिए पालिका परिषद के अधिशासी अभियंता दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने विभागीय अभियंताओं की टीम को नए सिरे से सजाने का निर्देश दिया है। जल्द ही शहर के इन मुख्य चौराहों के चारों तरफ मजबूत रेलिंग लगाई जाएगी और चौड़ीकरण कर दीवारों को खूबसूरत पत्थरों से सजाया जाएगा। साथ ही इन दीवारों पर देशभक्त, महापुरुषों व जिले की प्रमुख विभूतियों का चित्र व संबंधित श्लोगन लिखे जाएंगे। ईओ दुर्गेश्वर त्रिपाठी ने बताया कि यहां शहरियों के बैठने व टहलने-घूमने का भी पूरा इंतजाम किया जाएगा। बताया कि इसके लिए खाका खींचा जा रहा है।

चौराहे पर स्थापित हुआ ट्रैफिक पोल, अवैध वाहनों व नो एंट्री की होगी निगरानी

लखनऊ-गोरखपुर फोरलेन स्थित बस्ती के बड़ेवन चौराहे को अब और बेहतर तरीके से सजाया गया है। दूसरी तरफ सड़क सुरक्षा व सुगम यातायात व्यवस्था को लेकर भी अन्य संसाधन स्थापित किए जाएंगे।

यहां ट्रैफिक पोल स्थापित कर 24 घंटे सिपाही तैनात किए जा रहे हैं और शहर से होकर या फिर शहर के अंदर आने वाले वाहनों की नियमित निगरानी हो सकेगी। बड़ेवन चौराहा मंडल मुख्यालय पर पहुंचने का प्रमुख प्रवेश द्वार कहा जाता है। कारण यह है कि फोरलेन के फलाईओवर के नीचे से होकर जहां सिद्धार्थनगर, नेपाल, पीलीभीत, बहराइच व गोंडा से आने वाले वाहनों का आवागमन होता है, वहीं फ्लाईओवर के सर्विस रोड से लखनऊ व गोरखपुर से वाहनों की आवाजाही होती है।

# एकता का पाठ पढ़ाने पहुंचे पर्यवेक्षकों में बीच बिखरे कांग्रेसी, जींद में आब्जर्वर गो-बैक के नारे लगाए

हिसार। हरियाणा एक बार फिर कांग्रेस में गुटबाजी खुलकर सामने आई है। हिसार में कुमारी सैलजा के कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की तो जींद में रणदीप सुरजेवाला के कार्यकर्ताओं ने खुलकर विरोध जताया। दरअसल, हिसार में कांग्रेस संगठन को लेकर एआईसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक कांति बराड़ सोमवार को कांग्रेस भवन में पहुंचे थे। हिसार में एकता का पाठ पढ़ाने आए कांग्रेस पर्यवेक्षकों के सामने कांग्रेस के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए दिखाई दिए। कुमारी सैलजा समर्थकों ने नारेबाजी करते हुए जिला अध्यक्ष के पद की मांग की। इस दौरान सैलजा के समर्थकों में डॉ. अजय चौधरी, जिला परिषद के पूर्व चेयरमैन बृजबहबलियापुरिया के साथ करीब 15 से 20 युवा शामिल थे। कांग्रेस कार्यालय में करीब आधे घंटे तक नारेबाजी जारी रखी।

कांग्रेस संगठन को लेकर एआईसीसी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक कांति बराड़ सोमवार को कांग्रेस भवन में पहुंचे थे। यहां उन्होंने सुबह 10 से शाम 4 बजे तक पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलकर उनकी राय लेनी है। जिसके आधार पर जिला स्तर के पदाधिकारियों की नियुक्ति की जानी है। कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को अपना पक्ष रखने के लिए आमंत्रित किया गया था। करीब 11 बजे जब कार्यकर्ता अपना पक्ष रखने जा रहे थे तब कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जिला अध्यक्ष का पद किसी व्यक्ति विशेष को नहीं दिया जाना चाहिए। पर्यवेक्षक कांति बराड़ ने कहा कि जोश में कुछ कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए हैं। व्यक्तिगत रूप से चर्चा करके पार्टी मामलों के प्रदेश प्रभारी दीपक बाबरिया को रिपोर्ट देंगे। शाम चार बजे तक कार्यालय में रहकर सभी की बात सुनेंगे। कोई भी कार्यकर्ता अपनी बात रख सकता है।

जींद में कांग्रेस आब्जर्वर के सामने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक गुट का हंगामा

जींद में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी से स्टेट कॉ-आर्डिनेटर मयंक पटेल, पीसीसी ऑब्जर्वर मेवा सिंह, अजय शर्मा और जिला प्रभारी आनंद दांगी रेस्ट हाऊस में पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस की मीटिंग शुरू होते ही हंगामा हो गया और रणदीप सिंह सुरजेवाला गुट के कांग्रेसियों ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे दीपेंद्र हुड्डा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि वह बाप-बेटों की नहीं चलने देंगे।

रणदीप सिंह सुरजेवाला गुट के एडवोकेट संदीप हैबतपुर ने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा और दीपेंद्र ने ही आब्जर्वर बनाए हैं। कांग्रेस के दूसरे नेताओं का इसमें कोई रोल नहीं है। नारे लगाने वाले कार्यकर्ता कांग्रेस के खिलाफ नहीं है। वह राहुल गांधी, सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे के साथ हैं। वहीं हुड्डा ग्रुप के नेता और कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता जगबीर ढिगाना ने कहा कि सभी ने सोशल मीडिया और अखबारों के माध्यम से पिछले कई दिनों से सूचित किया जा रहा है।

हर प्लेटफार्म पर सूचना दी जा रही है। प्रभारी सभी के हैं। यहां जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया जा रहा था, ताकि कांग्रेस ज्यादा से ज्यादा सीटें प्रदेश में निकाल सके।

## गबन के आरोपी सहायक प्रबंधक को भेजा जेल

बरेली। उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की बिजौरिया रोड शाखा से 54.34 लाख रुपये के गबन के आरोपी सहायक प्रबंधक दारा सिंह मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश करने के बाद रविवार को उसे जेल भेज दिया गया। करीब 10 महीने पहले पांच खाताधारकों ने नवाबगंज थाने में दर्ज कराई शिकायत में खाते से रुपये निकालने का आरोप लगाया था। आरोप था कि उन्होंने चेकबुक नहीं ली, इसके बावजूद खातों से रुपये निकाल लिए गए।

प्राथमिक जांच के बाद कैशियर प्रिंस कुमार को निलंबित किया गया था। खातों से लेनदेन पर भी रोक लगा दी गई। जांच में सामने आया कि 24 अगस्त 2020 से 18 नवंबर 2022 के बीच 54.34 लाख रुपये का गबन किया गया। शाखा प्रबंधक जगदीश कुमार ने कैशियर प्रिंस कुमार, सहायक प्रबंधक दारा सिंह मीणा, बैंक मित्र यतेंद्र के साथ ही जिस भवन में बैंक शाखा संचालित हो रही थी उस भवन स्वामी के बेटे महेंद्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिन खातों से गबन किया गया उनमें से 105 खाताधारकों की मौत हो चुकी थी।

# घर में ऐसे हाल में मिलीं आठ लड़कियां और 10 लड़के, बेटे का पीछा करते हुए आया परिवार और....

बरेली। बरेली में सेक्स रैकेट का आरोप लगाकर एक परिवार ने जमकर हंगामा किया। यहां एक घर के अंदर आठ लड़कियां और 10 लड़के मौजूद थे। मौके पर आपत्तिजनक चीजें मिलीं। हालांकि पुलिस सभी आरोप खारिज कर दिए। बरेली के सौफुटा रोड पर एक घर में सेक्स रैकेट चलने का आरोप लगाकर लोगों ने रविवार को हंगामा किया। करीब आधे घंटे बाद इज्जतनगर थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने देह व्यापार जैसी बात से इनकार किया।

डेलापीर से सौ मीटर दूर एक निजी अस्पताल के पास घर में करीब आठ लड़कियां और दस लड़के देखे जाने का शोर मचा। दरअसल, सुभाष नगर क्षेत्र के लोग अपने ही परिवार के एक लड़के का पीछा करते हुए यहां तक आए थे। उनका कहना था कि लड़का कई दिन से घर से रुपये और जेवर लेकर यहां आ रहा है। वह कुछ गलत महिलाओं के गिरोह के संपर्क में आ गया है। मोबाइल से वीडियो बनाते हुए घर में घुसे लोगों ने लड़के को यहीं से तलाश कर लिया।

फिर यहां मौजूद लड़कियों पर गुस्सा निकाला। वीडियो बनाते हुए लड़कियों से बात की गई तो उन्होंने अलग-अलग बातें बताईं। किसी ने कहा कि वह अपने मौसा के घर रहने आई हैं। किसी ने बताया कि ये एक सैन्यकर्मी का घर है जो उसने किराये पर लिया है। बोलचाल से कुछ लड़कियां पश्चिम बंगाल और बिहार प्रांत की लग रही थीं। लोगों का आरोप था कि मकान में कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई हैं। इज्जतनगर थाने के दरोगा ने सब आरोप खारिज कर दिए। इस बीच तक अधिकतर लड़के लड़कियां मौके से फरार हो गए।

इंस्पेक्टर इज्जतनगर अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि एक व्यक्ति ने सूचना दी थी। मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन कुछ आपत्तिजनक नहीं मिला।

# भरोसे में लेकर वीडियो बनाया, वायरल करने से बिगड़ी बात

बरेली। देवरनिया थाना क्षेत्र में वीडियो वायरल होने के बाद जहर खाकर छात्रा के जान देने का मामला गरमा गया है। सहपाठी छात्र ने छात्रा को भरोसे में लेकर जो वीडियो बनाया, उसे एडिट करके वायरल कर दिया। तभी से छात्रा अवसाद में आ गई थी। बाद में उसने जान दे दी। देवरनिया के एक इंटर कॉलेज में छात्र और छात्राएं सभी एक साथ पढ़ते हैं। कस्बा व आसपास के गांवों में मिश्रित आबादी है। इस लिहाज से सभी धर्म और जातियों के बच्चे यहां पढ़ाई करते हैं। आधुनिक दौर में छात्र-छात्राओं में बातचीत और आपसी हंसी मजाक भी आम बात है। इस मामले में भी ऐसी ही स्थिति बताई जा रही है। पड़ोसी गांव की छात्रा कस्बे में रोज पढ़ाई करने आती थी। कॉलेज में वह सहेलियों के अलावा सहपाठी छात्रों से भी बात करती थी।

बताया जा रहा है कि 15 अगस्त को जब सभी कॉलेज में जुटे तो उन्होंने एक दूसरे के साथ फोटो व वीडियो बनाए। इसे लेकर किसी के मन में कोई मैल नहीं था। छात्रा को भी जानकारी नहीं थी कि साथ पढ़ने वाला छात्र वीडियो को गाने व दूसरी तरह से अश्लील बनाकर वायरल कर देगा। बताते हैं कि 15 अगस्त को ही छात्र ने वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया। छात्रा की सहेलियों ने उसे बताया तो वह सदमे में आ गई। घर में वह गुमसुम रहने लगी। बताते हैं कि कुछ दिन बाद किसी ने छात्रा के परिजनों को यह वीडियो दिखाया तो वह भी सकते में पड़ गए। उन्होंने छात्रा को डांटा तो वह और घबरा गई। तब तक वीडियो संगठनों के कार्यकर्ताओं तक पहुंच चुका था। उन्होंने इस पर तीखा विरोध जताया। पुलिस ने रिपोर्ट लिखकर आरोपी पर कार्रवाई की तो छात्रा शर्मिंदगी की वजह से जहर खाकर जान देने को मजबूर हो गई।

## सात अंतरराज्यीय तस्करों पर लगा गैंगस्टर

भदोही। संगठित व पेशेवर अपराधियों के खिलाफ पुलिस की सख्ती जारी है। रविवार को सात अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के खिलाफ पुलिस ने दुर्गागंज थाने में गैंगेस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया। महीने भर पूर्व दुर्गागंज के कुढ़वा से एक क्विंटल गांजा के साथ पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार किया था। दुर्गागंज थाने की पुलिस ने संगठित होकर समाज में वर्चस्व कायम करने और भौतिक-आर्थिक व अनुचित लौकिक लाभ के लिए अंतरराज्यीय स्तर पर गांजा तस्करी करने वाले सात शातिर तस्करों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की है। इसमें गैंगलीडर राम कुमार यादव निवासी खरगसेनपट्टी, सौरभ चौबे निवासी सेऊर औराई, राजमणि गौतम निवासी कुसौड़ा, रविंद्र मिश्रा निवासी धनीपुर जंगीगंज, रविंद्र कुमार सिंह निवासी उमरहां चौबेपुर वाराणसी, विकास कुमार गौतम निवासी जोगीबीर और राहुल यादव निवासी घमहापुर शामिल हैं।

# सीबीगंज थाने के इंस्पेक्टर ने हिस्ट्रीशीटर को बचाया तो खफा हुए एसएसपी, लगाई फटकार

बरेली। सीबीगंज के गांव अटरिया महेशपुर का रहने वाला आबिद अली हिस्ट्रीशीटर है। उस पर कई थानों में रंगदारी, डकैती, दुष्कर्म के करीब 25 मुकदमे दर्ज हैं। इसके बावजूद पुलिस की मेहमानी से वह खुलेआम घूम रहा है। बरेली में हिस्ट्रीशीटर आबिद अली पर सीबीगंज थाना पुलिस इस कदर मेहरबान है कि दस दिन पहले दर्ज मुकदमे की धाराओं में खेल कर दिया। शिकायत पर एसएसपी ने इंस्पेक्टर सीबीगंज की क्लास लगा दी और रंगदारी की धारा बढ़ाने के निर्देश दिए। कई जनप्रतिनिधि भी आबिद के खिलाफ कार्रवाई के लिए लिख चुके हैं। आईजी भी गिरफ्तारी का आदेश कर चुके हैं। सीबीगंज के गांव अटरिया महेशपुर का रहने वाला आबिद अली हिस्ट्रीशीटर है। उस पर कई थानों में रंगदारी, डकैती, दुष्कर्म के करीब 25 मुकदमे दर्ज हैं। बावजूद पुलिस की मेहमानी से वह खुलेआम घूम रहा है। अटरिया निवासी शौकत अली ने 15 दिन पहले चुनावी रंजिश व अन्य मामले को लेकर आबिद अली समेत चार के खिलाफ़ रंगदारी, मारपीट, जान से मारने की धमकी देने की तहरीर दी थी।

पुलिस ने इसमें केवल एनसीआर दर्ज की। रंगदारी की धारा ही हटा दी गई। फिर आबिद अली का शांतिभंग में चालान किया। तुरंत ही उसकी जमानत हो गई। पीड़ित ने अब इसकी शिकायत एसएसपी से की है। एसएसपी ने इंस्पेक्टर को फटकार लगाते हुए रंगदारी की धारा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं।

गुंडा एक्ट की कार्रवाई दबाई

बताते हैं कि जनप्रतिनिधियों व जनता की शिकायतों के बाद एसएसपी ने पांच दिन पहले आबिद अली के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। सीबीगंज पुलिस उस आदेश को अभी तक थाने में ही दबाए बैठी है। दोबारा शिकायत के बाद पत्रावली निकाली गई है।

सांसद और मेयर ने लिखा

सुभाष लोधी के शिकायती पत्र पर सांसद संतोष गंगवार ने एक पत्र एसएसपी व बीडीए उपाध्यक्ष को लिखा है। इसमें उन्होंने कहा है कि आबिद अली की ओर से कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जा कर बिना नक्शा पास कराए मकान बनाया गया है। इसकी जांच की जाए। महापौर उमेश गौतम ने भी आईजी को पत्र लिखकर कार्रवाई करने के लिए कहा है।

एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान ने बताया कि हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ कुछ लोगों ने हमसे शिकायत की थी। थाना पुलिस को संबंधित धारा में कार्रवाई कर गुंडा एक्ट लगाने के भी निर्देश दिए हैं।

# छात्रा ने दी जान- सहपाठी ने नॉर्मल वीडियो बनाया अश्लील, फिर इंस्टाग्राम पर किया अपलोड

बरेली। देवरनिया थाना इलाके में वीडियो वायरल होने के बाद जहर खाकर छात्रा के जान देने का मामला गरमा गया है। सहपाठी छात्र ने छात्रा को भरोसे में लेकर जो वीडियो बनाया, उसे एडिट करके वायरल कर दिया। तभी से छात्रा अवसाद में आ गई थी। बाद में उसने जान दे दी। बरेली के थाना देवरनियां क्षेत्र के एक कॉलेज में पढ़ने वाले युवक ने अपनी ही कक्षा की दूसरे समुदाय की छात्रा के साथ आपत्तिजनक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसके बाद हिन्दू संगठनों ने इसे लव जिहाद का मामला बताकर कार्रवाई की मांग की तो पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया। वायरल वीडियो से आहत छात्रा ने दो दिन पहले जहर खा लिया। रविवार को छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस ने अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर धाराएं बढ़ाने की बात कह रही है।

भरोसे में लेकर वीडियो बनाया, वायरल करने से बिगड़ी बात

दरअसल, देवरनिया थाना इलाके में वीडियो वायरल होने के बाद जहर खाकर छात्रा के जान देने का मामला गरमा गया है। सहपाठी छात्र ने छात्रा को भरोसे में लेकर जो वीडियो बनाया, उसे एडिट करके वायरल कर दिया। तभी से छात्रा अवसाद में आ गई थी। बाद में उसने जान दे दी। देवरनिया के एक इंटर कॉलेज में छात्र और छात्राएं सभी एक साथ पढ़ते हैं। कस्बा व आसपास के गांवों में मिश्रित आबादी है। इस लिहाज से सभी धर्म और जातियों के बच्चे यहां पढ़ाई करते हैं। आधुनिक दौर में छात्र-छात्राओं में बातचीत और आपसी हंसी मजाक भी आम बात है। इस मामले में भी ऐसी ही स्थिति बताई जा रही है। पड़ोसी गांव की छात्रा कस्बे में रोज पढ़ाई करने आती थी। कॉलेज में वह सहेलियों के अलावा सहपाठी छात्रों से भी बात करती थी। बताया जा रहा है कि 15 अगस्त को जब सभी कॉलेज में जुटे तो उन्होंने एक दूसरे के साथ फोटो व वीडियो बनाए। इसे लेकर किसी के मन में कोई मैल नहीं था। छात्रा को भी जानकारी नहीं थी कि साथ पढ़ने वाला छात्र वीडियो को गाने व दूसरी तरह से अश्लील बनाकर वायरल कर देगा। बताते हैं कि 15 अगस्त को ही छात्र ने वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर कर दिया। छात्रा की सहेलियों ने उसे बताया तो वह सदमे में आ गई। घर में वह गुमसुम रहने लगी। बताते हैं कि कुछ दिन बाद किसी ने छात्रा के परिजनों को यह वीडियो दिखाया तो वह भी सकते में पड़ गए। उन्होंने छात्रा को डांटा तो वह और घबरा गई। तब तक वीडियो संगठनों के कार्यकर्ताओं तक पहुंच चुका था। उन्होंने इस पर तीखा विरोध जताया।

पुलिस ने रिपोर्ट लिखकर आरोपी पर कार्रवाई की तो छात्रा शर्मिंदगी की वजह से जहर खाकर जान देने को मजबूर हो गई। बताया जा रहा है कि आरोपी के पिता मजदूरी पेशा इन्सान हैं जो मुश्किल से गुजर बसर कर रहे हैं, मगर बेटा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहता था।

## ब्रिटानिया फैक्टरी के चालकों को पीटा, बस के शीशे तोड़े

बाराबंकी। थाना क्षेत्र में स्थित ब्रिटानिया फैक्टरी के बाहर युवतियों से अश्लील हरकत कर रहे युवकों को बस चालक ने मना किया तो युवकों ने आठ-दस साथियों के साथ पहुंचकर चालक व उसके साथी की पिटाई कर दी। साथ ही बस के शीशे तोड़ दिए गए। चालक ने थाने में तहरीर देकर मोबाइल व रुपये लूटने का आरोप भी लगाया है। ब्रिटानिया कंपनी के बस चालक विजय कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दो सितंबर को करीब ढाई बजे दो अज्ञात युवक फैक्टरी से निकलीं लड़कियों से अश्लील हरकत करने लगे। इसका विरोध किया तो इससे चिढ़े दोनों युवक अपने आठ-दस साथियों के साथ रात करीब 9ः30 बजे रात फैक्टरी के बाहर पहुंचे और बस का शीशा ईंट-डंडों से तोड़कर पिटाई कर दी। शोर सुनकर दूसरा चालक पवन कुमार बचाने आया तो उसकी भी पिटाई कर दी। आरोप है कि दोनों लोगों के मोबाइल व रुपये भी लूट लिए। एक युवक को पहचान लिया गया है।

# रास्ता बंद करने का विरोध करने पर टोल कर्मियों ने पीटा

बरेली। नौगवां गांव के लिए जाने वाले रास्ते को बंद करने का विरोध करने पर टोल कर्मचारियों ने विहिप कार्यकर्ता और उसकी पत्नी की पिटाई लगा दी। सीओ के आदेश पर मामले में दो नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित ने बताया कि आरोपी टोल प्लाजा संचालित करने वाली कंपनी के कर्मचारी हैं। मामले में टोलकर्मी ने भी पुलिस को तहरीर दी है। गांव के रहने वाले नेतराम ने बताया कि वह विश्व हिंदू परिषद से जुड़े हुए हैं। टोल प्लाजा के पास ही वह चाय का ठेला लगाते हैं। गांव जाने वाले रास्ते पर टोल प्लाजा का संचालन करने वाली कंपनी की ओर से बेरिकेडिंग कर दी गई है। यहां कर्मचारी भी तैनात हैं। तीन दिन पहले वह ठेला लेकर गांव जा रहे थे। यहां तैनात कर्मचारियों ने बेरिकेडिंग नहीं हटाई। जब उन्होंने उसे खुद हटाने का प्रयास किया तो बैरियर गिर गया। इससे गुस्साए आरोपियों ने उनकी पिटाई लगा दी। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित किया। उन्होंने इसकी तहरीर भी पुलिस को दी।

रविवार को वह पत्नी के साथ बाइक से जा रहा था। आरोपी इश्हाक और जाकिर ने अपने साथियों के साथ मिलकर पिटाई की। वहां से गुजर रहे लोगों ने उसे बचाया। मामले में विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मानवेंद्र प्रताप सिंह राणा ने बताया कि आरोपी धर्मस्थल पर तेज आवाजा में लाउडस्पीकर बजाते थे। शिकायत कर इसे बंद करा दिया। इसके बाद से आरोपी कार्यकर्ताओं से रंजिश रखते हैं। वहीं, टोलकर्मी जाकिर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि नेतराम ने कर्मचारियों के साथ गालीगलौज और मारपीट की। उन्होंने एक लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है।

बेरिकेडिंग हटाने की मांग

मानवेंद्र प्रताप सिंह राणा ने बताया कि टोल प्लाजा का संचालन करने वाली कंपनी ने गांव के आम रास्ते को नियमविरुद्ध तरीके से बंद किया है। इस रास्ते को खोला जाना चाहिए।

# कानून एवं शान्ति व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले बख्शे नहीं जायेंगे-डीएम

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। आसन्न चेहल्लुम, श्री कृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी व ईद-ए-मिलाद (बारावफत) इत्यादि त्यौहारों के अवसर पर कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत शनिवार को देर शाम कलेक्टेªट सभागार में आयोजित जिला शान्ति समिति की बैठक को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक प्रशान्त वर्मा ने कहा कि जिले के अम्नो-अमान के साथ खिलवाड़ करने वाले शरारती तत्वों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। डीएम व एसपी ने आश्वस्त किया कि आसन्न त्यौहारों के अवसर गुड पुलिसिंग के साथ-साथ बिजली, पानी एवं साफ-सफाई के भी माकूल बन्दोबस्त रहेंगे। डीएम व एसपी ने जनपदवासियों से अपील की कि जिले की गंगा-जमुनी परम्परा को कायम रखते हुए सौहार्दपूर्ण माहौल में त्यौहार मनायें।

डीएम व एसपी ने लोगों से अपील की कि त्यौहार के दौरान किसी नई परम्परा का आगाज़ न किया जाय सभी लोग मिलजुलकर परम्परागत ढंग से त्यौहार मनायें तथा कोई ऐसा कार्य न करें जिससे त्यौहार की खुशियों में कडवाहट आ जाये। डीएम व एसपी ने कहा कि सभी जुलूसों के साथ पर्याप्त पुलिस बल के साथ व्यापक स्तर पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की जाएगी जो प्रारम्भ से अन्त तक जुलूस के साथ मौजूद रहेंगे। डीएम व एसपी ने आमजन से अपील की कि त्यौहार को मिलजुलकर मनायें और भ्रमण के दौरान अफवाहें न फैलाने दें। वरिष्ठ लोग युवाओं और बच्चों पर नियत्रंण रखें। डीएम व एसपी द्वारा एसडीएम, पुलिस क्षेत्राधिकारियों व थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर पूरी सर्तकता बनाएं रखें। यदि कहीं पर कोई प्रतिकूल तथ्य संज्ञान में आता है तो तत्काल उसका समाधान करा दें। किसी भी छोटी-से-छोटी बात को ओवरलुक न किया जाय। क्षेत्र के संभ्रान्त व गणमान्यजनों तथा बुजुर्गों के मोबाइल नम्बर अपने पास रखें। जिले में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाए रखने में जिम्मेदार शहरियों से भी सहयोग प्राप्त किया जाय। डीएम व एसपी द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि थाना स्तर पर शान्ति समिति की बैठक आयोजित कर ली जाएं। थानाध्यक्षों को निर्देश दिया गया कि शरारती तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखी जाय और लोगों के विरूद्ध बाउण्ड डाउन की कार्यवाही करें तथा कानून एवं शान्ति व्यवस्था को बनाये रखने में सीसीटीवी व ड्रोन कैमरों की भी मदद ली जाय। डीएम मोनिका रानी ने जिला पंचायत राज अधिकारी व नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में त्यौहारों के अवसर पर धार्मिक स्थलों, प्रमुख रास्तों, चौराहों, जुलूस मार्गो की पर्याप्त साफ-सफाई, चूनाकारी के साथ-साथ संक्रामक रोगों की रोकथाम हेतु फागिंग एवं एण्टीलार्वा का छिड़काव भी कराएं तथा प्रकाश की व्यवस्था की जाय। अधि.अभि. विद्युत को त्यौहार के अवसर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति बनाएं रखने के निर्देश दिये गये। बैठक के दौरान राजेन्द्र गुप्ता, डॉ. मोहम्मद आलम सरहदी, परशुराम कुशवाहा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष तेजे खॉ, दीपक सोनी उर्फ दाऊजी, कारी ज़ुबेर अहमद, अध्यक्ष न.पा.परि. नानपारा अब्दुल बहीद सहित

तहसील नानपारा व कैसरगंज क्षेत्र के अन्य वक्ताओं द्वारा भी साफ-सफाई, बिजली, पानी इत्यादि के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए आश्वस्त किया गया आसन्न त्यौहारों को जनपदवासी सौहार्दपूर्ण माहौल में मिलजुलकर मनायेंगे। बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर का अखिल भारतीय पुलिस सेवा में पदोन्नत होने तथा शान्ति समिति के सदस्य के पुत्र के न्यायिक सेवा में चयन होने पर सभी लोगों ने बधाई दी। बैठक के दौरान जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में डॉ. सरहदी की ओर मिष्ठान का वितरण किया गया। बैठक का संचालन अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सागर व अपर पुलिस अधीक्षक नगर कुंवर ज्ञानंजय सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पवित्र मोहन त्रिपाठी, नगर मजिस्टेªट शालिनी प्रभाकर, सीएमओ डॉ. एस.के. सिंह, एसडीएम, सीओ व अन्य अधिकारी, विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर के प्रतिनिधि आलोक जिंदल, न.पा.परि. बहराइच की अध्यक्ष श्रीमती सुधा देवी के प्रतिनिधि श्यामकरन टेकड़ीवाल सहित बड़ी संख्या में धर्मगुरू, संभ्रान्तजन व गणमान्यजन मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### डेंगू का एक और मरीज मिला, तीन हुए

आजमगढ़। वायरल बुखार का कहर जिले में बढ़ता जा रहा है। एक और डेंगू का केस सामने आने के बाद अब तक मिले डेंगू मरीजों की संख्या तीन हो चुकी है। नए मरीज को जिला अस्पताल के डेंगू वार्ड में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। वहीं सरकारी अस्पतालों में कम लेकिन प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के डेंगुरपुर गांव निवासी सुधीर कुमार 30 में डेंगू की पुष्टि हुई है। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। अब तक इस सीजन में डेंगू के तीन केस जिले में मिल चुके है। जिसमें एक पूरी तरह से स्वस्थ्य होकर घर भेजा जा चुका है तो वहीं दूसरा भी स्वस्थ्य होने के कगार पर है। जिला अस्पताल के भी अलग-अलग वार्ड में बुखार पीड़ित भर्ती होकर इलाज करा रहे है। मेल वार्ड में सात और महिला वार्ड में एक बुखार पीड़ित भर्ती है। इमरजेंसी में प्रतिदिन 10 से 12 बुखार के मरीज पहुंच रहे है। वहीं सदर अस्पताल में 15 से 20 और बाल रोग विशेषज्ञों की ओपीडी में 10 से 12 बच्चे इलाज के लिए पहुंच रहे है।

### मारपीट की घटनाओं में 12 घायल, भर्ती

आजमगढ़। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चार स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में 12 लोग घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारपीट झाड़फूंक को लेकर हुई है। सरायमीर थाना के सिकरौर सहबरी गांव में झाड़फूंक को लेकर दो पक्षों में शनिवार को मारपीट हो गई। इसमें छद्दू सोनकर 46, सूरज 21, सीमा 18, शीला 50, पूनम 26, खुशबू 20 घायल हो गए। वहीं कप्तानगंज थाना क्षेत्र के मोलनापुर बाजार में जातिगत टिप्पणी को लेकर हुई मारपीट में नीरज तिवारी 33 निवासी राव गुरजार घायल हो गए। दीदारगंज थाना के बीबीगंज गांव में भुट्टा तोड़ने को लेकर पट्टीदारों के बीच रविवार की सुबह मारपीट हो गई। जिसमें चंदन 20, शांति देवी 40 व श्रीराम 45 घायल हो गए। वहीं बरदह थाना के खरांट गांव में भूमि विवाद को लेकर पट्टीदारों के हमले मे रंजना राय 43 व आशा राय 50 घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

### जयंती पर कमलापति त्रिपाठी को किया नमन

आजमगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में रविवार को प्रदेश के पूर्व सीएम और रेल मंत्री रहे पंडित कमलापति त्रिपाठी की 118वीं जयंती पर उन्हें याद किया गया। कांग्रेसजनों ने उनके के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वह महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। वह प्रदेश के मुख्यमंत्री और रेल मंत्री के रूप में विकास के अनेक कार्य किए। महासचिव अजीत राय ने कहा कि प्रदेश और देश के विकास में उनका योगदान अविस्मरणीय है। इस दौरान ओंकार पांडेय, जगदंबिका चतुर्वेदी, मुन्नू यादव, दिवाकर तिवारी, अंजली पांडेय आदि उपस्थित थे। शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में शहर अध्यक्ष मोहम्मद नजम शमीम की अध्यक्षता में कांग्रेसियों ने कमलापति त्रिपाठी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया और श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बेलाल अहमद आज़मी, मोहम्मद नसर, अनस, प्रशांत पांडेय, नीरज, अफजल, सबरेज, ओबैदउल्ला आदि उपस्थित रहे।

### पहले दिन स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस में दिल्ली की यात्रा नहीं कर पाएंगे जिलेवासी

औरैया। सांसद डा.रामशंकर कठेरिया के प्रयासों से आगामी छह सितंबर से स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव शुरू हो रहा है, लेकिन पहले दिन स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस से नई दिल्ली की यात्रा करने के लिए उत्साहित जिलेवासियों को निराशा हाथ लगी है। रविवार को अप स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस में आरक्षण प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन छह सितंबर के लिए ट्रेन के चेयर कार कोच में वेटिंग टिकट मिल पा रहे हैं। गत 29 अगस्त को रेल प्रशासन ने घोषणा की थी कि आगामी छह सितंबर से स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस का फफूंद रेलवे स्टेशन पर ठहराव शुरू हो जाएगा। स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस के फफूंद में ठहराव को लेकर जिले वासी खासे उत्साहित नजर आ रहे हैं। यात्रियों के अनुसार आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शनिवार को 12004 डाउन स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस में आरक्षण प्रक्रिया शुरू हो गई थी। रविवार को 12003 अप स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस में भी आरक्षण प्रक्रिया शुरू हो गई, लेकिन उस समय यात्रियों को मायूसी हाथ आई। जब उन्होंने पहले ही दिन छह सितंबर को दिल्ली के लिए आरक्षण करना चाहा। रविवार की शाम को फफूंद से नई दिल्ली के लिए ट्रेन में वेटिंग टिकट ही बनते नजर आए। हालांकि अगले दिनों के लिए नई दिल्ली के लिए आरक्षित टिकट मिल रहे हैं। शाम के समय आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर चेयरकार में 24 वेटिंग नजर आई। जबकि एक्जीक्यूटिव क्लास में चार वेटिंग दिखा। नई दिल्ली से फफूंद आने वाले यात्रियों को ट्रेन में छह सितंबर से लेकर अगले दिनों के लिए आरक्षित टिकट मिल रहे हैं।

### मंगला काली मंदिर में पौधारोपण के साथ अभियान हुआ समाप्त

औरैया। एक विचित्र पहल सेवा समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए रविवार सुबह शहर से लगभग पांच किलोमीटर दूरी बीहड़ स्थित सिद्ध पीठ महामाया मंगला काली मंदिर परिसर में पौधारोपण अभियान चलाया गया। संस्था ने मंदिर परिसर में सिंदूर, पारिजात, गुड़हल व अश्वगंधा आदि दुर्लभ औषधियों के पौधों का रोपण किया। इसके साथ ही एक विचित्र पहल सेवा समिति का लक्ष्य 5100 पौधों का अभियान का समापन हुआ। अभियान के अंतर्गत समिति के संस्थापक आनंद नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि प्राकृतिक धरोहर से अनावश्यक छेड़छाड़ करने पर तमाम प्राकृतिक आपदाओं के कहर का संकेत पर्यावरण असंतुलन के रूप में हम लोगों को देखने को मिल रहा है। फिर भी हम लोग पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजग नहीं हैं। हम लोगों को प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण करना चाहिए। इस दौरान मनीष पुरवार (हीरु) का सराहनीय योगदान रहा। समिति की ओर से मनीष को पर्यावरण योद्धा के रूप में माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

### राजकीय वाहन चालक संघ के अध्यक्ष बने विजय

बदायूं। उपकृषि निदेशक कार्यालय परिसर में रविवार को राजकीय वाहन चालक महासंघ के चुनाव में कृषि विभाग के चालक विजय सिंह को अध्यक्ष और विकास विभाग के चालक सत्यभान सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया। चकबंदी विभाग के चालक नंदकिशोर को संरक्षक बनाया गया। लोक निर्माण विभाग के चालक रामरहीश गौतम को उपाध्यक्ष, स्वास्थ्य विभाग के चालक मोहम्मद उमर को मंत्री, सिंचाई विभाग के चालक राजेंद्र कश्यप को उपमंत्री, लोक निर्माण विभाग के चालक राजेश मिश्रा संगठन मंत्री, राजस्व विभाग के चालक मनोज कश्यप को प्रचार मंत्री, वाणिज्यकर विभाग के चालक संगम यादव को संयुक्त मंत्री, विकास विभाग के चालक सतीश यादव को कोषाध्यक्ष और स्वास्थ्य विभाग के चालक सुखपाल सिंह को ऑडिटर चुनाव गया है। पंचायत विभाग के मुकेश बाबू, सिंचाई विभाग के राकेश, राजस्व विभाग के प्रेमपाल सिंह यादव, विकास विभाग के सुनील कुमार, स्वास्थ्य विभाग के सरवन कुमार और लोक निर्माण विभाग के रविंद्र प्रसाद को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

### दिव्यांग, वृद्ध व विधवाओं के पेंशन मिलने में हो रही देरी

बदायूं। राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की मासिक बैठक मालवीय पर हुई। इसमें दिव्यांगों की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री के नाम शिकायती पत्र डीएम को दिया। इसमें जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि वृद्ध व विधवाओं की समस्याओं के संपूर्ण समाधान की मांग की जा रही है, लेकिन उसका समाधान नहीं हो पा रहा है। साथ ही दिव्यांग, वृद्ध, विधवाओं की पेंशन विभाग द्वारा देरी से दी जा रही है, क्योंकि विभाग में दलाल हावी है। जो सरकार की छवि को धूमिल कर रहे हैं। साथ ही दिव्यांग पेंशन को एक-एक हजार से बढ़कर छह हजार रुपये प्रतिमा किया जाए। दिव्यांग को प्रधानमंत्री आवास का लाभ दिया जाए। इस दौरान राजेश कुमार बगरे, विनोद सिंह, प्रमोद कश्यप, सतपाल, रामबाबू आदि मौजूद रहे।

### पिकअप लदे राशन को लेकर हंगामा

बलिया। पिकअप पर लादकर बाजार में बेचने को जा रहे 17 बोरी खाद्यान्न को सरकारी बताकर ग्रामीणों ने शुकुलपुर ढ़ाले के पास वाहन को पकड़ लिया। जमकर बवाल काटा। उच्चाधिकारियों के साथ पुलिस को अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस पिकअप पर लदे खाद्यान्न को थाने लाई। सप्लाई इंस्पेक्टर ने ड्राइवर सहित ग्रामीणों का बयान दर्ज किया। एक पिकअप पर 17 बोरी गेहूं लादकर बाजार में बेचने लाया जा रहा था। ग्राम पंचायत घाटमपुर व आसपास के ग्रामीणों ने उसे शुकुलपुर ढाला के पास घेर लिया। ग्रामीण शुभम सिंह, सत्यदेव यादव, गोरख, धर्मेन्दर यादव, धर्मेन्दर सिंह, नकुल पासवान, जंगबहादुर राजभर, रामाशंकर राजभर आदि का आरोप था कि राशन की बोरी के सील को तोड़कर दूसरे बोरी में पलटकर करीब 17 बोरी गेहूं बाजार में बेचने के लिए ले जाया जा रहा था।

## देवी जागरण में भक्ति गीतों पर रात भर झूमे श्रद्धालु

औरैया। कस्बा कुदरकोट के होली मोहल्ला स्थित गमा देवी मंदिर पर शनिवार रात आयोजित देवी जागरण में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। इस दौरान जागरण पार्टी के कलाकारों की ओर से सुनाए गए एक से बढ़कर एक देवी गीतों व भव्य झांकियों को देखने के लिए रात भर श्रद्धालु जमे रहे। सुबह तारा रानी की कथा व प्रसाद वितरण के साथ देवी जागरण का समपन हुआ। शनिवार रात गमा देवी मंदिर पर आयोजित देवी जागरण का शुभारंभ आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने मां दुर्गा की प्रतिमा के समक्ष अखंड ज्योति प्रज्वलित कर व माता की मूर्ति पर माल्यार्पण कर किया। जागरण की शुरुआत गायिका शेफाली द्विवेदी की गणेश वंदना गजानन आ जाओ से हुई। इसके बाद गायक सिकंदर, आलोक ओझा आदि कलाकारों ने देवी गीत- निमिया की डाल मईया, हम तेरे द्वार आए हैं मां.., ए हो थावे वाली मईया..चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है.., मइया का चोला लाल-लाल.. आदि गीतों से समां बांध दिया। इस दौरान कलाकारों ने भगवान शिव, दुर्गा समेत अन्य देवी-देवताओं की झांकी प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष अरविंद कश्यप, राम प्रकाश बाथम, शिवम शाक्य, अमित चक्रवर्ती, सोनू प्रजापति, श्याम सिंह, चंदन तिवारी, बबलू, आलोक, गोलू, दीपू आदि लोग मौजूद रहे।

## तापमान बढ़ते ही शुरू हुई बिजली कटौती

आजमगढ़। तापमान बढ़ने के साथ ही विद्युत कटौती भी बढ़ गई है। जिसके कारण लोग दिन तो किसी तरह से गुजार ले रहे, लेकिन रात गुजारनी भारी पड़ रही है। छह डिवीजनों से बेहतर बिजली आपूर्ति का दावा हवा हवाई साबित हो रहा है। जिले में बिजली के 6.25 लाख घरेलू व कामर्शियल उपभोक्ता हैं। इन तक बिजली पहुंचाने के लिए छह डिवीजन बनाए गए हैं। विभाग भले ही बेहतर आपूर्ति की बात करता हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र बिजली कटौती जारी है। ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं जो शिकायत के बाद भी बदले नहीं जा रहे। कटौती का असर सिंचाई पर सबसे अधिक पड़ रहा है शहर में 24 तो ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटा बिजली देने का फरमान पूरा नहीं किया जा रहा है। सबसे खराब स्थिति मुबारकपुर डिवीजन के मोहब्बतपुर स्टेशन की है। बिजली न रहने से लोगों की रातों की नींद हराम हो रही है।

बूढ़नपुर- डिवीजन कप्तानगंज से हुंसेपुर, मंगीतपुर, पिपरी, बस्ती भुजवल, रेड़हा, कोतवालीपुर, बूढ़नपुर, मदियापार को आपूर्ति होने वाली बिजली बेपटरी हो चुकी है। रात हो या दिन बिजली के आने जाने का कोई समय नहीं है। जहानागंज - चंडेश्वर सब स्टेशन से संचालित नीबी फिडर पर पिछले 15 दिन से हर दो मिनट पर फीडर ट्रिप हो रहा है। बिजली न रहने से लोगों का गर्मी में बुरा हाल हैं। क्षेत्र के विकास सिंह, राहुल गुप्ता, सुरेश राम ने बताया कि बिजली आ रही है तो लो वोल्टेज से पंखा, ट्यूबवेल आदि नहीं चल पा रहे हैं।

दो सप्ताह से फुंका है ट्रांसफार्मर

फरिहां। क्षेत्र के पश्चिमी बस्ती में पिछले दो सप्ताह से ट्रांसफार्मर फुंका है। 63 केवीए के ट्रांसफार्मर के फुंक जाने से लगभग 250 घरों में आपूर्ति ठप पड़ी है। शिकायत के बाद भी आज तक ट्रांसफार्मर बदला नहीं जा सका। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर की क्षमता कम है। जिसके कारण आए दिन तकनीकी खराबी रहती है।

अगस्त में फुंक गए 750 ट्रांसफार्मर

अगस्त में विभिन्न क्षमता के 750 ट्रांसफार्मर फुंक चुके हैं। प्रतिदिन औसतन 25 ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। वर्कशाप के एक्सईएन रवि अग्रवाल ने बताया कि गर्मियों की अपेक्षा अब कम ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। वर्कशाप में ट्रांसफार्मरों की कोई कमी नहीं है। शिकायत दर्ज होने के बाद ट्रांसफार्मर बदले जा रहे हैं। जो मौके पर ठीक कराने की स्थिति में होते हैं, उनको वर्कशाप से जेई और मिस्त्री भेजकर सही करा दिया जा रहा है।

## अपनी पोखरी पर कब्जा नहीं हटा पा रही नपा

आजमगढ़। नगर पालिका क्षेत्र के नरौली मुहल्ले में एक पोखरी पर कुछ लोगों ने कब्जा जमा रखा है। इस पोखरी को कब्जा मुक्त कराने के लिए नगरपालिका काफी दिनों से प्रयास कर रही है, लेकिन उसे अब तक सफलता नहीं मिल सकी है। अब नगरपालिका अध्यक्ष ने एसडीएम को पत्र भेजकर पोखरी को कब्जामुक्त करने की गुहार लगाई है। नगर क्षेत्र में कई पोखरियों का पाट कर भूमाफियाओं ने प्लाटिंग कराकर बेच दिया है। शासन का निर्देश है कि सरकारी जमीनों और पोखरियों पर हुए कब्जे को हटाया जाए। कागजों पर तो सरकारी जमीनें और पोखरियां अतिक्रमणमुक्त हो चुकी हैं लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और है। नगर के नरौली क्षेत्र में एक पोखरी पर नरौली के रहने वाले कुछ लोगों ने कब्जा जमा रखा है। उनके द्वारा उक्त पोखरी को पाटकर उस पर निर्माण करा लिया गया है। नगरपालिका सालों से इस पोखरी पर हुए कब्जे को हटाने के लिए प्रयास कर रही है। लेकिन अब तक उसे सफलता नहीं मिल सकी है। अब नगरपालिका अध्यक्ष सरफराज आलम ने एसडीएम सदर को पत्र भेजकर पोखरी पर हुए अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई है। एसडीएम सदर ज्ञानचंद गुप्ता ने बताया कि उन्होंने नपा ईओ को पत्र भेज कर अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचने को कहा है। सुरक्षा के लिए वह इंतजाम करेंगे।

## वायरल बुखार के 62 तो त्वचा रोग के 194 मरीज मिले

बागपत। जहां वायरल बुखार लोगों को परेशान कर रहा है, वहीं त्वचा रोग भी बढ़ रहा है। रविवार को आरोग्य मेलों में बुखार के 62 तो त्वचा रोग के 194 मरीज मिले हैं। वायरल बुखार का प्रकोप गांवों में अधिक फैल रहा है। चिकित्सक मरीजों को उपचार करने के साथ एहतियात बरतने की सलाह दे रहे हैं।

चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में बदलाव और खानपान सही नहीं होने के कारण लोग बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। मौसम में हो रहे बदलाव और खानपान में लारवाही लोगों को बीमार बना रही है। नगर क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में लोग वायरल की चपेट में अधिक आ रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रविवार को लगाए गए मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में बुखार के 62 मरीज मिले, जबकि 194 को त्वचा रोग था। विभाग की ओर से 52 मरीजों की मलेरिया और नौ मरीजों की डेंगू की जांच कराई गई। सभी की रिपोर्ट निगेटिव आई। चिकित्सकों का कहना है कि गंदगी और खान-पान का सही ध्यान न रखने के कारण लोग अधिक बीमार हो रहे हैं।

वायरल में कम हो सकती है प्लेटलेट्स

लगातार बुखार रहने से प्लेटलेट्स भी कम हो रही हैं। चिकित्सकों का कहना है कि डेंगू में प्लेटलट्स अधिक गिरती है। कई दिन तक वायरल बुखार रहने से भी प्लेटलेट्स कम होने की आशंका बढ़ जाती है।

ऐसे करें बचाव

-खान-पान का ध्यान रखें

-आसपास पानी जमा ना होने दें

-रात में मच्छरदानी का प्रयोग करें

-भीड़-भाड़ के क्षेत्रों में मास्क का प्रयोग करें

-पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें

-चिकित्सक की सलाह के बगैर दवाई का सेवन न करें

-बासी खाना और कटे फलों का सेवन न करने से बचें

-हरी सब्जी और ताजे फलों का सेवन करें

-तरल पेय पदार्थों का अधिक सेवन करें

-फ्रीज की ट्रे और कूलर को साफ रखें

गदंगी में बढ़ जाता है संक्रमण का खतरा

सीएमओ डॉ महावीर सिंह का कहना है कि गंदगी के कारण वायरल, बैक्टीरियल और फंगल संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जिससे लोग बुखार की चपेट में आ जाते हैं। विभाग की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों की जांच कराई जा रही है। इसके अलावा एंटीलार्वा का छिड़काव कराकर लोगों को स्वच्छता के लिए भी जागरूक किया जा रहा है।

## नगर में तिरंगा यात्रा निकाल शिक्षामित्रों ने सांसद को सौंपा मांग पत्र

बलिया। विभिन्न समस्याओं पर शासन का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए रविवार को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर जिले के शिक्षामित्रों ने तिरंगा यात्रा निकाली और पीडब्ल्यूडी डाक बंगला पहुंचकर सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त को ज्ञापन दिया। तिरंगा यात्रा नगर के रामलीला मैदान से प्रारंभ होकर एलआईसी रोड, माल गोदाम, स्टेशन रोड, चित्तू पांडे चौराहा, रोडवेज, टीडी कॉलेज चौराहा होते हुए कुंवर चौराहे के पास स्थित पीडब्ल्यूडी डाक बंगला पहुंचा। शिक्षामित्र वहां धरना प्रदर्शन करने लगे इसकी सूचना मिलने पर सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त मौके पर पहुंचकर मांग पत्र लिया। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि हम शिक्षामित्र पिछले 22 सालों से गरीब, शोषित, वंचित, पिछड़े बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 1.5 लाख शिक्षामित्र अपने बच्चों की पढ़ाई, परिवार की परवरिश, दवा, बच्चों की शादी आदि को लेकर चिंतित हैं। शिक्षामित्रों की आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हो चुकी हैं। इस कारण प्रतिदिन औसतन 4-5 शिक्षामित्र की मृत्यु हो रही है। संघ के जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने मांग की कि नियमावली में संशोधन कर योग्यता पूर्ण कराते हुए उन्हें पुनः समायोजित किया जाए। समायोजन प्रक्रिया पूर्ण होने तक 12 माह, 62 वर्ष की सेवा सुरक्षित करते हुए सम्मानजनक वेतनमान दिया जाए। नई शिक्षा नीति में शिक्षा मित्रों को सम्मिलित कर इनका भविष्य सुरक्षित किया जाए।

दिवंगत शिक्षा मित्रों के परिवार को अहेतुक सहायता प्रदान करते हुए आश्रित को जीविकोपार्जन हेतु नियुक्ति दी जाए। टीईटी पास शिक्षा मित्रों को नियमों में शिथिलता देते हुए सहायक अध्यापक पद पर नियमित किया जाए। मूल विद्यालय में वापसी से वंचित शिक्षा मित्रों को पुनः एक अवसर प्रदान करते हुए मूल विद्यालय में वापस किया जाए। साथ ही महिला शिक्षा मित्रों का विवाहोपरांत उनके ससुराल के जनपद के विद्यालय में स्थानांतरित किया जाए। सांसद ने आश्वासन दिया कि वे शिक्षामित्रों की समस्याओं को लेकर हमेशा उनके साथ खड़े। वह इस बात के लिए प्रयासरत हैं कि शिक्षामित्रों को समान कार्य के लिए समान वेतन मिले।

## सेहत के लिए साइकिल लेकर निकले युवा

भदोही। भदोही साइकिलिंग क्लब की ओर से सेहत के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से रविवार को गोपीगंज से नई बाजार तक साइकिल यात्रा निकाली गई। नई बाजार में चेयरमैन पति लालता सोनकर ने साइकिल यात्रा निकालने वाले सभी लोगों का स्वागत किया। हर रविवार को साइकिल यात्रा निकालकर लोगों को सेहत के प्रति जागरूक किया जाता है। लालता सोनकर ने कहा कि साइकिल चलाने के कई फायदे हैं। एक तो यह व्यायाम का काम करता है, जो आज के दौर मे अत्यंत आवश्यक है और बहुत से रोगों की दवा भी है। इसके अलावा साइकिलिंग से पेट्रोल की भी बचत होगी। लोगों को अपने छोटे-मोटे कार्य में बाइक की जगह साइकिल का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने साइकिलिंग के प्रति लोगों को जागरूक किया और लोगों के साथ नगर में साइकिल चलाई।

इससे पूर्व गोपीगंज से अताऊल अंसारी के नेतृत्व में लोग साइकिल चलाते नईबाजार पहुंचे। उन्होंने कहा कि गत दो वर्षों से क्लब प्रत्येक रविवार को साइकिल चलाने के प्रति जागरूक करता है। कई प्रदेश में साइकिल यात्रा की जा चुकी है।

## इंटर कॉलेजों में बनेंगे गणित और विज्ञान क्लब

औरैया। विज्ञान एवं गणित के क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए जिले के 13 राजकीय इंटर कॉलेजों में इसी विषय के लिए क्लब गठित किए जाएंगे। प्रत्येक कॉलेज को 10-10 हजार रुपये आवंटित होंगे। इनके लिए आवंटित बजट का उपभोग गठित व विज्ञान में छिपी प्रतिभा को उभारने के लिए किया जाएगा। राजकीय इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों की गणित व विज्ञान विषय में अभिरुचि को विकसित किया जाएगा। शिक्षक कक्षा से इतर अनौपचारिक रूप से उनसे बातचीत करेंगे। उनकी रुचि के अनुसार उनका मार्ग दर्शन करेंगे। शिक्षा विभाग का मानना है कि विद्यार्थियों में गणित व विज्ञान विषय में बहुत अभिरुचि होती है, लेकिन शिक्षण कार्य के दौरान वह उसे जाहिर नहीं कर पाते। अनौपचारिक रूप से बातचीत की जाती है, तो उनकी प्रतिभा निखर कर सामने आती। इसलिए पहले ऐसे विद्यार्थियों को चिह्नित किया जाएगा।

क्लब के माध्यम से पठन-पाठन में एक नया वातावरण विकसित होने के साथ-साथ छात्र संख्या में भी वृद्धि हो सकेगी। गणित क्लब के गठन से छात्रों में तार्किक दृष्टिकोण, समस्या समाधान व गणित के सिद्धांत सीखने का मौका मिलेगा। विज्ञान क्लब से वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं समस्याओं को सुलझाने व खोजी प्रवृत्ति विकसित होगी।

इस तरह होगा क्लबों का गठन

नगर पालिका इंटर कालेज के प्रधानाचार्य सुनील कुमार मिश्रा ने बताया कि क्लब के संरक्षक और मार्गदर्शक संबंधित विषय के शिक्षक होंगे। अध्यक्ष कक्षा-11 का छात्र होगा जिसके हाईस्कूल में विज्ञान व गणित में सर्वाधिक अंक होंगे। सचिव कक्षा-10 का वह छात्र होगा, जिसके नौवीं में गणित व विज्ञान में सर्वाधिक अंक होंगे। आठवीं में सर्वाधिक अंक लाने वाले छात्र को सहायक सचिव व सदस्य बनाया जाएगा।

इस तरह होगा क्लबों का संचालन

कॉलेज में क्लब के गठन के बाद शिक्षक संबंधित विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों से बातचीत करेंगे। उसके हिसाब से उनका मार्गदर्शन किया जाएगा। विद्यार्थी जिस क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाना चाहते है उनके बारे में उन्हें प्लेटफार्म मुहैया कराया जाएगा। अभिभावकों से मिलकर विद्यार्थी की जिज्ञासाओं के बारे में जानकारी देते हुए आगे बढ़ने के लिए सहयोग मांगा जाएगा।

करिअर काउंसलिंग की पड़ेगी नींव

गणित व विज्ञान के क्लब बनने से बच्चों को संबंधित क्षेत्र में जाने के लिए कई कोर व बुनियादी जानकारियों से रूबरू कराया जाएगा। यह कार्य क्लब के संरक्षक शिक्षकों के माध्यम से होगा। करिअर काउंसलिंग की स्कूलों में इन क्लबों के जरिए नींव डाली जाएगी। जिससे कि बच्चों को भविष्य के बारे में रणनीति बनाने में किसी प्रकार की असहजता का सामना न करना पड़े। राजकीय कॉलेजों में गणित व विज्ञान क्लब का गठन किया जाएगा। प्रत्येक कॉलेज को बजट दिया जाएगा। प्रधानाचार्यों को इस क्लब की गतिविधियों को वीडियो के माध्यम से प्रेषित करने के निर्देश दिए गए हैं। - एसपी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक

## 06 सितम्बर को मनाया जायेगा विद्युत सुरक्षा दिवस

### *विद्युत सुरक्षा जागरूकता हेतु कलेक्ट्रेट में आयोजित होगी वर्कशाप*

बहराइच संवाददाता

बहराइच। जिले में स्थित बड़े व्यवसायिक होटलों एवं कामर्शियल अधिष्ठानों में अधिष्ठापित विद्युतीय अधिष्ठापनों का विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित और निरापद होना जनहित में अत्यावश्यक है। विद्युतीय अधिष्ठापनों का विद्युत सुरक्षा के लिए शासन द्वारा जारी एस.ओ.पी. (मानक संचालन प्रक्रिया) की जानकारी के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से 06 सितम्बर 2023 को कलेक्ट्रेट सभागार में वर्कशाप का आयोजन किया गया है। यह जानकारी देते हुए नगर मजिस्ट्रेट शालिनी प्रभाकर ने विनियमित क्षेत्र-बहराइच की सीमा अन्तर्गत समस्त नर्सिंग होम, व्यवसायिक काम्पलेक्स, मैरिज लॉन एवं होटल भवन के स्वामियों को निर्देशित किया है कि कार्यशाला में प्रतिभाग करें।

नगर मजिस्ट्रेट श्रीमती प्रभाकर ने बताया कि निदेशक, विद्युत सुरक्षा, उत्तर प्रदेश द्वारा एस.ओ.पी. के अनुसार होटलों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में विद्युत सुरक्षा की दृष्टि विद्युतीय अधिष्ठापन में प्रयुक्त होने वाली सभी विद्युतीय सामग्री/विद्युतीय उपस्कर भारतीय मानक ब्यूरों (आई.एस.एस.)/(बी.आई.एस.) के अनुसार निर्धारित मानक के अनुरूप होने चाहिए। विद्युतीय अधिष्ठापनों का कार्य विद्युत ठेकेदारी लाइसेंस प्राप्त व्यक्तियों के द्वारा कराया जाना सुनिश्चित करें, ताकि उनके विद्युतीय अधिष्ठापन का कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित हों। एस.ओ.पी. के अनुसार विद्युतीय अधिष्ठापनों में पावर डिस्ट्रील्यूशन सर्किट का इस प्रकार निर्धारण होना चाहिए ताकि उनमें लोड बैलेन्सिंग हो अर्थात प्रत्येक सर्किट पर लोड (फेज पर लोड) का निर्धारण नियमानुसार होना चाहिए एवं उसके बाद जो भी सर्किट डिस्ट्रीब्यूट होती है, उसका अलग-अलग सर्किट ब्रेकर/मेन स्विच/एम. सी.बी./आइसोलेटर होना चाहिए ताकि उन्हें पावर सप्लाई को नियमानुसार नियन्त्रित किया जा सके। लाइट/फैन सर्किट में प्रत्येक सर्किट पर 800 वाट से ज्यादा लोड नहीं होना चाहिए एवं पावर सर्किट पर प्रत्येक सर्किट पर 2000 वाट से ज्यादा लोड नहीं होना चाहिए। विद्युतीय अधिष्ठापनों में उचित क्षमता का एम.सी.बी./आइसोलेटर/मेन स्विच (लोड की क्षमता के अनुसार) प्रयोग किया जायेगा। विद्युतीय अधिष्ठापनों में प्रत्येक सर्किट पर अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर (ई.एल.सी.बी.) का प्रयोग किया जायेगा। एम.सी.बी./मेन स्विच/आइसोलेटर का अनुरक्षण (कान्टेक्ट इत्यादि) नियमानुसार बराबर किया जाय।

होटल अथवा वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों हेतु दो सप्लाई के स्त्रोत होना चाहिए जैसे ट्रांसफार्मर/जनरेटर अथवा जनरेटर/जनरेटर जिसकी क्षमता पूरे होटल अथवा वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के कुल विद्युतीय लोड से कम से कम डेढ़ से दोगुनी होनी चाहिए तथा उनके बीच उचित क्षमता का चेन्ज ओवर स्विच/बस कपलर ब्रेकर का प्रावधान होना चाहिए। जनरेटर/ट्रांसफार्मर की बॉडी/न्यूट्रल दो अलग-अलग जगहों से नियमानुसार अर्थ से संयोजित होना चाहिए। होटल अथवा वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के समस्त विद्युत उपस्कर नियमानुसार अर्थ होना चाहिए द्य साकेट का थर्ड पिन नियमानुसार अर्थ किया जाना चाहिए। पावर डिस्ट्रीब्यूशन बोर्ड (पीडीबी) एवं लाइट डिस्ट्रब्यूशन बोर्ड (एलडीबी) से सप्लाई नियन्त्रित किया जाना चाहिए। सर्किट ब्रेकर में प्रोटेक्टिव रिले/इन्टरलॉक का नियमानुसार सुरक्षा की दृष्टि से प्रावधान होना चाहिए। मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार होटल एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में सप्लाई केबिल/तार की क्षमता उस पर पड़ने वाले लाइट एण्ड फैन लोड अथवा पावर लोड की गणना करके कम से कम लोड का डेढ़ गुना से दोगुना होनी चाहिए। समय-समय पर यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कितना लोड बढ़ाया जाता है जिसके अनुसार केबिल का साइज पर्याप्त होना चाहिए। केबिल अथवा तारों में जोड़ नहीं होना चाहिए। केबिल को कन्ड्यूट के माध्यम से अनुरक्षित किया जाना चाहिए। प्रत्येक विद्युतीय उपस्करों/स्विच गियर पैनल पर तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों की 24 घण्टे बराबर ड्यूटी में लगाया रखा जाना भी आवश्यक है।

## प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

बहराइच। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना लागू किये जाने की घोषणा की गयी है। योजना का शुभारम्भ 17 सितम्बर 2023 को प्रस्तावित है। शासन द्वारा जनपद के लिए 1500 का लक्ष्य आवंटित किया गया है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना अन्तर्गत चिन्हित 18 परम्परागत व्यवसायों जैसे बढई, नाव बनाने वाले, आर्मोरर, लोहार, हथौड़ा और ओजार बनाने वाले, ताला मरम्मत करने वाले, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, चटाई, झाड़ू, गुडिया एवं खिलौना बनाने वाले, नाई, मालाकार, धोबी, दर्जी, मछली पकड़ने हेतु जाल बनाने वाले कारीगरों व शिल्पकारों को सम्मिलित किया गया है। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त उद्योग ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति जन सेवा केन्द्र के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा डाट जीओवी डाट इन पोर्टल पर आनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आनलाइन पंजीयन के उपरांत लाभार्थियों का त्रिस्तरीय सत्यापन होगा। पहले स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र के लाभार्थियों हेतु ग्राम प्रधान तथा शहरी क्षेत्र का सत्यापन नगर निकाय अधिशाषी अधिकारियों रा किया जाएगा। जबकि जिला क्रियान्वयन समिति द्वारा द्वितीय स्तर तथा राज्य स्तरीय समिति द्वारा तृतीय स्तर पर सत्यापन किया जायेगा। त्रिस्तरीय सत्यापन के पश्चात सम्बन्धित कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों को योजना में औपचारिक रूप से पंजीकृत कर लिया जाएगा तथा उन्हें पीएम विश्वकर्मा का डिजिटल आईडी, डिजिटल प्रमाण पत्र एवं पीएम विश्वकर्मा पहचान पत्र उपलब्ध करवाया जाएगा। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि चयनित किये गये लाभार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास मिशन अन्तर्गत 05 दिवसीय प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। योजना अन्तर्गत प्रत्येक प्रशिक्षार्थियों को प्रतिदिन रू. 500=00 की दर से प्रशिक्षण भत्ता भी दिया जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान ही लाभार्थियों को टूलकिट ऋय हेतु रू. 15000=00 का ई रूपया अथवा वाउचर उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रशिक्षण के पश्चात इच्छुक लाभार्थियों को बैंकों से रू. 1.00 लाख का ऋण दिलवाने का कार्य जिला उद्योग केन्द्र द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका कोई भी व्यक्ति आवेदन हेतु अर्ह होगा। परिवार (पति, पत्नी व अविवाहित बच्चों) में से एक ही व्यक्ति योजना से आच्छादित किया जाएगा। भारत सरकार और उ.प्र. सरकार की सेवा में कार्यरत व्यक्ति और उनके परिवार के सदस्य तथा केंद्र या राज्य सरकार की समान क्रेडिट-आधारित योजनाओं के तहत 5 वर्ष के अन्दर लाभान्वित व्यक्ति भी योजना हेतु पात्र नहीं होंगे।

त्रिगुट
बुधवार 06 सितम्बर 2023

## 50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका

भारत में मौसम का चक्र बदल गया है 50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है हिमालय क्षेत्र में जहां सबसे कम बारिश होती थी। वहां पर भारी बारिश होने से भूस्खलन से हजारों मकान जमीदोज हो गए। प्रकृति ने हिमालयन क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया है। हिमाचल, उत्तराखंड में कहर देखने को मिला। अनियमित बारिश के कारण देश में 50 साल बाद सबसे बड़े सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है। अगस्त माह में बहुत कम बारिश हुई है। मौसम बदलाव की दो बड़ी वजह वैज्ञानिक बता रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमंडल में ग्रीन हाउस में गैसों की मात्रा बढ़ रही है। फलस्वरूप पृथ्वी का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। अलनीनों मौसमी चक्र है, इसका प्रभाव बारिश पर पड़ रहा है। जब बारिश होनी चाहिए थी, तब बारिश नहीं हुई। जो बारिश हुई, या तो वह समय से पहले हो गई। जिसके कारण फसलो की बुवाई नहीं हो पाई थी। जब फसल बोई गई, उसके बाद पानी नहीं गिरा, फसले सूखने लगी। बांधों में पानी नहीं भरा। तापमान अगस्त और सितंबर के माह में बढ़ने लगा। 1 माह पहले मौसम बदलने के कारण सीताफल अमरूद के फल बाजार में आने लगे। कांस में फूल लगने लगे, कांस में फूल तभी लगते हैं जब मानसून की विदाई होने लगती है। आमतौर पर कांस में अक्टूबर माह के बाद फूल लगते हैं। जो इस बार अगस्त में ही दिखने लगे। सारे देश में 12 से लेकर 17 फ़ीसदी औसत बारिश कम हुई है। कई स्थानों पर बारिश 30 से 50 फ़ीसदी तक कम होने से मानसून के साथ-साथ फसल चक्र भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

बारिश नहीं होने से बांध नहीं भरे गए जो फसल किसानों ने वही थी पानी नहीं गिरने से वह सूखने लगी क्योंकि बारिश कम हुई है। बांध नहीं भरे हैं। इसके कारण आगे भी सिंचाई और पेयजल के लिए बड़े संकट की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। अगस्त में 122 साल के बाद सबसे कम बारिश होने का रिकॉर्ड बना है। अभी तक मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में 36 फीसदी कम बारिश होने की सूचना मानसून विभाग ने दी है। मध्य प्रदेश के 32 जिले सूखे की चपेट में है। सोयाबीन, मक्का, धान सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। कुछ ऐसी ही स्थिति छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में देखने को मिल रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अबकी बार सामान्य से 50 फ़ीसदी कम बारिश होने का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी से जो मानसून सक्रिय होता था। वह इस बार बहुत कमजोर है। मौसम वैज्ञानिक सितंबर माह में बारिश होने की संभावना तो व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन मानसून कमजोर होने के कारण पर्याप्त बारिश नहीं होने की कोई संभावना भी व्यक्त कर रहे है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह कहकर और चिंता बढ़ा दी है कि 50 साल बाद सबसे बड़ा सूखा मध्य प्रदेश में पड़ने की संभावना है। तापमान ज्यादा होने से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। फसलों की सिंचाई के लिए पानी की मांग समय के पूर्व बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रार्थना की है, कि वह अपनी ओर से भगवान से प्रार्थना करें। बारिश समय पर और अच्छी बारिश हो। मौसम की मार अकेले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ या भारत में देखने को नहीं मिल रही है। दुनिया के लगभग सभी देशों में मौसम का चक्र बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। जहां बारिश नहीं होती थी, वहां तेज बारिश हुई है। जहां ज्यादा बारिश होती थी, वहां सूखा पड़ा हुआ है। बारिश का समय चक्र बदल रहा है। जिसके कारण सारी दुनिया में खाद्यान्न संकट की आशंका भी जताई जाने लगी है। मौसम विज्ञानी कह रहे हैं, कि इस बार 40 से 50 फ़ीसदी बारिश कम होगी। इससे सरकारों के हाथ-पैर फूलने लगे हैं। पिछले कई दशकों से भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना हुआ था। जरूरत से ज्यादा भंडारण खाद्यान्न का रहता था। पिछले कई वर्षों से हम खाद्यान्न निर्यात भी करने लगे थे। जिस तरह की स्थिति वर्तमान देखने को मिल रही है। उसने सभी को चिंता में डाल दिया है। खाद्यान्न और पेयजल संकट के साथ-साथ बिजली का संकट भी आने वाले समय में, मध्य प्रदेश- छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों में तेजी के साथ बढ़ने की संभावना जताई जाने लगी है। देशभर में बड़े पैमाने पर पूजा-पाठ शुरू हैं। बारिश के लिए टोने-टोटके करके बारिश करने के प्रयास भी आम जनता कर रही है।

## अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

# न्याय से वंचित हो रहे कानून के छात्र

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

दो बड़ी खबरें आईं हैं। मध्य प्रदेश विधि एवं विधायी विभाग ने एक साथ 6 महिला सिविल जजों( क्लास-2 ) की सेवाएं समाप्त कर दीं। ये सभी प्रोबेशन पीरियड में थीं। फैसला हाईकोर्ट की सिफारिश पर लिया गया। इनकी सेवाओं को संतोषजनक नहीं पाया गया था। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल के अनुसार यह रूटीन प्रक्रिया है। प्रोबेशन पीरियड में जिनकी सेवा संतोषजनक नहीं रहतीं, उनकी नियुक्ति का कन्फर्मेर्शन नहीं किया जाता है। बात सही है, जब सेवा संतोषजनक नहीं रही तो कन्फर्मेशन किस आधार पर करते ? फिर भी कुछ सवाल जेहन में उभरना स्वाभाविक है। मसलन, क्या इन महिलाओं ने सिर्फ रट्टा मार कर सी.जे. चयन प्रक्रिया की दोनों परीक्षाएं यानि प्रिलिम और मेन पास कर ली थीं ? क्या उनकी कमजोरियां साक्षात्कार के दौरान सामने नहीं आ पाईं ? चयन के बाद उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान सीखा क्या था ? और अहम सवाल यह है कि उन्हें कथित ट्रेनिंग में सिखाया क्या गया था ? तय मानें, यह उदाहरण कम से कम उन युवाओं को सतर्क कर देगा जो सिविल जज बनने की तैयारी में लगे हैं। दूसरी खबर, मध्य प्रदेश में विधि और विधायी कार्य विभाग द्वारा जारी मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा( भती तथा सेवा शर्तें नियम ) 1994 में संशोधन की अधिसूचना से जुड़ी है। अधिसूचना को लेकर हड़कंप सी स्थिति है। फैसले का विरोध होने लगा है। संभव है कि इस फैसले को जल्द ही चुनौती दे दी जाए। ताजा अधिसूचना के अनुसार अब मध्य प्रदेश में सिविल जज बनना आसान नहीं होगा। पात्रता मापदंड के अनुसार अब तीन साल की लॉ प्रैक्टिस करने वाला या पहले प्रयास में एलएलबी पास करने वाला अभ्यर्थी, जिनके 70 प्रतिशत अंक हों, वही सिविल जज की परीक्षा में बैठ सकता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के अभ्यर्थी 50 प्रतिशत अंक लाने पर परीक्षा के लिए पात्र माने जाएंगे। सिविल जज बनने के लिए तीन साल की प्रैक्टिस या 70 प्रतिशत अंकों के साथ पहले प्रयास में एलएलबी की परीक्षा पास करने की अनिवार्यता, इन दोनों ही शर्तों का विरोध होने लगा है। कहा जा रहा है कि ये शर्तें उन हजारों युवाओं पर प्रत्यक्ष हमले ही तरह हैं जो जिन्होंने सिविल जज बनने के लिए कानून की कठिन पढ़ाई की और अब चयन परीक्षा के लिए तैयारी में लगे हैं। सोशल मीडिया में इस फैसले की आलोचना हो रही है। अकाट्य तर्क दिये गए हैं। यह माना जा रहा है कि तेलंगाना हाईकोर्ट, आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में दिए गए फैसलों के आधार पर मध्यप्रदेश में ऐसी अनिवार्यता को चुनौती दी जाएगी।

एक जानकार का कहना है कि प्रथम प्रयास में ही 70 प्रतिशत अंकों से एलएलबी पास करने की शर्त सिरे से खारिज करने योग्य है। प्रतिष्ठित विधि शिक्षा संस्थानों से निकले स्नातक मानते हैं कि 70 प्रतिशत अंक लाना बेहद कठिन काम होता है। 65 प्रतिशन अंक को ही उपलब्धि माना जाता है। आधा दर्जन ऐसे विधि शिक्षा संस्थान हैं जहां शिक्षण और अध्ययन की गुणवत्ता पर काफी जोर दिया जाता है। वहां 55 से 65 प्रतिशत के बीच अंक बड़ी बात होती है। मध्यप्रदेश में सिविल जज पात्रता नियम में शर्त 70 प्रतिशत अंकों तक सीमित नहीं है बल्कि उसके साथ प्रथम प्रयास जैसा रोड़ा लगा दिया गया। शिक्षाविद् जानते हैं कि कई बार मेधावी छात्र भी नियमित परीक्षा नहीं दे पाते हैं जबकि वो 70 प्रतिशत से अधिक अंक पाने की क्षमता रखते हैं। ऐसे छात्रों को सिविल जज बनने से रोकना क्या सही कदम होगा ? एक बड़ा व्यावहारिक तर्क दिया गया है। विशेषज्ञ के अनुसार गत दो दशक के दौरान कानून की पढ़ाई के प्रति काफी रुझान देखा गया है। विधि विश्वविद्यालयों ने कानून की पढ़ाई के लिए ललक बढ़ाई है। लेकिन, बदले माहौल में बहती गंगा में हाथ धोने जैसी कहावत को चरितार्थ होते देखा जा सकता है। कई संस्थानों ने न्यूनतम आवश्यक संसाधन जुटा कर अपने यहां कानून की पढ़ाई शुरू करा दी। छात्रों को आकर्षित करने के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। वहां उपलब्ध शिक्षण स्तर पर कोई टिप्पणी उचित नहीं होगी लेकिन कुछ पर नजर रखने की जरूरत अवश्य महसूस होती है। इनमें से कितने संस्थान गुरूकुल भावना से चलाये जा रहे हैं और कहां शिक्षा की दुकानें खुल गईं ? प्रतिष्ठित संस्थानों में शिक्षण और मूल्यांकन के मामले में रत्तीभर समझौता नहीं होता होगा किंतु विशुद्ध दुकानों की तरह संचालित संस्थानों में क्या 70 प्रतिशत वाली रेवड़ी को रोकना संभव हो पाएगा ? बड़ा सवाल यह है कि 70 प्रतिशत अंक को 'ब्रिलिएंट' होने की गारंटी कैसे मान लिया जाए ? सैंकड़ों उदाहरण हैं जिनसे साबित करते हैं कि किताबी ज्ञान की अपनी सीमा है और व्यावहारिक समझ की अपनी व्यापकता। स्कूल-कालेज में अव्वल रहे छात्रों को भी औसत रहे छात्रों से कॅरियर की दौड़ में पिछड़ते देखा गया है। एक प्रतिष्ठित लॉ यूनिवर्सिटी का पूर्व छात्र बताता है कि परीक्षा में 80 प्रतिशत तक अंक लाने वाली उसके साथ की एक छात्रा प्रतिष्ठित लॉ फर्म द्वारा लिए गए प्लेसमेंट इंटरव्यू में प्रश्नों के उत्तर नहीं दे सकी थी। घबराहट के चलते वह रोने लगी। वही छात्रा आज एक प्रतिष्ठित पद पर आसीन है। शायद उस समय उसमें विषय के व्यावहारिक पक्ष की समझ का अभाव रहा होगा। इसी तरह तीन साल की वकालत का मापदण्ड युवाओं के सपने तोड़ने वाला है। क्या तीन साल की वकालत काम सिखा देने की गारंटी देती है ? कानून की डिग्रीधारी किसी युवा को वकालत पेशे की बारीकियां सिखाएगा कौन ? अपने बूते वकालत के गुर सीख लेना लगभग असंभव होता है। आमधारणा यह है कि पांच-सात साल की प्रैक्टिस के बाद ही फर्स्ट जनेरेशन एडवोकेट अपनी पहचान बना पाता है। इसे काफी लंबा समय कह सकते हैं। धारणा यह है कि वकालत पेशे में वही युवा वकील आसानी से पहचान बना पाता है जो या तो अधिवक्ता परिवार से हों या जिसे किसी प्रतिष्ठित वकील से जुड़ने का मौका मिल गया हो। तीन से पांच साल की लंबी और कठिन कानूनी पढ़ाई, उसके बाद तीन साल की प्रैक्टिस, जाहिर है कि जज बनने का सपना संजोया युवा अधेड़ावस्था की ड्योढ़ी कदम रख चुकेगा। इतने इंतजार और संघर्ष के बाद भी सिविल जज नहीं बन पाने की स्थिति में वह करेगा क्या ? तीन साल की वकालत-प्रैक्टिस का रोड़ा उन युवाओं को भी हताश कर रहा है, जिन्होंने पारिवारिक या आर्थिक कारणों से कोई नौकरी पकड़ ली। तमाम व्यस्तताओं के बावजूद वो चयन परीक्षा की तैयारी करते हैं। ऐसे युवा तीन साल की प्रैक्टिस कैसे दिखाएंगे ?

कुल मिलाकर सिविल जज चयन परीक्षा के लिए पात्रता में किया गया उपर्युक्त संशोधन किसी भी दृष्टि से सही नहीं है। विधि शिक्षा के एक जानकार के अनुसार राज्य सरकार के इस नोटिफिकेशन ने उन हजारों युवाओं की आंखों के सामने अंधकार छा दिया है जो जज बनने के लिए तैयारी में जुटे थे। ऐसे युवाओं के सामने दो ही रास्ते हैं। या तो न्यायपालिका में जाने का विचार छोड़ दें या फिर इस नोटिफिकेशन को न्याय पालिका में चुनौती दी जाए। इसी तरह ही स्थिति तेलंगाना में उत्पन्न हो गई थी। हाईकोर्ट ने सिविल जज पद के लिए इसी तरह की पात्रता को 2019 में असंवैधानिक करार दिया था। 2021 आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट भी इसी तरह का निर्णय दे चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 में ऐसी किसी पात्रता को मान्य नहीं माना था। विशेषज्ञों के अनुसार शेट्टी कमीशन ने तीन साल की प्रैक्टिस की शर्त को गलत माना था। ताज्जुब होता है कि सुप्रीम कोर्ट, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश हाईकोर्टों के स्पष्ट निर्णयों के बावजूद कई राज्य सिविल जज के लिए पात्रता में इस तरह की टेढ़ी और असंवैधानिक शर्तें जोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। विधि छात्र को ब्रिलिएंट मानने वाली मध्य प्रदेश विधि एवं विधायी विभाग की शर्त में एक विरोधाभास भी है। सामान्य और अन्य पिछड़े वर्ग के लिए प्रथम प्रयास में एलएलबी की परीक्षा 70 प्रतिशत अंकों से पास होने की शर्त लगाई गई है जबकि अजा-जजा के लिए यह 50 प्रतिशत है। क्या यह बौद्धिक स्तर में अंतर देखने जैसी बात नहीं है ? इस पर अवश्य गौर किया जाना चाहिए। चलते-चलते एक सुझाव। मान लें, प्रथम प्रयास में 70 प्रतिशत अंक लाने वाला ही ब्रिलिएंट स्टूडेंट होता है तो फिर चयन परीक्षा की क्या जरूरत है ? सीधे साक्षात्कार की व्यवस्था हो सकती है। इससे कानून की पढ़ाई करने का साहस वही युवा जुटाएंगे, जिनके पास जिगर, जुगत या कोई जुगाड़ होगा।

# इंटरनेट की असीम दुनिया में कैसे बचे बच्चों की निजता

विजय गर्ग

डाटा संरक्षण कानून को लेकर करीब दशक भर से चल रही देशव्यापी चर्चा के बाद भारतीय संसद ने अंततः डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक, 2023 पारित कर दिया। यह तीसरा मौका था, विधेयक के पिछले दो मसौदे 2019 और 2022 में जारी किए गए थे। हालांकि, किसी मसौदे में बच्चों की निजता की रक्षा को लेकर नजरिया स्पष्ट नहीं दिखा। संक्षेप में कहें, तो नए कानून में ऑनलाइन सेवाओं के लिए सहमति की उम्र 18 साल तय की गई है। आप यदि इससे कम उम्र के हैं, तो ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को माता-पिता की सहमति लेनी होगी, अन्यथा उस पर 200 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। हालांकि, माता-पिता की सहमति के बाद कोई बच्चा जब इंटरनेट का इस्तेमाल करेगा, तो प्लेटफॉर्म को उस बच्चे के उपभोग संबंधी व्यवहार पर नजर रखने की मनाही होगी । मुश्किल यहीं खड़ी होती है। आखिर कोई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसी बच्चे के इंटरनेट व्यवहार पर नजर रखे बिना उसे हानिकारक या गैर- कानूनी सामग्रियों के संपर्क में आने से कैसे रोक सकता है ? अगर बच्चा खुद को जख्मी करने या अन्य खतरों की ओर आकर्षित हो रहा है, तो प्लेटफॉर्म कैसे माता-पिता या कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सूचना देने जैसे एहतियाती कदम उठा सकेगा ? यह कानून सत्यापन के लिए माता- पिता की सहमति को अंतिम समाधान के रूप में देखता है। यह सोच तब है, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि 40 फीसदी से कम भारतीय डिजिटल रूप से साक्षर हैं। ऐसे में, संभव है कि बच्चे अपने माता-पिता की जानकारी के बिना उनके फोन या ई-मेल का उपयोग करके सहमति दे दें। इतना ही नहीं, कुछ ऑनलाइन मंचों के लिए माता- पिता की सहमति जैसे नियम अनिवार्य नहीं हैं, और यह छूट शिक्षा, कौशल, म्यूजिक वेबसाइट जैसे मंचों को मिल सकती है, जो सभी प्रकार की सावधानियां बरतती हैं और जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म नहीं हैं । मगर इसमें भी पेच है। पहली बात यह कि नियम डाटा न्यूनीकरण सिद्धांत ( प्लेटफॉर्म को तभी तक डाटा रखना चाहिए, जब तक उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए आवश्यक हो ) के विपरीत जान पड़ता है। मगर यहां तो यही स्पष्ट नहीं है कि माता-पिता की आईडी लेने से कैसे इंटरनेट इस्तेमाल करते समय बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। प्लेटफॉर्म द्वारा सत्यापन से छूट संबंधी सर्टिफिकेट हासिल करने के क्रम में यह कानून बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में लालफीताशाही बढ़ा सकता है। इसमें यह भी साफ नहीं है कि अपनी सेवाओं को बच्चों के लिए अधिक मूल्यवान बनाने संबंधी हर बदलाव के लिए क्या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को सरकारी अधिकारियों के पास आवेदन करना होगा ?

इसके अलावा, ऑनलाइन मंचों की कुछ खास श्रेणियों को अलग करने का औचित्य भी फिलहाल समझ नहीं आता। आज किसी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उद्देश्य पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। जैसे, यू-ट्यूब तकनीकी शिक्षा देने वाला शायद दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म है, पर सरकार इसे सोशल मीडिया के रूप में वगीकृत कर सकती है । इस तरह, यह कानून उन संस्थाओं के बीच विभेद नहीं कर पाएगा, जो बच्चों के डाटा को प्रोसेस करते समय समान रूप से मजबूत सुरक्षा तो दे सकती हैं, लेकिन किसी अन्य कारणों से उसने या तो अपने दरवाजे खुद बंद कर रखे हैं या सुरक्षित होने संबंधी सत्यापन सर्टिफिकेट नहीं लिया है। इसका नुकसान भी अंततः देश के युवा इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को होगा।

ऐसे में, बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा स्वीकृत मानकों के तहत कदम उठाए जा सकते थे, जिस पर भारत ने भी हस्ताक्षर किए हैं। डिफॉल्ट सेटिंग, लोकेशन की निगरानी, जोखिम संबंधी बातों के प्रति जागरूकता, डाटा के घातक उपयोग संबंधी निर्देश जारी करने जैसे प्रयासों के लिए प्लेटफॉर्म को तैयार करना होगा। फिर, सरकार भी नियमों का उल्लंघन करने वाले प्लेटफॉर्म को काली सूची में डालने को स्वतंत्र है। निस्संदेह, इंटरनेट की दुनिया में बच्चों की निजता एक वैश्विक बहस है, जिसका उत्तर आसान नहीं। मगर हमने इस मुद्दे पर जो रुख अपनाया है, वह न तो देश की हकीकत के अनुकूल है और न इंटरनेट की चुनौतियों के।

# गठबंधन में कहीं गांठ न आ जाय

डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश से अंग्रेज तो चले गये पर फूट डालो, राज करो की उनकी नीति आज भी कायम है। जिसके चलते आज देश की राजनीति में अनेक छोटे- छोटे दल उभरे नजर आ रहे है। जिसके चलते मत विभाजन की प्रक्रिया जारी है जो फूट डालो राज करो की राजनीति को उजागर करती है। इस तरह के परिवेश में स्वयं भू की राजनीति भी सर्वोपरि उभरी है जो देश की राजनीति को असंतुलित करने की भूमिका निभा रही है। बेमेल संगम, क्रय विक्रय प्रवृति को प्रश्रय दे रही हैं । जिससें गठबंधन में गांठ पड़ने की प्रक्रिया को सदैव बल मिला है। इस परिप्रेक्ष्य में जनता द्वारा चुनी गई सरकार का गिरना, अस्थिर होना, मोल-भाव को बढ़ावा मिलना आदि उभरते परिदृश्य को आसानी से देखा जा सकता जहां केन्द्र एवं राज्यों की बहुमत की सरकार अल्पमत में आ जाने के कारण समय से पूर्व हीं गिर गई । जिससे देश को मध्यावधि चुनाव का अनावश्यक बोझ उठाना पड़ा। आगे भी इस तरह की स्थिति बन सकती है। जो लोकतंत्रहित में कदापि नहीं। देश में चल रहे वर्तमान में राजनीतिक दलों की संख्या भले बहुतायत है पर ये सभी राजनीतिक दल मुख्य रूप से तीन वैचारिक विचार धारा वाम, साम्य एवं धर्म से जुड़े हुये है। जहां प्रगतिवादी, उदारवादी, रूढिवादी, और समाजवादी राजनीतिक दृष्टिकोण शामिल है। कांग्रेस, वाम दल, समाजवादी, जनसंघ , मुस्लिम लीग आदि दल पहले से प्रमुख रहे । वर्तमान में वाम दल, कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल, एनसीपी, मस्लिम लीग ,जदयू, राजद, बसपा, सपा, शिव सेना, झामुओ, तृणमूल कांग्रेस, बीजद, तेलगू देशम सहित अनेक राजनीतिक दल है जिनमें कुछ सत्ता पक्ष एनडीए के साथ है तो कुछ विपक्ष आइएनडीआइए के साथ है तो कुछ अभी भी इन दोनों गठबंधन से बाहर है। आज प्रमुख से भरतीय राजनीति में उभरे दो प्रमुख गठबंधन एनडीए एवं आईएनडीआईए में शामिल राजनीतिक दलों की विचार धारा भी अनेक अनेक है जहां गांठ कभी भी पड़ सकती है। जिससे गठबंधन टूटने के आसार स्वतः ही बनने लगते। जब तक गठबंधन में अलग - अलग विचारधारा धारा एवं स्वयं भू प्रवृति वाले शामिल रहेगे, गठबंणन टूटने का खतरा बना हीं रहेगां । भारतीय लोकतंत्र वर्तमान में गठबंधन की राजनीति पर टिका हुआ है!

वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने वले है। सत्ता पक्ष एनडीए और विपक्ष आइएनडीआइए दोनों गठबंधन इस चुनाव में सत्ता हासिल करने की रणनीति बना रहे है। सत्ता पक्ष एनडीए में फिलहाल भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है जिसके वर्चस्व के सामने उसमें शामिल दूसरे राजनीतिक दल बौने है , दूसरी ओर विपक्ष आइएनडीआइए में कांग्रेस सबसे बड़ा राजनीतिक दल तो जरूर है पर दूसरे शामिल अपने को कम नहीं समझने वाले राजनीतिक दल है जहां आपसी सामंजस्य बैठाना कुछ टेढ़ी खीर है। आइएनडीआइए में शामिल अधिकांश राजनीतिक दल कांग्रेस से ही बाहर निकले हुये है पर वे आज भी कांग्रेस से दूरी बनाकर चल रहे है। इस गठबंधन में शामिल आप सबसे बड़ा महत्वाकांक्षी नजर आ रहा है जिसके नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना अभी से देखने लगे है। आइएनडीआइए की मुंबई बैठक में आप अभी से देश भर में सीट के बटवारे की बात करने लगी है। कहीं इस मामले को लेकर गठबंधन में गांठ न पड़ जाय। यदि ऐसा हुआ तो आइएनडीआइए चुनाव पूर्व बिखर न जाय। सत्ता पक्ष एनडीए में फिलहाल ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। जिससे एनडीए का पलड़ा आइएनडीआइए से वजनदार लगने लगा है। इस ताज को सत्ता पक्ष से हासिल करने के लिये आइएनडीआइए को सयंम बरतने की महती आवश्यकता है जहां से उसमें कहीं से चुनाव पूर्व गांठ पड़ने की संभवना न उभरे। इस दिशा में कांग्रेस से बाहर गये कांग्रेस जनों एवं उससे जुड़े राजनीतिक दलों की घर वापसी की योजना गठबंधन को मजबूत बना सकती है। एक देश एक चुनाव की भी वकालत सत्ता पक्ष की ओर से की जा सकती है। ऐसे परिवेश में आइएनडीआइए की जिम्मेवारी और बढ़ जायेगी जहां केन्द्र एवं प्रदेश की जंग एक साथ लड़नी होगी।

# साइबर सुरक्षा में अपना करियर कैसे शुरू करें

विजय गर्ग

साइबर रक्षा में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए यहां व्यापक मार्गदर्शिका दी गई है। आज के डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा हमारी परस्पर जुड़ी दुनिया के लिए आवश्यक हो गई है। जैसे-जैसे साइबर खतरे विकसित हो रहे हैं और व्यक्तियों और संगठनों के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर रहे हैं, कुशल साइबर सुरक्षा पेशेवरों की मांग अब तक के उच्चतम स्तर पर है। मान लीजिए कि आप साइबर सुरक्षा में करियर बनाने पर विचार कर रहे हैं लेकिन आपको यह जानना होगा कि शुरुआत कहां से करें। उस स्थिति में, यह लेख आपको इस रोमांचक और पुरस्कृत क्षेत्र में अपनी यात्रा शुरू करने के बुनियादी सिद्धांतों के बारे में मार्गदर्शन करेगा।

साइबर सुरक्षा परिदृश्य को समझें

साइबर सुरक्षा करियर में आगे बढ़ने से पहले, साइबर सुरक्षा परिदृश्य को समझना महत्वपूर्ण है। मैलवेयर, फ़िशिंग, रैंसमवेयर और सोशल इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न साइबर खतरों से खुद को परिचित करें। विभिन्न आक्रमण वाहकों और व्यक्तियों और व्यवसायों पर साइबर उल्लंघनों के संभावित परिणामों के बारे में जानें। साइबर सुरक्षा परिदृश्य की व्यापक समझ आपको इन खतरों से बचाव में अपनी भविष्य की भूमिका के महत्व की सराहना करने में मदद करेगी।

प्रासंगिक शिक्षा और प्रमाणपत्र प्राप्त करें

साइबर सुरक्षा में सफल करियर के लिए एक मजबूत शैक्षिक आधार आवश्यक है। कंप्यूटर विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, या संबंधित क्षेत्र में डिग्री हासिल करें। विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों द्वारा प्रस्तावित विशेष साइबर सुरक्षा कार्यक्रमों में नामांकन पर विचार करें। इसके अतिरिक्त, ष्टश्द्वश्चञ्जद्ध सिक्योरिटी+, सर्टिफाइड इंफॉर्मेशन सिस्टम्स सिक्योरिटी प्रोफेशनल ( ष्टद्बस्स्क्क), सर्टिफाइड एथिकल हैकर ( ष्टश्व॥ ), या सर्टिफाइड इंफॉर्मेशन सिक्योरिटी मैनेजर ( CISM ) जैसे उद्योग-मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्राप्त करने से आपकी विश्वसनीयता बढ़ सकती है और संभावित नियोक्ताओं के सामने आपकी विशेषज्ञता प्रदर्शित हो सकती है।

तकनीकी कौशल विकसित करें

साइबर सुरक्षा पेशेवरों को डिजिटल संपत्तियों की प्रभावी ढंग से सुरक्षा और बचाव के लिए विविध कौशल सेट की आवश्यकता होती है। नेटवर्किंग, ऑपरेटिंग सिस्टम, क्रिप्टोग्राफी और प्रोग्रामिंग भाषाओं ( जैसे, पायथन, जावा ) में अपने तकनीकी कौशल को तेज करें। इन मूलभूत अवधारणाओं को समझना अधिक उन्नत साइबर सुरक्षा प्रथाओं के लिए आधार तैयार करेगा।

व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करें

साइबर सुरक्षा क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव अमूल्य है। इंटर्नशिप, स्वयंसेवी अवसर, या प्रवेश स्तर के पदों की तलाश करें जो आपको वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं पर काम करने और अनुभवी पेशेवरों के साथ सहयोग करने की अनुमति देते हैं। इसके अतिरिक्त, खुद को चुनौती देने, नई तकनीकें सीखने और अपनी समस्या-समाधान क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए साइबर सुरक्षा प्रतियोगिताओं और कैप्चर-द-फ्लैग ( सीटीएफ ) कार्यक्रमों में भाग लें।

सूचित रहें और लगातार सीखते रहें

साइबर सुरक्षा तेजी से विकसित हो रही है, और नवीनतम रुझानों और उभरते खतरों से अपडेट रहना आवश्यक है। उद्योग के विकास से अवगत रहने के लिए साइबर सुरक्षा समाचार, ब्लॉग और प्रतिष्ठित ऑनलाइन संसाधनों का अनुसरण करें। क्षेत्र में अन्य पेशेवरों के साथ अपने ज्ञान और नेटवर्क का विस्तार करने के लिए वेबिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में शामिल हों।

एक सफल साइबर सुरक्षा करियर के लिए तकनीकी विशेषज्ञता के अलावा, सॉफ्ट स्किल भी महत्वपूर्ण हैं। गैर-तकनीकी हितधारकों को जटिल तकनीकी अवधारणाओं को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए मजबूत संचार कौशल विकसित करना।

## माता-पिता व गुरुवर की कसौटी पर खरा उतरकर बनता है यह मनीषी जीवन

डॉ दिनेश चंद्र सिंह

आधुनिक शिक्षा पद्धति ने गुरुकुल शिक्षा पद्धति की नींव हिला दी। बिडम्बना यह कि आधुनिक शिक्षा पद्धति वर्ष दर वर्ष खर्चीली और समयसाध्य यानी दीर्घसूत्री होती गई। इससे गूढ़ ज्ञान को गच्चा मिला, जिसने गुणहीन पर डिग्रीधारी लोगों में बेरोजगारी को बढ़ावा दिया। शिक्षा का महान उद्देश्य ज्ञान और कर्म है। यहां ज्ञान का तात्पर्य सैद्धांतिक शिक्षा से है और कर्म का अभिप्राय व्यवहारिक शिक्षा से। वैसे तो भारत में गुरु-शिष्य परम्परा आधारित गुरुकुल शिक्षा पद्धति प्राचीन काल से ही बेहद लोकप्रिय रही है, जिसके तहत गुरुवर द्वारा शिष्यों को जीवन-जगत के ज्ञान और कौशल की सैद्धान्तिक और व्यवहारिक दोनों शिक्षा एक ही साथ दी जाती थी। इस देश में बहुतेरे ऐसे हुनरमंद कार्य हैं जहां आज भी लौकिक शिक्षा-दीक्षा में यही पद्धति परम्परागत रूप से अपना अस्तित्व कायम रखे हुए है, जो ज्ञानी व गुणी जनों के लिए फक्र की बात है। लेकिन बिडंबना रही कि परतंत्रता काल में ब्रिटिश अधिकारी लार्ड मैकाले ने गुरुकुल शिक्षा पद्धति के विकल्प के तौर पर जिस आधुनिक शिक्षा पद्धति को विकसित किया, उसके अंतर्गत स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, तकनीकी शिक्षा व शोध संस्थानों के द्वारा विविध ज्ञान और कौशल प्रदान करते हुए विभिन्न प्रकार की डिग्री बांटी जाने लगी और उसी से रोजगार मिलने लगे। इस प्रकार आधुनिक शिक्षा पद्धति ने गुरुकुल शिक्षा पद्धति की नींव हिला दी। बिडम्बना यह कि आधुनिक शिक्षा पद्धति वर्ष दर वर्ष खर्चीली और समयसाध्य यानी दीर्घसूत्री होती गई। इससे गूढ़ ज्ञान को गच्चा मिला, जिसने गुणहीन पर डिग्रीधारी लोगों में बेरोजगारी को बढ़ावा दिया। दूसरे शब्दों में कहें तो, गुरुकुल शिक्षा पद्धति जहां सबके लिए सरल, सुगम और सुलभ थी, वहीं आधुनिक शिक्षा पद्धति जटिल, बोझिल, थकाऊ और उबाऊ होती चली गई, जिससे विद्यार्थियों में भी अरुचि पैदा हुई। परिणाम यह हुआ कि समाज में डिग्रीधारी लोगों की संख्या बढ़ती गई, लेकिन गुणी व खोजी (अन्वेषक) व्यक्तियों की संख्या में भारी कमी होती चली गई। कोढ़ में खाज यह कि गुणी लोगों की जगह अल्प शिक्षित पेशेवर लेते चले गए, जिससे समाज का तानाबाना भी गहरे तक प्रभावित हुआ। साफ साफ शब्दों में कहें तो मानवीय मूल्यों का निरंतर ह्रास हुआ और मौद्रिक मूल्यों में बेहिसाब इजाफा हुआ, जो सबके बस की बात नहीं रही। आधुनिक शिक्षा पद्धति व उसके द्वारा किये हुए तरह-तरह के ईजाद ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को रौंद डाला और ग्रामीण आत्मनिर्भरता धीरे धीरे समाप्त होती चली गई। शहरों पर गांवों की बढ़ती निर्भरता ने कई प्रकार की विसंगतियों को जन्म दिया, जिसमें मिलावट, मुनाफाखोरी और महंगाई की चर्चा आज तक चली आ रही है। चिकित्सा शिक्षा पर व्यय को एक उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है। अन्य कई पेशेवर शिक्षा है, जिसकी फीस निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की पहुंच से बाहर है। यह बात दीगर है कि केंद्र में सत्तारूढ़ नरेंद्र मोदी सरकार इस मर्म को समझ चुकी है और नई शिक्षा नीति के माध्यम से दोनों शिक्षा पद्धतियों में तालमेल बिठाने के लिए अथक प्रयत्न कर रही है। वह दोनों शिक्षा पद्धतियों के सद्गुणों को साथ रही है और अनुपयोगी बातों को विस्मृत कर देने के प्रचलन को बढ़ावा दे रही है। जिससे आने वाले 5-10 वर्षों में समाज में व्यापक सकारात्मक बदलाव दिखेगा। खुशी की बात यह है कि मोदी सरकार ने किसानों, मजदूरों के बाद कारीगरों/शिल्पियों के जीवन स्तर को उठाने के लिए कतिपय ठोस पहल की है, जिससे गुरु-शिष्य परम्परा आधारित पेशेवर कार्यों को और अधिक बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत अभियान को गति व मजबूती दोनों मिलेगी।

चूंकि 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस है, इसलिए आप सभी के चिंतन की दशा को एक निर्णायक मोड़ देने के लिए यह विषय उठाया हूँ, जो हमारा प्रशासनिक और सामाजिक दायित्व भी है। इस परम पुनीत मौके पर मैं अपने परम प्रिय मित्रों, मेरे संघर्ष के साथियों और मेरी अंतर्चेतना को जागृत करके समाजोन्मुखी बनाने वाले गुरुवरों को स्मरण करना चाहूंगा, ताकि सभी लोग अपने बन्धु-बांधवों व शिक्षकों के प्रति कृतज्ञ रहें। परम श्रद्धेय श्रेष्ठ गुरुजनों, जिन्होंने प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा की उत्कृष्टता प्रदान की और मेरे बौद्धिक व व्यवहारिक विकास के संवाहक बने रहे, उन्हें याद करके मैं धन्य हो जाता हूँ। ऐसे ही गुरुवर जो अपनी मौन कृपा और अध्यापन के प्रति उत्कृष्ट समर्पण के चलते मेरे चित्त को आकर्षित करते रहे, बंदनीय हैं। ऐसे ही गुरुवर की भूमिका में मेरे हृदय दिल, शिक्षा सम्राट परम श्रद्धेय आचार्य प्रोफेसर श्रीयुत जगदंबा सिंह का नाम अग्रगण्य है, जिन्होंने मेरे युवाकाल के निर्माण की आधारशिला रखी और उसके स्तंभ संवाहक बने। यहां पर विनम्रता पूर्वक मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं सर्वोच्च हूं परंतु जो भी हूँ, जैसा भी हूँ, सकमालीन लोकतंत्र में अपने सर्वाधिक प्रिय माता-पिता और गुरुजनों के आशीर्वाद से हूँ, उत्कृष्ट न होते हुए भी निम्न नहीं हूं। सम्मानित एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी हूँ एवं भारतीय लोकतंत्र में एक अहम उत्तरदायित्व का निर्वहन करने का अवसर जनहितार्थ, जनकल्याण वाली दें रहा प्राप्त हुआ है। इस ऊंचाई पर पहुंचने के लिए अपने स्वर्गीय माता-पिता और गुरुजनों के प्रति जो अब नहीं है और जो कुछ हैं, उनके प्रति विनम्र भाव से कृतज्ञ रहता हूँ। निज आंखों में अश्रु-धारा लिए यह कहना चाहता हूं कि इस नश्वर संसार के प्रथम गुरु माता-पिता होते हैं और द्वितीय गुरु पात्रता वश शिक्षा-दीक्षा प्रदान करने वाले गुरुजन, जिनकी एक लम्बी श्रृंखला होते हुए भी कुछ चुनिंदे गुरुवर चित्त को आकर्षित कर लेते हैं, सम्मोहित कर लेते हैं। तभी तो कहा गया है कि-

गुरु ही चारों वेद है, गुरु है सभी पुराण।

शिक्षा देकर कर रहे, सबका ही कल्याण।।

दूर करे अज्ञान सब, देकर ज्ञान प्रकाश।

गुरु ही करते हैं सदा, अनपढ़ता का नाश।।

चूंकि 5 सितम्बर 1888 ई. सन को देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधा कृष्णन का जन्म हुआ था और उन्हीं के सम्मान में इस दिन को 卐शिक्षक दिवस卐 के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में यह दिवस अपने शिक्षकों के प्रति उनके प्रिय छात्रों द्वारा सम्मान की मौलिक अभिव्यक्ति प्रकट कर गुरुओं के योगदान, अवदान एवं उनकी श्रेष्ठता के प्रति नमन किए जाने की परंपरा चली आ रही है। वैसे यह गुरु के प्रति सम्मान की परंपरा युगों-युगों से चली आ रही है और उसकी महत्ता के प्रति हमारे ग्रंथों में गुरु की महिमा के बारे में उल्लेख किया गया है।

गुरु की महत्ता साहित्य से लेकर शास्त्रों तक में भांति-भांति रूप में अभिव्यक्त की गई है, जिनमें से कुछ को यहां पर प्रस्तुत कर रहा हूँ-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढि-गढि काढ़े खोट।

अंतर हाथ सहार दे, बाहर बाहै चोट।

गुरु समान दाता नहीं, याचक शीष समान।

तीन लोक की संपदा, सो गुरु दिहि दान।।

गुरु बिन ज्ञान न उपजै, गुरु बिन मिले ना मोक्ष।

गुरु बिन लखै न सत्य को, गुरु बिन मिटै न दोष।।

गुरु पद रज मृदु मंजुल अंजन।

नयन, अमिय दृग दोष विभंजन।।

(गुरु महाराज के चरणों की रज कोमल और सुंदर नयनामृत अंजन है, जो नेत्रों के दोषों का नाश करने वाला है।)

## Pew Research के नये Survey ने Modi के बारे में देश-विदेश की सोच को उजागर कर दिया है

प्रह्लाद सबनानी

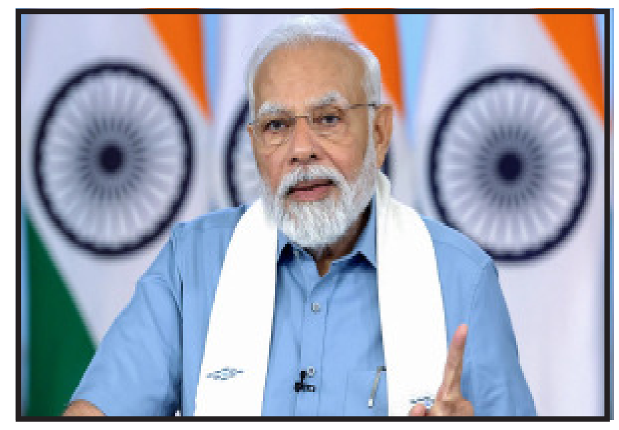

वैश्विक पटल पर भारत के एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने को कुछ पश्चिमी देश पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने वर्ष 2014 के बाद से इन्हीं पश्चिमी देशों को सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पीछे छोड़ा है। अभी हाल ही में 'प्यू रिसर्च सेंटर' नामक एक रिसर्च संस्था द्वारा जी-20 समूह के 24 देशों में, फरवरी 2023 से मई 2023 के बीच, एक ओपिनियन पोल यह जानने के लिए किया गया है कि जी-20 समूह के सदस्य देशों पर भारत का प्रभाव किस प्रकार का है अथवा जी-20 समूह के सदस्य देशों के नागरिक भारत के बारे में किस प्रकार की राय रखते है। भारतीय नागरिकों के बीच किए गए इस ओपिनियन पोल में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि अधिकतर भारतीयों का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अटूट विश्वास बना हुआ है और ओपिनियन पोल में शामिल नागरिक वैश्विक स्तर पर भारत की विदेश नीति पर अपना विश्वास प्रकट करते हैं। उत्तर देने वाले 68 प्रतिशत भारतीयों का कहना है कि भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रभावकारी बन गया है, जबकि 19 प्रतिशत भारतीयों का कहना है कि इस संदर्भ में स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और केवल 13 प्रतिशत नागरिकों का कहना है स्थितियां पूर्व की तुलना में बिगड़ गई हैं।

इसी प्रकार, भारत के वैश्विक स्तर पर नेतृत्व के सम्बंध में 79 प्रतिशत लोगों ने इसे देश के लिए हितकारी एवं 55 प्रतिशत लोगों ने अत्यधिक हितकारी बताया है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व बहुत प्रभावकारी तरीके से कर रहे हैं। यह ओपिनियन पोल ऐसे समय पर आया है जब भारत जी-20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है एवं वर्तमान में इस समूह की नीतियों के पालन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। नवम्बर 2022 से नवम्बर 2023 के एक वर्ष के खंडकाल के दौरान जी-20 समूह के देशों की 200 से अधिक बैठकों का आयोजन भारत में किया जाना है एवं इसी कड़ी में 9-10 सितम्बर 2023 को जी-20 समूह के देशों के राष्ट्राध्यक्षों की दो दिवसीय बैठक का आयोजन नई दिल्ली में किया जा रहा है। इसी प्रकार, विश्व के अन्य देशों के नागरिकों की राय भी भारत के हित में दिखाई दे रही है। उक्त ओपिनियन पोल में शामिल अन्य देशों के लगभग 46 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के नेतृत्व पर संतोष प्रकट करते हुए उन्होंने भारत के प्रति अपने अच्छे विचार प्रकट किए हैं। जबकि 34 प्रतिशत नागरिकों ने भारत की नीतियों के प्रति असंतोष प्रकट किया है और लगभग 16 प्रतिशत नागरिकों ने अपनी राय प्रकट नहीं की है। इस ओपिनियन पोल में 24 देशों के 30,861 नागरिकों की राय ली गई है। इस पोल में भारत से 2,611 नागरिकों से राय ली गई है। हालांकि, जी-20 समूह की देशों की कुल जनसंख्या 470 करोड़ है। रूस, चीन एवं तुर्केय ने इस ओपिनियन पोल में भाग नहीं लिया है। दूसरा प्रश्न जो उक्त ओपिनियन पोल में पूछा गया है वह यह है कि क्या वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। 68 प्रतिशत भारतीयों ने कहा है कि हां, भारत का प्रभाव वैश्विक स्तर पर बढ़ा है, जबकि अन्य देशों के केवल 28 प्रतिशत नागरिकों ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर भारत का प्रभाव बढ़ा है। तीसरा प्रश्न था कि क्या आप भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का समर्थन करते हैं। 79 प्रतिशत भारतीयों ने कहा है कि हां, जबकि अन्य देशों के 37 प्रतिशत नागरिकों ने मोदी की नीतियों का समर्थन किया है।

हाल ही के समय में भारत ने रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में नाटो समूह के सदस्य देशों की नीतियों का समर्थन नहीं करते हुए इस युद्ध में अपनी तटस्थ भूमिका निभाई है। भारत के इस रूख के चलते पश्चिमी देश भारत की नीतियों से नाराज दिखाई दे रहे हैं। इस युद्ध के बाद यूरोप के देशों में विशेष रूप से खाद्यान पदार्थ एवं ऊर्जा बहुत मंहगी हो गई है, जो इन देशों को यूक्रेन एवं रूस से मिलते रहे हैं, इसके चलते इन देशों में मुद्रा स्फीति की दर पिछले 50 वर्षों में सबसे अधिक हो गई है। इन देशों के नागरिकों की इस सम्बंध में नाराजगी भारत पर निकलती दिखाई दे रही है। क्योंकि, यूरोप के 10 देशों में से 3 देशों के नागरिकों ने भारत की नीतियों को निशाने पर लिया है। फ्रान्स में वर्ष 2007 में किए गए इसी प्रकार के एक पोल में 29 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के सम्बंध में अपनी नकारात्मक टिप्पणी की थी जबकि वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 39 प्रतिशत हो गई है। स्पेन में भी वर्ष 2007 में 34 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति अपने नकारात्मक विचार प्रकट किये थे जो वर्ष 2023 में बढ़कर 49 प्रतिशत हो गए हैं। जर्मनी में भी यह आंकड़ा वर्ष 2007 के 29 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023 में 38 प्रतिशत हो गया है। यूनाइटेड किंगडम में वर्ष 2007 के 9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023 में 30 प्रतिशत हो गया है एवं पोलैंड में वर्ष 2007 के 24 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2023 में 34 प्रतिशत हो गया है।

वैश्विक पटल पर भारत के एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने को कुछ पश्चिमी देश पचा नहीं पा रहे हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने वर्ष 2014 के बाद से इन्हीं पश्चिमी देशों को सकल घरेलू उत्पाद के मामले में पीछे छोड़ा है। इस सम्बंध में वर्ष 2014 के पूर्व भारत का वैश्विक स्तर पर 10वां स्थान था जो और भारत, यूनाइटेड किंगडम, फ्रान्स, इटली, कनाडा, आदि देशों की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए अब 5वें स्थान पर आ गया है। अब भारत, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को भी अगले लगभग 2 वर्षों में पीछे छोड़कर वैश्विक स्तर पर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। साथ ही, उक्त यूरोपीयन देश औपनिवेशवाद की मानसिकता से अभी भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं कि भारत जो कि यूनाइटेड किंगडम का उपनिवेश देश रहा है वह कैसे ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़कर उनसे आगे बढ़ रहा है। इसी प्रकार लैटिन अमेरिकी देशों में भी भारत के प्रति कुछ नाराजगी, हालांकि तुलनात्मक रूप से कुछ कम स्तर पर, पाई गई है। मेक्सिको में 33 प्रतिशत नागरिकों, ब्राजील में 43 प्रतिशत नागरिकों एवं अर्जेंटीना में 34 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति नकारात्मक टिप्पणी की है। आश्चर्यजनक रूप से दक्षिणी अफ्रीका में 51 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति असंतोष व्यक्त किया है। जबकि ब्राजील एवं दक्षिणी अफ्रीका भारत के साथ 'ब्रिक्स' समूह के सदस्य देश भी हैं। अर्जेंटीना भी अगले वर्ष ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने जा रहा है। भारत के यह समस्त देश मित्र देशों की सूची में अग्रणी रहे हैं एवं दक्षिणी अफ्रीका से हो भारत के एतिहासिक सम्बंध रहे हैं। हालांकि उक्त ओपिनियन पोल बहुत कम नागरिकों को शामिल करते हुए किया गया हैं परंतु कुछ आभास तो दिला ही रहा है और इससे कुछ सीखने की आवश्यकता भी है। अतः भारत को इन देशों के साथ अपने सम्बंधों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने की जरूरत है। अमेरिका में 51 प्रतिशत नागरिकों ने भारत के प्रति सकारात्मक विचार व्यक्त किए हैं। इजराईल में भारत के प्रति सबसे अधिक 71 प्रतिशत नागरिकों के सकारात्मक विचार पाए गए हैं। पिछले 70 वर्षों के दौरान, केवल वर्ष 1917 में, भारत के किसी प्रधानमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने इजराईल का दौरा किया था। इसके बाद से तो भारत के इजराईल के साथ सम्बंध लगातार प्रगाढ़ होते चले गए हैं।

अभी हाल ही में आई2-यू2 समूह (भारत, इजराईल, अमेरिका एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी स्थापित किया गया है। इन कारणों से इजराईली नागरिकों में भारत के प्रति सकारात्मक विचार बन पाए हैं। जबकि ब्राजील एवं अर्जेंटीना में केवल एक बार ही प्रधानमंत्री का दौरा सम्पन्न हुआ है, वह भी ब्राजील में ब्रिक्स सम्मेलन के लिए और अर्जेंटीना में जी-20 समूह की बैठक के लिए। अतः इसी प्रकार के प्रगाढ़ सम्बंध अन्य देशों के साथ भी बनाए जाने की आज महती आवश्यकता है, यह सीख तो उक्त ओपिनियन पोल से मिलती ही है।

## खनन प्रभावित क्षेत्रों का पुनरुद्धार

वैश्विक अर्थव्यवस्था और मानव विकास की दृष्टि से खनिज संसाधन का क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है। यह सभी 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और पेरिस समझौते में अहम योगदान देता है। यह विभिन्न एसडीजी की उपलब्धियों को प्रभावित करते हुए उन्हें आगे बढ़ा सकता है। अब जबकि 2050 तक पूरे विश्व की जनसंख्या 7.8 बिलियन से बढ़कर 9.6 बिलियन हो जाने की संभावना है, इस क्षेत्र को प्रति व्यक्ति उपभोग में होने वाली वृद्धि को पूरा करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विभिन्न अध्ययनों से यह पता चलता है कि 2000 और 2019 के बीच संरक्षित क्षेत्रों में खनन की गतिविधियों में शत-प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ऊर्जा संबंधी बदलावों और दुर्लभ मृदा धातुओं, जो रेडियोधर्मी पदार्थ छोड़ते हैं, के खनन की आवश्यकता के साथ परिस्थितियां और खराब होने की उम्मीद है। टिकाऊ खनन और खदानों को बंद करना अत्यंत वैश्विक महत्व का विषय है। खनन की गतिविधियों ने ऊर्जा संबंधी मांग एवं आपूर्ति को संतुलित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के निष्कर्षण को बढ़ावा दिया है। हालांकि, इससे वनों की कटाई, ऊपरी सतह की मिट्टी का हटना और कचरे की डंपिंग की समस्या पैदा हुई है, जो इकोसिस्टम से जुड़े कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। खनन से क्षतिग्रस्त हुई भूमि के जीर्णोद्धार के कार्य में हुई हालिया प्रगति दीर्घकालिक प्रबंधन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। चयनात्मक वृक्षारोपण एवं मृदा योजक खनन व्यवसायों और स्थानीय समुदायों को आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय रूप से लाभान्वित करते हुए पुनरुद्धार की प्रक्रिया को बेहतर बना सकते हैं। विभिन्न अनुसंधान तनाव संबंधी सहनशीलता, जलवायु संबंधी दृढ़ता और स्थानीय इकोसिस्टम की मौलिकता जैसी वृक्षारोपण संबंधी विशेषताओं के महत्व पर प्रकाश डालते हैं। अंतरराष्ट्रीय नीतिगत उद्देश्यों और संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए इकोसिस्टम का पुनरुद्धार करना आवश्यक है।

### खनन और खदानों की अनियोजित बंदी के प्रभाव

खनन के महत्वपूर्ण पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभाव होते हैं, जिनमें वनों की कटाई, आवास हानि और खतरनाक रासायनिक प्रदूषण शामिल हैं। ग्रीनहाउस गैसों उत्सर्जन के कारण सामाजिक अव्यवस्था, आर्थिक बदलाव और जलवायु परिवर्तन भी हो सकता है। अनियोजित तरीके से खदानों के बंद होने से पर्यावरणीय क्षति एवं जल प्रदूषण तथा आर्थिक गिरावट जैसे सामाजिक व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने हेतु जिम्मेदार कार्यप्रणालियों की आवश्यकता है जो स्थिरता, सामुदायिक कल्याण और बंदी की व्यापक योजनाओं को प्राथमिकता दें। भले ही वैश्विक स्तर पर विभिन्न विनियम और कानून पेश किए गए हैं,लेकिन इनके कार्यान्वयन के मामले में व्यापक भिन्नता है। खासकर, विकासशील देशों में। इसलिए, टिकाऊ कार्यप्रणालियों के लिए इन प्रभावों को समझना महत्वपूर्ण है।

### खदानों का टिकाऊ जीर्णोद्धार

पर्यावरण एवं समुदायों पर खनन और खदानों के बंद होने के प्रभाव को कम करने के लिए खदानों के जीर्णोद्धार की एक स्थायी योजना तैयार करना महत्वपूर्ण है। ऐसी योजनाओं में खनन क्षेत्रों के प्रभावी पुनर्वास सुनिश्चित करने से संबंधित प्रमुख तत्व शामिल होते हैं। खनन के पहले के इकोसिस्टम का आधारभूत आकलन सूचित निर्णय लेने की दृष्टि से बुनियादी शर्त है। इकोलॉजी संबंधी एवं सामाजिक लक्ष्यों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं संरक्षण के उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए। कार्यान्वयन की अनुकूलित रणनीतियों में देशी प्रजातियों का पुनर्रोपण, आवास पुनर्निर्माण और मृदा स्थिरीकरण शामिल हैं। निगरानी व अनुकूल प्रबंधन प्रगति एवं दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित करता है। समावेशी हितधारक सहभागिता सहयोग को बढ़ावा देती है। अंततः, यह योजनाएं स्थिरता की प्रक्रिया को ठोस बनाती हुई इकोलॉजी की सेहत, सामुदायिक कल्याण, निजी क्षेत्र की भागीदारी और पर्यावरणीय दृढ़ता के बीच की पारस्परिक अंतःक्रिया को स्वीकार करती हैं।

### भारतीय परिदृश्य

खान मंत्रालय ने कोयला खदानों में टिकाऊ खनन को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय लागू किए हैं। खनिज संरक्षण और विकास नियम (एमसीडीआर) 2017 पर्यावरणीय प्रभाव तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने हेतु विभिन्न नियमों की रूपरेखा तैयार करता है, जिसमें ऊपरी सतह की मिट्टी को हटाने एवं उपयोग, अपशिष्ट चट्टानों के भंडारण और जमीन के कंपन, सतह के धंसाव, वायु प्रदूषण, विषाक्त तरल निर्वहन, शोर तथा वनस्पतियों के पुनर्स्थापन से संबंधित सावधानियां शामिल हैं। भारतीय खान ब्यूरो ने खनन कार्यों के दौरान स्थिरता संबंधी मूल्यांकन के लिए स्टार रेटिंग की एक प्रणाली भी शुरू की है। एमसीडीआर 2017 के नियम 35 के तहत, प्रत्येक पट्टेदार को कामकाज शुरू होने के बाद से तीन-सितारा रेटिंग प्राप्त करना आवश्यक है। मंत्रालय खनन पट्टों को हरित ऊर्जा का उत्पादन करने और उसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। 293 खदानों के सर्वेक्षण से यह पता चला कि कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों की क्षमता लगभग 583 मेगावाट है। इन संयंत्रों में पवन और सौर ऊर्जा दोनों प्रकार के संयंत्र शामिल हैं। भारत सरकार और राज्य के अधिकारियों ने खनन से जुड़ी टिकाऊ कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए कई पहल की हैं। वर्ष 2020 में, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) ने खनन हो चुके क्षेत्रों को वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के विकास की दृष्टि से उपयुक्त बनाने हेतु वहां फिर से घास लगाने का आदेश दिया।

## संसद के विशेष सत्र में क्या विशेष होगा

संतोष कुमार भार्गव

केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर के बीच पांच दिनों के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर पर लिखा, संसद का विशेष सत्र 18 से 22 सितंबर को बुलाया गया है। हालांकि, संसद के इस विशेष सत्र का एजेंडा क्या होगा, इस बारे में आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं बताया गया है। यह असामान्य कार्यशैली है, क्योंकि स्पीकर के साथ कार्य मंत्रणा समिति की बैठक के दौरान सरकार को संसद सत्र के एजेंडे का खुलासा करना होता है। संसद का मानसून सत्र 11 अगस्त को ही स्थगित किया गया था। उसके 38 दिन बाद ही मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, तो यह 'मास्टर स्ट्रोक' साबित हो सकता है। विशेष सत्र 17वीं लोकसभा का निर्णायक, अंतिम सत्र भी हो सकता है। कहा जा रहा है कि विशेष सत्र में एक देश एक चुनाव बिल को पेश किया जा सकता है। ये भी कयास लगाए जा रहे हैं कि संभवतः संसद को पुरानी से नई इमारत में शिफ्ट करने के इरादे से इस विशेष सत्र को बुलाया गया है। कुछ लोगों का ये मानना है कि अचानक से बुलाये गए इस सत्र के दौरान सरकार कोई महत्वपूर्ण बिल को भी पास करवा सकती है। लेकिन फिलहाल ये सब केवल अटकलें हैं। इस बीच तमाम दलों के नेता संसद के विशेष सत्र बुलाए जाने की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए तीखी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इस बीच मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 'एक देश एक चुनाव' की संभावना तलाशने के लिए एक समिति गठित की है।

पिछले कुछ सालों में प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के विचार पर जोर देते आए हैं। अब पूर्व राष्ट्रपति कोविंद को ये टास्क सौंपने का फैसला आगामी चुनावों के मद्देनजर इस विचार पर सरकार की गंभीरता को दिखाता है। साल 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद कोविंद ने भी मोदी के विचारों से सहमति दिखाते हुए एक साथ लोकसभा-विधानसभा चुनाव कराए जाने का समर्थन किया था। साल 2018 में संसद को संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा, 'बारी-बारी होने वाले चुनावों न सिर्फमानव संसाधन पर बोझ बढ़ता है बल्कि आचार संहिता लागू होने से विकास की प्रक्रिया भी बाधित होती है। अब जब मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल खत्म होने की ओर है, तब उसके शीर्ष नेतृत्व के बीच एक राय है कि अब वो इस मुद्दे को ज्यादा लंबा नहीं खींच सकते। और सालों तक इस पर बहस के बाद निर्णायक रूप से आगे बढ़ने की जरूरत है। पार्टी के नेताओं का मानना है कि मोदी की अगुवाई में सत्तारूढ़ बीजेपी हमेशा समर्थन जुटाने के लिए बड़े मुद्दों टिकट बँटवारे पर ध्यान देती है। ऐसे में ये मुद्दा बीजेपी के लिए राजनीतिक तौर पर भी फिट बैठेगा और इससे विपक्ष भी चित हो जाएगा। मिजोरम, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान में इसी साल नवंबर-दिसंबर के बीच विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके बाद अगले साल मई-जून में लोकसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, सरकार के हालिया कदम ने लोकसभा चुनाव और उसके साथ या बाद में होने वाले कुछ विधानसभा चुनावों को आगे बढ़ाने की संभावना को भी खोल दिया है। आंध्र प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा चुनावों के साथ ही विधानसभा चुनाव होने हैं। इसके मद्देनजर, यदि 'एक देश, एक चुनाव' का बिल पारित भी किया जाता है, तो वह एकदम पूरे देश पर लागू नहीं किया जा सकता, क्योंकि कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव बीते कुछ माह के दौरान ही हुए हैं अथवा उन्होंने अपने कार्यकाल का प्रथम वर्ष ही पूरा किया है। क्या संसद से विधानसभाओं की अवधि बढ़ाने या घटाने का संवैधानिक संशोधन प्रस्ताव भी पारित कराया जा सकता है? सरकार ने अभी तक विशेष सत्र के एजेंडा पर चुप्पी साधी हुई है लेकिन सूत्रों के हवाले से अंग्रेजी अखबार 'द हिंदू' ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ये सत्र जी-20 शिखर सम्मेलन और आजादी के 75 साल से जुड़े जश्न को लेकर हो सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है शायद ये विशेष सत्र संसद की नई इमारत में आयोजित हो, जिसका उद्घाटन इसी साल मई महीने में हुआ है। माना ये भी जा रहा है कि सरकार शायद महिला आरक्षण बिल जैसे लंबे समय से टलते जा रहे किसी मुद्दे पर विधेयक ला सकती है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि चंद्रयान-3 और अमृत काल के लिए भारत के लक्ष्यों पर इस सत्र के दौरान व्यापक चर्चा होगी। हालांकि चर्चाएं हैं कि सरकार महिला आरक्षण, समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, आरक्षण के प्रावधान की ओबीसी की केंद्रीय सूची आदि पर नए विधेयक पेश और पारित करा सकती है। लोकसभा में महिलाओं के लिए 180 सीटें आरक्षित या बढ़ाई जा सकती हैं।

वहीं, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये कहा गया है कि हो सकता है सरकार इस विशेष सत्र में एक देश एक चुनाव या महिला आरक्षण जैसा कोई बड़ा बिल ले आए। मोदी सरकार ऐसा महिला आरक्षण तय करना चाहती है। अधिकतर प्रस्तावित बिलों के मद्देनजर संविधान में संशोधन करने पड़ेंगे, जिनके लिए कमोबेश दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत अनिवार्य होगा। संविधान संशोधन के कुछ और प्रस्ताव भी संभव हैं। 'चंद्रयान-3' भारत की बहुत बड़ी अंतरिक्ष और वैश्विक वैज्ञानिक उपलब्धि है। संसद हमारे होनहार और अनुभवी वैज्ञानिकों की ऐसी सफलता पर एक प्रस्ताव ला सकती है। भारत की 76 साल की स्वतंत्रता के दौरान जी-20 देशों की अध्यक्षता करना और शिखर सम्मेलन आयोजित करना भी अभूतपूर्व उपलब्धि है। संसद उस पर भी तालियां बजा कर प्रस्ताव पारित कर सकती है। यदि मोदी सरकार 'एक देश, एक चुनाव' का विधेयक पेश करती है, तो यह व्यापक राजनीतिक उथल-पुथल का निर्णय होगा। देश की राजनीति ही बदल सकती है, क्योंकि विपक्षी गठबंधन तो फिलहाल शैशव-काल में है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ-साथ कराना कोई नई व्यवस्था नहीं है। 1950 में संविधान लागू हुआ और 1952 में प्रथम चुनाव कराए गए। 1952, 1957, 1962, 1967 में लोकसभा के साथ-साथ विधानसभा चुनाव भी कराए जाते रहे। चूंकि 1968 में विधानसभाएं समय-पूर्व भंग की जाने लगीं और 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के कारण लोकसभा चुनाव तय समय से पहले कराए गए, नतीजतन व्यवस्था असंतुलित होती गई। हालांकि ओडिशा में आज भी दोनों चुनाव साथ-साथ और सफलता से कराए जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी 2018-19 से अपने इस मिशन की चर्चा संसद में करते रहे हैं। नीतीश कुमार और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेताओं की इस मुद्दे पर सहमति भी रही है। अब विपक्ष कैसे प्रतिक्रिया देगा, यह सामने आ जाएगा, लेकिन क्या चुनाव आयोग, राज्यों के मुख्यमंत्री और सदन, अंततः सर्वोच्च अदालत आदि कई हितधारक और हिस्सेदारों से परामर्श किया गया है? क्या उनकी सहमति अनिवार्य नहीं है? दरअसल भारत और प्रधानमंत्री मोदी को लेकर अभी एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी ने वैश्विक सर्वेक्षण किया है, जिसका निष्कर्ष है कि करीब 79 फीसदी लोग और नेता भारतीय प्रधानमंत्री को पसंद करते हैं। भाजपा इस लोकप्रियता का चुनावी लाभ लेना चाहती है। उसका आकलन है कि यदि साथ-साथ चुनाव होते हैं, तो राज्यों में भी भाजपा को लाभ मिल सकता है। फिलहाल चर्चाओं का दौर गर्म है। अब यह देखना अहम होगा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और और अगले साल होने वाले आम चुनाव से पूर्व बुलाये गये इस विषेष सत्र में मोदी सरकार क्या बड़ा फैसला करती है। लेकिन इन सबके बीच एक बात साफ है कि विषेष सत्र में जो कुछ भी होगा वो देष की भावी राजनीति की दिषा और दषा जरूर तय करेगा।

# संक्षिप्त समाचार

## टीबी की बीमारी से परेशान अधेड़ फंदे पर झूला, दाह संस्कार में गया युवक टोंस नदी में डूबा

बलिया। बलिया जिले के चंदाडीह गांव निवासी नागेंद्र वर्मा ( 45 ) ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट में उसने खुदकुशी का कारण लिखा। परिजनों में कोहराम मचा है। बलिया जिले के चंदाडीह गांव निवासी नागेंद्र वर्मा ( 45 ) ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सुसाइड नोट में उसने खुदकुशी का कारण लिखा। परिजनों में कोहराम मचा है। उभांव थाना क्षेत्र के चंदाडीह ग्राम निवासी नागेंद्र टीबी का मरीज था। बीमारी का कारण वह अवसाद में था। शनिवार रात वह खाना खाकर कमरे में सोने गया था। रविवार सुबह उसका शव घर के पास ही फंदे से लटका मिला। ग्रामीणों ने देखा तो शोर मचाया। सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस को उसकी जेब से सुसाइड नोट मिला। पेंसिल से लिखा था कि मैं खतरनाक बीमारी टीबी रोग ग्रसित हूं। इलाज से परेशान होने के कारण आत्महत्या कर रहा हूं। इसमें किसी से कोई लेना-देना नहीं है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नागेंद्र दो बच्चों का पिता था। पत्नी भी हर समय बीमार रहती है।

नदी में डूबने से युवक की मौत

रसड़ा क्षेत्र के डेहरी निवासी निगम राम ( 32 ) पुत्र स्व. रामचन्द्र शनिवार रात दाह संस्कार में शामिल होने प्रधानपुर टोंस नदी पर गया था। सांय पांच बजे नहाते समय निगम गहरे पानी चला गया। कुछ देर बाद निगम की लोगों ने खोजबीन शुरू की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों के सहयोग से काफी मशक्कत के बाद निगम का शव निकलवाया। मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। युवक की तीन पुत्रियां और दो पुत्र हैं। पत्नी अमला का रो-रोकर बुरा हाल है।

## पुत्र की दीर्घायु के लिए महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

बलिया। महिलाओं ने रविवार को भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को उपवास रखा। वहीं, कुंवारी कन्याओं ने भी अच्छे वर की प्राप्ति के लिए बहुला व्रत रखा। बालिकाओं ने शाम को कथा श्रवण के बाद प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान किसी ने जल तक ग्रहण नहीं किया। शाम को नगर के भृगु मंदिर व बाबा बालेश्वर नाथ मंदिर में महिलाओं ने संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत की कथा को सुना और पूजा-अर्चना की। भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। इसलिए कि यह व्रत सभी तरह के कष्टों को दूर करता है। व्रत की कथा के दौरान बालेश्वर मंदिर के आचार्य पंडित संजय गिरी ने व्रत के महत्व की चर्चा करते हुए कहा कि संकष्टी चतुर्थी को भगवान गणेश की पूजा करने का खास महत्व है। इस व्रत में चंद्र दर्शन भी विशेष फलदायी होता है। इससे पूर्व महिलाएं सुबह में ही स्नान कर साफ और धुले हुए कपड़े पहनकर व्रत को रखा। शाम के समय में दोबारा स्नान कर पूजा के लिए भगवान गणेश की प्रतिमा को स्थापित कर पूजा-अर्चना की। भगवान के सामने हाथ जोड़कर व्रत का संकल्प दोहराया। अपने पुत्रों, घर परिवार के सुखमय जीवन की कामना की। नगर के कई अन्य मंदिरों पर भी इस व्रत कथा में सुनने के लिए महिलाओं की भीड़ देर शाम तक रही।

## भांजे के खिलाफ दर्ज कराया धोखाधड़ी का मुकदमा

बलिया। कोतवाली क्षेत्र में साढ़े तीन लाख रुपये की ठगी के मामले में मामा ने अपने भांजे के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। वादी शंभूनाथ प्रसाद निवासी बालापुर ने न्यायालय में परिवाद दाखिल कर बताया कि उसका भांजा अरविंद राजभर निवासी सिसोटार थाना सिकंदरपुर बचपन से अपने ननिहाल रहता था। परिवार द्वारा उसपर काफी विश्वास करते कोआपरेटिव यूनियन बैंक के खाते में उसका ही मोबाइल नंबर दर्ज कराया गया था। वो कतर में काम करता था तो वहीं से अपने खाते में पैसा भेज दिया करता था। इसी दौरान एक प्रेम प्रसंग में भांजा लड़की लेकर भाग गया। मैंने उसे घर से निकाल दिया गया। इसके बाद द्वेषपूर्ण तरीके से मेरे खाते का यूपीआई एकाउंट बनाकर तीन लाख 49 हजार 682 रुपये निकाल लिए। बांसडीह थाने में तहरीर दी गई लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 27 जुलाई को आरोपित ने मुझे घोघा चट्टी पर घेरकर जान से मारने की धमकी दी। उसने न्यायालय की शरण ली। अपर मुख्य दंडाधिकारी प्रथम के आदेश पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर योगेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर अभियोग पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

## राज्यपाल की आमद, कैंसर अस्पताल की सौगात...लेदवा-चौकवा की बदली तस्वीर

बस्ती। आज राजपथ से लोकपथ का मिलन है। स्थल है लखनऊ राजभवन से लगभग 225 किलोमीटर दूर बस्ती जिले के सल्टौआ गोपालपुर ब्लॉक क्षेत्र के चौकवा ग्राम पंचायत का लेदवा गांव। महामहिम आनंदी बेन पटेल यहां दिन में 11 बजे पहुंचेंगी। यहां अधिकारी, नागरिक, बच्चों, महिलाओं और शिक्षकों के बीच वह 50 मिनट तक मौजूद रहेंगी। उनके कार्यक्रम के अलग-अलग शेड्यूल निर्धारित हैं। पहले सरकारी सिस्टम का अवलोकन बाद में आमजन से उनका सीधा संवाद भी होगा। उनके आगमन का तारीख तय होते ही गांव के भाग्य की लकीर भी गाढ़ी हो गई है। कुछ ही दिनों में रात-दिन एक कर यहां की तस्वीर बदल दी गई है। कभी सामान्य गांव की तरह विकास कार्यों से वीरान दिखने वाला लेदवा अब चमक उठा है। महामहिम के स्वागत को तैयार लेदवा गांव की साज-सज्जा देखते बन रही है। यहां के नागरिक भी महामहिम की झलक पाने को पलक पावड़े बिछाए हुए हैं। गांव की गलियों से लेकर स्कूल, पोखरे तक हलचल बढ़ी हुई है। अधिकारियों की आवाजाही के बीच सुंदर जलाशय, नई इंटरलॉकिंग सड़क, कंप्यूटरीकृत चमक बिखेरता परिषदीय स्कूल, सुविधाओं से लैस लकदक पंचायत भवन के साथ मुख्य द्वार पर बने भव्य तोरणद्वार को हर कोई देर तक निहार रहा है। ऐसी साज-सज्जा गांव में पहली बार देखने को मिल रही है। विभिन्न सरकारी योजनाओं से सुंदर एवं सुव्यवस्थित दृश्य सजाने की कल्पना यहां साकार स्वरूप में दिख रही है। गांव में चौतरफा विकास की मनोरम छटा बिखरी है। यह गांव के नागरिकों के साथ महामहिम को भी खूब लुभाएगी।

## शॉर्ट सर्किट से कालीन प्रतिष्ठान में लगी भीषण आग

भदोही। नगर के एक बड़े कालीन प्रतिष्ठान में रविवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने से लाखों का कच्चा माल जलकर नष्ट हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकद की तीन गाड़ियों ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान घंटों अफरा-तफरी की स्थिति बनी हुई थी। पीड़ित के अनुसार आग लगने से दो करोड़ का नुकसान हुआ है। भदोही रेलवे स्टेशन के समीप स्टेशन रोड स्थित के-इंटरनेशनल कालीन कंपनी में रविवार की सुबह आग लग गई। आग देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। अल सुबह लगभग 4.30 बजे आग लगने के 45 मिनट के बाद इसकी जानकारी हुई। सूचना लगते ही अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना कंपनी के मालिक को दी और आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। दूसरी तरफ सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। अग्निशमन विभाग को भी इसकी जानकारी दी गई।

सूचना दिए जाने के लगभग आधे घंटे बाद एक दमकल पहुंची और आग बुझाने में जुट गई। लेकिन गोदाम में रखे कच्चे माल के कारण आग और भी विकराल हो गई। इस बीच आधे घंटे बाद दो और दमकल पहुंची। आग इतनी विकराल थी कि अग्निशमन की तीन गाड़ियों के पानी समाप्त हो गए। इससे वाहनों को पानी के लिए भटकना पड़ा। लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह से आग पर काबू पाया गया। पीड़ित कालीन निर्यातक कमरूद्दीन अंसारी के बेटे राशीद अंसारी ने बताया कि आग के कारण गोदाम में रखा कच्चा माल काती के अलावा तैयार माल सहित कुल दो करोड़ का नुकसान हुआ है। लोगों का कहना है कि गोदाम में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी थी। हालांकि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

## जिले के कई गांवों में तेंदुए की दहशत, स्कूल की छुट्टी कर बच्चे घर भेजे

बलिया। जिले के कई गांवों में तेंदुआ होने की दहशत बनी हुई है और उन गांवों में ग्रामीणों ने खेतों में जाना बंद कर दिया। तेंदुए की दहशत के चलते लहचौड़ा मांव में स्कूल की छुट्टी कर बच्चों को घर भेज दिया गया। तेंदुआ होने की सूचना पर वन विभाग और पुलिस की टीम दौड़ती नजर आई। वन विभाग ने तेंदुआ दिखाई देने पर सूचना देने को हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। ढिकौली गांव के बिजली घर पर तैनात एसएसओ मनोज बालियान ने बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे काफी देर तक कुत्तों के भोंकने की आवाज सुनकर वह बाहर निकला तो कुत्ते भागकर बिजलीघर में घुस गये। तभी बिजलीघर के बाहर से जाता हुआ तेंदुआ दिखाई दिया। जिसके बाद ग्रामीणों को फोन कर सतर्क किया। साथ ही ग्रामीणों से झुंड बनाकर खेतों में जाने के लिए कहा गया। इसके अलावा खट्टा प्रहलादपुर गांव के जंगल में पिछले तीन दिन से तेंदुआ दिखाई देने से दहशत का माहौल बना हुआ है।

## मेले में 2533 मरीजों का इलाज, 395 सिर्फ बुखार के

बाराबंकी। मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में सर्दी, जुकाम और बुखार के मरीजों की भरमार रही। इस दौरान कुल 2533 मरीजों का उपचार किया गया, जिसमें से 395 मरीज सिर्फ बुखार के रहे। इस दौरान संदिग्ध पाए गए 175 लोगों की कोरोना जांच कराई गई, लेकिन कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया। जबकि पात्र पाए गए 30 लोगों के आयुष्मान भारत योजना के तहत गोल्डन कार्ड बनाए गए। जिले के 57 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला मरीजों की संख्या 1002, पुरुषों की संख्या 913 और बच्चों की संख्या 618 रही। जांच में 12 मरीजों में हेपेटाइटिस बी की पुष्टि हुई है।

इस दौरान कोटवाधाम पीएचसी पर दवा लेने आए रंजीत ने बताया कि वह एक सप्ताह से बुखार से पीड़ित हैं। निजी चिकित्सक को दिखाने के बाद भी कोई आराम नहीं मिला। जिस पर चिकित्सक ने जांच कराते हुए दवाएं दीं। त्रिलोकपुर पीएचसी पर दवा लेने आए रामपाल ने सांस रोग से पीड़ित होने की शिकायत की। जिस पर चिकित्सक ने जांच कराकर दवाएं दीं। सीएमओ डॉ. अवधेश यादव ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए 117 डॉक्टरों और 298 स्वास्थ्य कर्मियों को लगाया गया था।

## बाराबंकी में बड़ा हादसा, तीन मंजिला इमारत गिरने से दो की मौत, कई लोग फंसे

बाराबंकी। बाराबंकी में एक बहुमंजिला इमारत गिर गई है। मलबे में दबकर दो लोगों की मौत हो गई। अभी कई लोग फंसे होने की संभावना है। कई लोगों को बचा लिया गया है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर बचाव अभियान चल रहा है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक बहुमंजिला इमारत गिर गई। मलबे में दबकर दो लोगों की मौत हो गई। अभी कई लोग फंसे होने की संभावना है। 12 लोगों को बचा लिया गया है। बचाव अभियान चल रहा है। बाराबंकी के फतेहपुर कस्बे में सोमवार की भोर करीब चार बजे एक तीन मंजिला मकान ढह गया। जिस समय हादसा हुआ मकान में और उसके आसपास करीब 12 लोग सो रहे थे। हादसे के बाद एसपी दिनेश कुमार सिंह, सीडीओ एकता सिंह, एडीएम अरुण कुमार सिंह की मौजूदगी में पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगो ने रेस्क्यू शुरू किया। 12 लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने दो को मृत घोषित कर दिया, जबकि आठ लोगों को लखनऊ रेफर कर दिया गया। मलबे में तीन और लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते एनडीआरएफ की टीम भी बुलाई गई है। फतेहपुर कस्बे में नगर पंचायत कार्यालय के सामने मोहल्ला काजीपुर वार्ड 2 में हाशिम का तीन मंजिला मकान बना हुआ था, जो सुबह करीब 3 बजे पूरी तरह से ढह गया। अचानक हुए हादसे की जानकारी मिलते ही तमाम अधिकारी कई थानों की पुलिस फोर्स और एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मलबे में दब लोगों को बाहर निकाल कर जिला अस्पताल भेजा गया। इनमें हाशिम की पुत्री रोशनी ( 22 ) और हकीमुद्दीन ( 25 ) पुत्र इस्लामुद्दीन की मौत हो गई। जबकि हाशिम की पत्नी शकीला ( 55 ), पुत्री जैनब ( 10 ), महक ( 12 ), पुत्र समीर ( 18 ), सलमान ( 25 ), सुल्तान ( 28 ), जफरुल हसन ( 35 ) पुत्र इस्लामुद्दीन और उसकी मां उम्मे कुलसुम ( 60 ) को गंभीर चोटें आईं। आनन फानन सभी घायलों को जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर कर दिया गया। इनमें इस्लामुद्दीन हाशिम के पड़ोसी हैं जिनका परिवार घर के बाहर सो रहा था और इमारत ढहने के दौरान मलबे की चपेट में आकर घायल हो गया। अभी दो और लोगो के मलबे में फंसे होने की आशंका है। एसपी बाराबंकी दिनेश सिंह ने बताया है कि यह हादसा करीब 3:00 बजे हुआ है। घटना के तुरंत बाद रेस्क्यू शुरू कर दिया गया था लखनऊ से एसडीआरएफ की टीम पहुंच गई है 12 लोगों को जिला अस्पताल भेजा गया था जिनमें से दो की मृत्यु हो गई, अन्य गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया है। अभी तीन लोगों के फंसे होने की जानकारी मिल रही है बचाव अभियान जारी है।

## भदोही की बड़ी कालीन कंपनी में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर राख, तीन घंटे बाद पाया गया काबू

भदोही। रेलवे स्टेशन के समीप स्टेशन रोड स्थित के-इंटरनेशनल कालीन कंपनी में रविवार की सुबह आग लग गई। आग से उठ रही लपटों और धुआं को देखकर कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी घबरा गए। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना कंपनी के मालिक को देते हुए आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। नगर एक बड़े कालीन प्रतिष्ठान में रविवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने से लाखों का कच्चा माल जलकर राख हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची दमकद की तीन गाड़ियों ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान घंटों अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

भदोही रेलवे स्टेशन के समीप स्टेशन रोड स्थित के-इंटरनेशनल कालीन कंपनी में रविवार की सुबह आग लग गई। आग से उठ रही लपटों और धुआं को देखकर कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी घबरा गए। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना कंपनी के मालिक को देते हुए आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। दूसरी तरफ पुलिस को सूचना लगते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और अग्निशमन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना दिए जाने के लगभग आधे घंटे बाद एक दमकल गाड़ी पहुंची और आग बुझाने में जुट गई, लेकिन गोदाम में रखे कच्चे माल के कारण आग और भी विकराल होता जा रहा था। इस बीच आधे घंटे बाद दूसरी अग्निशमन की गाड़ी भी पहुंची। आग इतना विकराल था कि अग्निशमन की दोनों गाड़ियों के पानी समाप्त हो गए। जिससे वाहनों को भटकना पड़ा। लगभग तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किसी तरह से आग पर काबू पाया जा सका। पीड़ित कालीन निर्यातक कमरूद्दीन अंसारी ने बताया कि आग के कारण गोदाम में रखा कच्चा माल काती के अलावा तैयार माल जलकर राख हो गया है। कितना नुकसान हुआ है। यह पूरी तरह से आग बुझने पर ही पता चल सकेगा। वहीं आग किस तरह से लगी। इसकी भी जानकारी नहीं हो सकी है।

## अवैध क्लीनिक संचालित करते मिला झोलाछाप, सीज

औरैया। जिले में लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर पैसे कमाने वाले झोला छापों की भरमार है। आए दिन इनके क्लीनिक पर मरीजों की हालत बिगड़ने व कई बार मौत होने की जानकारी सामने आती रहती है। डिप्टी सीएमओ ने रविवार को अजीतमल क्षेत्र में अवैध क्लीनिक व झोलाछापों के खिलाफ अभियान चलाकर छापेमारी की। इस दौरान उन्होंने मुरादगंज कस्बे में संचालित एक अवैध क्लीनिक को सीज किया। डिप्टी सीएमओ डॉ. मनोज सिंह ने रविवार को टीम के साथ अजीतमल क्षेत्र में अवैध क्लीनिक संचालित कर रहे झोलाछापों के खिलाफ अभियान चलाया। जिसमें उन्होंने अजीतमल कस्बा स्थित एक बंगाली डॉक्टर के क्लीनिक पर छापा मारा। जिसमें उन्हें डॉक्टर की ओर से अपनी डिग्री व क्लीनिक संचालन करने का प्रमाण पत्र दिखाया गया। जिस पर टीम वहां से चली गई। इसके बाद टीम ने मुरादगंज कस्बा स्थित दिलीप विश्वास बंगाली के क्लीनिक पर छापा मारा। यहां एक झोलाछाप मरीजों का उपचार करते हुए मिला। टीम ने झोलाछाप से डिग्री व क्लीनिक संचालन के प्रमाण पत्र मांगे। कागजात न दिखा पाने पर डिप्टी सीएमओ ने क्लीनिक सीज कर दिया। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया कि करीब पांच माह पहले तत्कालीन एसडीएम अजीतमल अखिलेश कुमार सिंह व अजीतमल सीएचसी अधीक्षक डॉ. अवनीश कुमार ने इसी झोलाछाप के क्लीनिक को सीज किया था। इसके बाद झोलाछाप ने किसी दूसरे डॉक्टर के साथ मिलकर क्लीनिक का पंजीकरण करवा कर क्लीनिक संचालन शुरू किया था। कुछ समय बाद दोनों ने आपसी समझौते को तोड़ दिया था।

## जिले भर में अघोषित बिजली कटौती से लोग परेशान

औरैया। पिछले चार दिनों से शहर समेत पूरे जिले में अघोषित बिजली कटौती से आम जन जीवन बुरी तरह से अस्त व्यस्त है। हालत यह है कि भीषण गर्मी में रात में हो रही कटौती व लो वोल्टेज की समस्या से लोग बुरी तरह से आहत है। जिससे लोगों को पेयजल संकट भी झेलना पड़ रहा है। बावजूद इसके बिजली विभाग के अधिकारी इस ओर कोई ठोस कदम उठाने से कतरा रहे हैं। जिससे उपभोक्ता परेशान है। चार दिनों से शहर में चल रही अघोषित बिजली कटौती से लोग खासे परेशान हैं। खासकर रात के चलते बिजली की आंख मिचौली उपभोक्ताओं की नींद उड़ा रही है। वहीं लो वोल्टेज के चलते पंखा, कूलर व एसी सभी बंद पड़े हुए हैं। बावजूद इसके बिजली विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। शनिवार की रात भी शहर में एक नंबर व तीन नंबर फीडर की लड़खड़ाई बिजली आपूर्ति से लोगों को रात जागकर गुजारनी पड़ी। साथ ही उन्हें पेयजल संकट भी झेलना पड़ रहा है। तहसील बिधूना के ग्रामीण क्षेत्र का भी यही हाल रहा। विद्युत उपकेन्द्र बिधूना, के कैथवा, रूपपुर सहार, कुदरकोट, सोहनी, भटौरा बेला, पुर्वा सुजान आदि क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्र को मिलने वाली 17 घंटे की बिजली सप्लाई में अघोषित कटौती के चलते महज पांच-छह घंटे ही आपूर्ति मिल पा रही है। इसके पीछे बिजली कर्मचारी जर्जर विद्युत लाइन व उपकेन्द्र में लगी जर्जर मशीनों को कारण बता रहे हैं। तार टूटने के कई कई घंटे बिजली सप्लाई ग्रामीण क्षेत्र में बंद रहने के लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा।

पसुआ फीड़र से जुड़े गांव पसुआ, धनवाली, हमीरपुर, रायपुर, सराय प्रथम, चिरूकुआ, शामपुर, जुगराजपुर, शाहूपुर व कैथावा फीड़र के कैथावा, अजीतपुर्वा, तिलकपुर, नूरपूर खरगपुर, बदनपुर, विधि पुर्वा, रूपपुर, सहार फीडर के रूपपुर, कटरा, पुर्वा दीक्षित, कीरतपुर, बिकूपुर, रावतपुर, भिखरा, असजना, नकी कटरा, मुर्चा आदि गांव के किसानों के खेतों में खड़ी धान, मक्का, बाजार की फसलें सूखने की कगार पर हैं।

## निगम की बसों के रंग में रंगी बस थाने के सामने से ले गई सवारियां

बदायूं। परिवहन निगम की बसों जैसे रंग में रंगी एक और बस रविवार को सवारियां लेकर दिल्ली की ओर गई। रास्ते में मुजरिया थाने के सामने इस बस में सवारियां भी बैठाईं, लेकिन थाना पुलिस भी इससे अनजान बनी रही। ऐसी बसों के संचालन पर पुलिस प्रशासन और परिवहन निगम रोक नहीं लगा पा रहे हैं। पिछले दिनों उझानी कोतवाली पुलिस ने चार बसों को पकड़कर सीज किया गया था। चार-पांच दिन पहले भी एआरटीओ प्रवर्तन अंबरीश कुमार ने तीन बसों को पकड़ा था। उन्होंने करीब डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना भी डाला था। ऐसी बसों संचालक जुर्माने की राशि जमा करके बसों को ले गए। फिर भी इनका संचालन बंद नहीं हुआ।

अभी ये बसें बदायूं-दिल्ली रूट पर लगातार दौड़ रहीं हैं। इन बसों के चालक-परिचालक भी परिवहन निगम के बनकर चल रहे हैं। बाकायदा ये टिकट मशीन का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। रविवार दोपहर भी ऐसी बस मुजरिया इलाके में सवारियां बैठाती दिखाई दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बस के शीशे पर दिल्ली, आनंद विहार, कौशांबी लिखा हुआ था। इन नामों का एक बोर्ड भी लगा था। काफी देर तक बस खड़ी रही, लेकिन पुलिस को इसकी भनक नहीं लगी और बस आराम से सवारियां बैठाकर दिल्ली के रवाना हो गई।

*गाजियाबाद में पकड़ी गई फर्जी रोडवेज बस*

दिल्ली-बदायूं रूट पर दौड़ रही एक फर्जी रोडवेज बस गाजियाबाद में भी पकड़ी गई। रास्ते में इनके पकड़े जाने से और कार्रवाई होने से कहीं न कहीं इनके संचालकों की कमर टूटेगी। अगर यह बसें रास्ते में ही पकड़ी जाएंगीं तो शायद बदायूं आने पर रोक लग सकती है। ऐसी बसों के खिलाफ अब चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। इन्हें पकड़कर कार्रवाई की जाएगी। आज जो बस निकलकर गई है, उसके बारे में नहीं पता। ऐसा नहीं हैं कि ये बसें दोबारा नहीं आएंगीं। दोबारा आएंगी तो पकड़ी जाएंगी। -अंबरीष कुमार, एआरटीओ, प्रवर्तन

## मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में नहीं पहुंच रहे लोग

आजमगढ़। जिले में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला मजाक बनकर रह गया है। कहने को तो 72 स्वास्थ्य केंद्रों पर हर रविवार को आयोजन होता है लेकिन प्रचार-प्रसार के अभाव में बहुत कम लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। शुरूआत में हर रोग के डॉक्टर मौजूद होते थे तो वहीं अब इक्का-दुक्का डॉक्टरों को बैठा कर कोरम पूरा हो रहा है। रविवार को जिले के कुल 72 स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य मेला लगा। कई स्वास्थ्य केंद्र तो ऐसे भी रहे जहां कोई भी मरीज इलाज को नहीं पहुंचा। कुछ केंद्रों पर ही मरीज नाम मात्र के मरीज पहुंचे। स्वास्थ्यकर्मियों ने भी खानापूर्ति की। पवई = अतिरिक्त पीएचसी खंडोरा पर सुबह 12 बजे तक मात्र दो मरीज ही इलाज के लिए पहुंचे थे। यहां डॉ. सीएस बिंद की तैनाती थी। जो मरीजों के बेड पर सोते मिले। जांच आदि की कोई व्यवस्था यहां नहीं देखने को मिली। एलटी व वार्ड ब्वाय गायब रहे।

लाटघाट = अस्पतालों पर कोई विशेष व्यवस्था नहीं देखने को मिली। पीएचसी हाजीपुर में 20, हैदराबाद पर 22, पहाड़पुर पर सर्वाधिक 60 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। डॉ. मो. आसिफ ने बताया कि सर्वाधिक खांसी, जुखाम व बुखार के मरीज आ रहे हैं। मेहनगर = अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवइत पर दो डॉक्टर व एक एएनएम, एक फार्मासिस्ट व दो एलटी मौजूद रहे। 14 मरीज पहुंचे थे। जांच के नाम पर कोई विशेष मशीन अथवा टेस्ट किट यहां मौजूद नहीं थी। केंद्र प्रभारी डॉ. सुजीत यादव ने बताया कि सुविधाओं के अभाव में जन आरोग्य मेला भी आम दिनों की भांति आयोजित हो रहा है। निजामाबाद = पीएचसी पर कुल 39 मरीजों ने अपना इलाज कराया। सर्दी जुखाम व बुखार के सर्वाधिक मरीज पहुंचे। मुबारकपुर = पुरारानी मुहल्ला स्थित नगरीय स्वास्थ्य केंद्र पर 25 लोग पहुंचे। अमिलो = पीएचसवी महुआ व शाहगढ़ पर इक्का-दुक्का मरीज ही पहुंचे। रानी की सराय = पीएचसी पर 30 मरीजों का इलाज हुआ। आठ मरीज कुत्ता काटने के आए थे। वायरल बुखार के मरीजों की संख्या ज्यादा रही। फरिहा = स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र पर 11 मरीजों ने इलाज कराया।

## शहर से लेकर गांव तक छुट्टा पशुओं का आतंक

आजमगढ़। जनपद में छुट्टा पशु किसानों और राहगीरों के लिए समस्या बने हुए हैं। सड़क से लेकर खेतों तक इनकी धमाचौकड़ी मची है। गौशालाओं में गोवंश को सरंक्षण देकर किसानों को राहत देने के दावे धरातल पर झूठे नजर आ रहे हैं। आए दिन लोग इनके चक्कर में दुर्घटना का शिकार भी हो रहे हैं। ऐसे में जिम्मेदार मौन हैं। सरकार की ओर से छुट्टा पशुओं को गोशालाओं में रखने का निर्देश दिया गया है। इनके सड़कों पर नजर आने पर कार्रवाई की चेतावनी भी है लेकिन शासन प्रशासन के सारे आदेश और निर्देश हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। शहर से लेकर गांव तक छुट्टा पशुओं को घूमते देखा जा सकता है। आलम यह है कि खेतों में पशु फसलों को तबाह कर रहे हैं। सड़क पर ऐसे पशु दुर्घटनाओं का सबब बन रहे हैं। फसल चौपट कर मवेशी किसानों को तगड़ी चोट दे रहे हैं, राहगीरों को घायल कर रहे हैं। इनसे राहगीर तथा किसान दोनों ही परेशान हैं। जिला प्रशासन की ओर से इसके लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया गया है लेकिन उस पर फोन करने के बाद भी कुछ हासिल नहीं है। शासन के निर्देश पर जनपद में दो स्थायी और 41 अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इनमें नौ हजार से अधिक पशुओं को रखा गया है। इसके बाद भी सड़कों पर काफी संख्या में पशु टहलते देखे जाते हैं। कई गोवंश आश्रय स्थलों में क्षमता से अधिक पशु रखे गए हैं। नगर के पहाड़पुर तिराहे पर सुबह के समय काफी संख्या में ऐसे पशु बैठे हुए आसानी से मिल जाएंगे। वहीं कुछ पशु एक दूसरे के साथ जोर आजमाइश करते हुए भी देखे जा सकते हैं। कुछ ऐसा ही हाल रैदोपुर तिराहे और आराजीबाग मुहल्ले का भी है। जहां ऐसे छुट्टा पशुओं की भरमार है।

नगर क्षेत्र में इनको पकड़कर गोशालाओं में भेजने की जिम्मेदारी नगर निकायों की और गांवों में ग्राम पंचायतों की है। लेकिन इसमें लापरवाही की जा रही है। यह देखने में भी आ रहा है लोग अपने दुधारू पशुओं को भी सड़कों पर छोड़ रहे हैं। जिन्हें देखकर लगता है कि सारे पशु छुट्टा हैं।

## नाले में मिला लापता युवक का शव

बाराबंकी। कोतवाली इलाके में रविवार को सुबह एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नाले में पड़ा मिला। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्र के बेहटा गांव निवासी सत्यनाम कनौजिया ( 40 ) शनिवार की शाम घर से निकला था। रात में घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। रविवार को सुबह रानीपुर गांव के पास गोमती नदी में जाने वाले नाले में युवक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे। सत्यनाम दिल्ली में नौकरी करता था तथा रक्षाबंधन पर 29 अगस्त को घर पहुंचा था। उसके परिवार में पत्नी श्रीकांती, पुत्री सलोनी ( 18 ), पुत्र शिवा ( 11 ) व शिवांश ( 9 ) हैं। बताया जा रहा है कि पारिवारिक कलह के चलते घर से निकलने के बाद टीकाराम धाम के पास गोमती नदी में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की थी, लेकिन वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया था।

## मानसून की बेरुखी में मोटे अनाज पर जोर, बढ़ा किसानों का झुकाव

बलिया। अबकी बार मानसून की बेरुखी है। शुरुआत में बारिश कम हुई जबकि बाद के दिनों में बारिश होने से किसानों को राहत मिली। इस बीच कृषि विशेषज्ञों के सुझाव पर किसानों ने मोटे अनाज की खेती की। सरकार भी मिलेट्स की खेती को बढ़ावा दे रही है। जिले में ज्वार, बाजरा, टागुन, सावां आदि की खेती पारंपरिक रूप से होती रही है।

हालांकि धीरे-धीरे यह खेती जिले में नाममात्र की रह गई थी। लेकिन इस वर्ष एक बार फिर किसानों का झुकाव मोटे अनाज की खेती की ओर से हुआ है। इस वर्ष अबतक कुल 560.9 मिलीमीटर बारिश हुई है जो सामान्य बारिश 45 मिमी कम है। उधर, धान की खेती में किसानों ने कटौती नहीं की है। सरकार का मोटे अनाजों के उत्पादन व प्रयोग करने पर काफी जोर है। इसको लेकर कई फसलों की बीज भी किसानों को निशुल्क उपलब्ध कराई गई है। कृषि विभाग की ओर से भी मोटे अनाजों की बोआई को लेकर किसानों को प्रेरित करने का काम किया गया जिसका असर भी दिखा। जून के महीने में बारिश कम होने पर कृषि विशेषज्ञों की ओर से भी किसानों को मोटे अनाज की खेती करने का सुझाव दिया गया। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष खरीफ के मोटे अनाजों को लेकर किसानों का झुकाव भी हुआ।

किसानों का मानना है कि मोटे अनाजों के उत्पादन पर खर्च कम होता है और यह अनाज भी अन्य अनाजों की तरह ही अच्छे भाव देते हैं। इस वर्ष कृषि विभाग की ओर से भी खरीफ के मोटे अनाजों के आच्छादन लक्ष्य में बढ़ोतरी की गई थी। हालांकि किसानों ने इससे भी अधिक रकबे में खेती की है। इसी बीच रुक-रुक कर हो रही बारिश से इन फसलों को काफी लाभ पहुंचा है और अच्छा उत्पादन होने की उम्मीद है। भरौली गांव के किसान उदयनारायन राय, कोटवां नारायनपुर गांव के किसान चौधरी रामजी राय आदि ने बताया कि करीब दो दशक पहले तक खरीफ में 80 फीसदी खेतों में मोटे अनाज की खेती होती थी। लेकिन अब अधिकांश में धान व अन्य फसलों की खेती हो रही है। लेकिन इस वर्ष अधिकांश किसानों ने कोई न कोई मोटे अनाज की खेती की है। धान व गेहूं की खेती में लागत अधिक मुनाफा कम को देखते हुए किसानों का झुकाव एक बार मोटे अनाज की खेती की ओर होने लगा है।

## बीआरओ के खिलाफ आक्रोश, रं समाज के लोगों ने गुंजी से मनीला तक निकाला जुलूस

पिथौरागढ़। बीआरओ के 65 आरसीसी की ओसी लेफ्टिनेंट कर्नल पर रं समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करने, स्थानीय लोगों को कार्य से हटाने और नोटीफाइड इलाके में बाहरी मजदूरों को कार्य देने के विरोध में पांच गांवों के लोगों ने चीन सीमा पर स्थित गुंजी में जुलूस निकाला। व्यास घाटी में कार्यरत बीआरओ में स्थानीय मजदूरों की छंटनी के विरोध में हुए विवाद के बाद अब भी ग्रामीणों में रोष है। उन्होंने सीमा पर संवेदनशील अधिकारियों की तैनाती की मांग की है। हालांकि उच्च हिमालयी क्षेत्र में पहले भी विवाद के कई मामले उजागर हुए हैं। सामरिक दृष्टि से चीन सीमा काफी महत्वपूर्ण है। यहां के बाशिंदे सीमा के प्रहरी माने जाते हैं।

सीमा के गांवों में आधारभूत सुविधाएं जुटाने, स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध करा कर पलायन रोकने के लिए सरकार वाइब्रेंट विलेज के तहत कार्य कर रहीं हैं। पूर्व पालिकाध्यक्ष अशोक नबियाल का कहना है कि सीमांत क्षेत्र में ऐसे संवेदनशील अधिकारियों की तैनाती की जानी चाहिए जो कि स्थानीय जनभावनाओं का सम्मान कर सके। बीआरओ अधिकारी पर अभद्रता कर धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का आरोप लगा ग्रामीणों ने शनिवार को आदि कैलाश मार्ग पर नाबी और गुंजी के बीच क्रमिक अनशन किया था जबकि रं समुदाय के लोगों ने तहसील मुख्यालय जाकर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीमा क्षेत्र में अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच विवाद की नौबत नहीं आनी चाहिए।

*अभद्र टिप्पणी पर मुनस्यारी में भी आक्रोश*

मुनस्यारी। मुनस्यारी में भाजपा एसटी मोर्चा के प्रदेश मंत्री मनोहर दरियाल के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया कि चीन सीमा पर निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीआरओ के अधिकारी ने स्थानीय जनजाति समुदाय के धार्मिक परंपरा, अनुष्ठान पर अभद्र टिप्पणी कर अभद्रता की है। अधिकारी ने हमारी संस्कृति और सदियों पुरानी जनजाति परंपराओं, धार्मिक पूजा पद्धति का मजाक उड़ाया है जबकि चीन सीमा से होने वाले किसी भी दुस्साहस का जवाब देने के लिए रं समाज के लोग सीमावर्ती क्षेत्र में सीमा प्रहरी के रूप में खड़े रहते हैं। ग्रामीणों की हौसला अफजाई करने के बजाय एक अधिकारी ने हमारी संस्कृति और परंपरा पर कुठाराघात कर जनभावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने शासन, प्रशासन से अधिकारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

*विवाद सुलझाने को गुंजी पहुंचे बीआरओ अधिकारी*

चीन सीमा से लगे व्यास घाटी में शनिवार को ग्रामीण और बीआरओ के कमांडिग ऑफिसर ( ओसी ) के बीच हुए विवाद को सुलझाने के लिए उच्चाधिकारी गुंजी पहुंच गए हैं। बीते दिन बीआरओ में मजदूरों की छंटनी को लेकर सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों में रोष पनप गया था। ओसी पर ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल के साथ अभद्रता करने और धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए लोगों ने क्रमिक अनशन शुरू कर दिया था। उच्चाधिकारियों के क्षेत्र में आने की सूचना पर रविवार को ग्रामीणों ने क्रमिक अनशन नहीं किया। विवाद को सुलझाने और वार्ता के लिए बीआरओ के मुख्य अभियंता विमल गोस्वामी और कर्नल हरीश कोटनाला गुंजी पहुंच गए हैं। संभावना जताई जा रही है कि दोनों उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में विवाद सुलझा लिया जाएगा।

## सात किमी. दूर मिला गोमती में डूबे किशोर का शव

बाराबंकी। थाना क्षेत्र के रामापुर घाट पर गोमती नदी में डूबे किशोर का शव घटनास्थल से करीब सात किमी. दूर रविवार की सुबह बरामद हुआ। शव मिलने के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। असंद्रा क्षेत्र के जलालपुर गांव निवासी विनोद कुमार रावत का पुत्र रवि कुमार रावत ( 14 ) अपने साथी अमित कुमार के साथ शनिवार की शाम रामापुर घाट पर गोमती में नहाने गया था। डुबकी लगाने के काफी समय बाद भी रवि बाहर नहीं निकला तो अमित ने नदी से बाहर आकर ग्रामीणों को उसके डूबने की सूचना दी।

जानकारी मिलने पर पहुंचे तहसीलदार शशि कुमार त्रिपाठी व पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से उसकी तलाश शुरू की थी। रविवार की सुबह एसडीआरएफ की 15 सदस्यीय टीम दो मोटरबोट के साथ मौके पर पहुंची और तलाश शुरू की। घटनास्थल से करीब सात किमी. दूर पलौली घाट के पास किशोर का शव बरामद हुआ। किशोर के पिता विनोद कुमार खेती करते हैं। रवि कक्षा पांच का छात्र था। परिवार में मां के अलावा भाई अंकित ( 11 ) व बहन जुगुर्ती ( 5 ) हैं। स्कूल से आने के बाद वह नहाने गया था। एसडीएम/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सुमित आर महाजन ने बताया कि किशोर का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## बाइक और कपड़ा शोरूम में लगी आग, करोड़ों का नुकसान

औरैया। कस्बा के स्वास्तिक मोटर्स बाइक और कपड़ा शोरूम में रविवार सुबह नौ बजे के करीब अचानक से आग की लपटें उठने लगीं। जब तक लोग आग पर काबू पाते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फायर ब्रिगेड की औरैया, दिबियापुर, बिधूना से पहुंची टीम आग पर काबू पाने में जुटी रहीं। आग लगाने से ढाई करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान बताया जा रहा है। लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सहार निवासी संजीव अग्निहोत्री पुत्र रामनरेश अग्निहोत्री के भवन के ऊपरी हिस्से में बाइक व नीचे के हिस्से में कपड़े का शोरूम था। रविवार सुबह अचानक दोनों दुकानों में आग लग गई। धुआं निकलता देख गश्त कर रही पुलिस ने बाइक शोरूम मालिक को फोन से सूचना दी। शोरूम से धुआं व आग की लपटें निकलते देख आसपास के दुकानदारों में खलबली मच गई। देखते ही देखते आग भड़क उठी। शोरूम मालिक ने शार्ट सर्किट से आग लगने की आंशका जताई, शोरूम व कपड़े की दुकान में बिजली कनेक्शन न होकर सौर ऊर्जा आपूर्ति की फिटिंग पाई गई। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने में लगी रही। इस बीच फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी एक घंटे तक आग बुझाने में लगी रही। एक घंटे के बाद अन्य गाड़ियां पहुंचने के बाद युद्ध स्तर पर आग बुझाने का काम शुरू किया गया। जिसमें लगभग दो घंटे में फायर ब्रिगेड की आठ गाड़ियों से आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने से कपड़े की दुकान में करीब एक करोड़ का नुकसान बताया गया। वहीं बाइक शोरूम में 70 के करीब नए वाहन व सर्विस के लिए 8 बाइकें खड़ी थीं। जो फर्नीचर सहित जल गईं। इस बीच ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड के कार्मिकों का सहयोग कर बाइकों को बाहर निकलवाने में मदद की। मौके पर सहार, बेला, बिधूना, सहायल, दिबियापुर, ऐरवाकटरा आदि थाने का फोर्स मौजूद रहा। बिधूना सीओ अशोक कुमार, डीएम नेहा प्रकाश, पुलिस अधीक्षक चारु निगम, अपर पुलिस अधीक्षक दिगंबर कुशवाहा आदि अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की जांच पड़ताल की। एएसपी दिगंबर कुशवाहा ने बताया कि पीड़ितों की ओर से आग लगने की वजह शार्ट सर्किट से होना बताया गया है। पीड़ितों की ओर से शिकायती पत्र मिलने के बाद ही नुकसान का सही अनुमान लगाया जा सकेगा।

# संक्षिप्त समाचार

## इग्नू के पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मौका अब 10 सितंबर तक

बदायूं। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से सभी प्रकार के पाठ्यक्रमों की तिथि को बढ़ा दिया है। ऐसे में बीए, बीएससी समेत और कोर्स में 10 सितंबर तक प्रवेश ले सकते हैं। हालांकि विश्वविद्यालय की ओर से छह माह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की तिथि नहीं बढ़ाई है। शहर के राजकीय डिग्री कॉलेज में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का केंद्र है। केंद्र के समन्वयक डॉ. संजीव राठौर बताया कि जुलाई 2023 सत्र में पुन: पंजीकरण की अंतिम तिथि भी बढ़ाकर 10 सितंबर कर दी गई है। पहले यह तिथि 21 अगस्त थी। कोऑर्डिनेटर ने बताया कि इग्नू अध्ययन केंद्र पर उपलब्ध पाठ्यक्रमों में बीए, बीकॉम पाठ्यक्रमों सहित दो वर्षीय अवधि के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हिंदी, लोक प्रशासन, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, एम कॉम विषयों में व ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा जैसे पाठ्यक्रम भी उपलब्ध हैं। साथ ही एक वर्षीय अवधि के रोजगार परक स्नातकोत्तर डिप्लोमा भी चल रहे हैं। प्राचार्य डॉ. श्रद्धा गुप्ता ने बताया कि छह माह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों है। उनकी तिथि विश्वविद्यालय स्तर से नहीं बढ़ाई है।

## शिक्षामित्रों ने जनप्रतिनिधियों को दिए ज्ञापन

बदायूं। उप्र प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ की प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर %%संवाद से समाधान%% कार्यक्रम के तहत जिले में पैदल मार्च निकाला गया। जिलाध्यक्ष अमित शर्मा के नेतृत्व में जिले के शिक्षामित्रों ने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सांसद संघमित्रा मौर्य को दिया। ज्ञापन में कहा कि प्रधानमंत्री बनारस की धरती पर शिक्षामित्र से किए गए वादे को भूल गए। उसके बाद में शिक्षामित्र पूर्व विधायक प्रेम स्वरूप पाठक के आवास पहुंचे और सभी शिक्षामित्रों ने उनसे अपनी पीड़ा व्यक्त की। ऐसे में उन्होंने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को कॉल करके शिक्षामित्रों की समस्याओं का समाधान करने की पैरवी की। वहीं शिक्षामित्र भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव गुप्ता को ज्ञापन दिया। सत्येंद्र उपाध्याय, धर्मपाल सिंह राजपूत, रईस अहमद, श्याम, शमीम हुसैन कादरी, अनिल यादव, रक्षपाल कश्यप, मुकेश बाबू आदि मौजूद रहे।

## सैजनी में दिसंबर तक बनकर तैयार होगी पीएसी महिला बटालियन

बदायूं। तहसील दातागंज के गांव सैजनी में 90 करोड़ रुपये की लागत से करीब 19 एकड़ जमीन पर महिला पीएसी बटालियन दो भागों में बनाई जा रही है। एक तरफ कार्यालय, ट्रेनिंग सेंटर का काम तेजी से चल रहा है तो दूसरी ओर आवासीय भवन भी बनाया जा रहा है। एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक, क्वार्टर गार्ड, दो मंजिला हॉल, ट्रेनिंग के लिए टीन शेड, परेड ग्राउंड, बैंक-एटीएम, पुलिस अस्पताल, महिला बैरक आदि को बनाया जा रहा है। परेड ग्राउंड से पूरा काम दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। वहीं आवासीय कॉलोनी का काम धीमी गति से चल रहा है। शिवांश इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के डिप्टी जनरल मैनेजर संजीव अरोड़ा ने बताया कि सैजनी में महिला पीएसी बटालियन के लिए भवन निर्माण का काम चल रहा है। काम दिसंबर तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद तीन माह का समय हैंडओवर के लिए मिलेगा, जिसमें पूर्ण किए गए काम को हैंडओवर करना होगा।

## योग में अंबिका सिंह, मेहंदी में एकता रानी रहीं अव्वल

बदायूं। लिसनिंग मैक्स और जिला योग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में हरबिलास गोयल इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित शिक्षक उत्सव कार्यक्रम में जिलेभर के विद्यालयों की शिक्षिकाओं ने प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया। योग में अंबिका सिंह और मेहंदी सजाने में एकता रानी ने पहला स्थान पाया। पहले लिसनिंग मैक्स के अध्यक्ष राजन मेंदीरत्ता ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाया। शिक्षिकाओं की जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने कई प्रकार के आसन के जरिये सेहत दुरुस्त रखने के नुस्खे गिनाए। प्राथमिक विद्यालय रापुर जगत की अंबिका सिंह प्रथम, नगर पालिका अशर्फी देवी कन्या इंटर कॉलेज की एकता रानी द्वितीय रहीं। वॉक रेस में एचपी इंटरनेशनल स्कूल बदायूं की अंजू सक्सेना प्रथम और अंबिका सिंह द्वितीय, थ्रो बॉल में भी अंजू को प्रथम स्थान मिला। मेहंदी में एकता रानी, गायन में मिताशी देशपांडे और लिसनिंग पर स्पीच में जूनियर हाईस्कूल म्याऊं की शिक्षिका कमलेश अव्वल रहीं। समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। जिलाध्यक्ष मेंदीरत्ता ने कहा कि योग करने से पहले स्थिति, विधि, समय, श्वांस और विचार का ध्यान रखना आवश्यक है। इस दौरान कंचन सक्सेना, सुरेंद्र सिंह, इकबाल अहमद, मनोज यादव, ब्रजेश यादव, किरन सिंह, शांति देवी, मनाली, अदिति, नेहा, साक्षी आदि मौजूद रहीं।

## जिला बार के मतदान में नहीं रख सकेंगे मोबाइल, प्रत्याशी भी नहीं रहेंगे

बागपत। जिला बार एसोएिसशन के चुनाव के लिए पांच सितंबर को चौधरी चरण सिंह सभागार में मतदान होगा। मतदान स्थल पर कोई मोबाइल नहीं लेकर जा सकेगा। वहीं प्रत्याशी भी वहां नहीं रह सकेंगे। वह एल्डर्स कमेटी की सहमति पर अपना एक एजेंट नियुक्त कर सकते हैं। प्रत्याशी के एजेंट को केवल मतदाता की पहचान करने की अनुमति रहेगी। एल्डर्स कमेटी के चेयरमैन एडवोकेट नरेंद्र पाल शर्मा ने बताया कि चुनाव को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। पांच सितंबर को होने वाले चुनाव में कमेटी के सदस्य आदीश कुमार जैन, रामपाल सिंह नेहरा, योगेंद्र पाल सांगवान मतदान कराएंगे। मतदान में राजेंद्र सिंह तोमर, नरेश मलिक, वीर सिंह श्योराण, अजय शंकर शर्मा, अंकुर स्वामी सहायक निर्वाच के रूप में कमेटी के सदस्यों का सहयोग करेंगे। चुनाव में मतदाता को मतपत्र प्राप्त करने से पूर्व अपने हस्ताक्षर करने होंगे और यूपी बार काउंसिल की ओर से जारी सीओपी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। मतदान कक्ष में मोबाइल फोन प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर मतदाता के खिलाफ अधिवक्ता अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। मतदान के बाद छह सितंबर को मतगणना के बाद कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी।

## कलश यात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

बागपत। कस्बे में रेलवे रोड स्थित सदाशिव शक्ति मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्म लाभ उठाया। कलश यात्रा रविवार सुबह मंदिर से विधिवत पूजा के साथ शुरू हुई। बैंड बाजों के साथ निकली कलश यात्रा रेलवे रोड, पाठशाला रोड, तांगा स्टैंड, पांडव चौक, यादव चौक, मोहल्ला विजयनगर से होते हुए वापस मंदिर में पहुंचकर संपन्न हुई। पंडित हेमंत व्यास ने मंदिर में कथा स्थल पर मंत्रोच्चार के बीच कलशों की स्थापना कराई। कथावाचक आचार्य सुशील रतूड़ी ने श्रीमद् भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का प्रसंग सुनाया। श्रद्धालु प्रसंग सुनकर भाव विभोर होकर भगवान श्रीकृष्ण की जयजयकार कर झूम उठे। कथा में संदीप धामा, बिट्टू, विपिन, मोहित आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

## एक्सप्रेस वे पर टेंपो पलटने से 12 से ज्यादा श्रद्धालु घायल, मची चीख-पुकार

बागपत। बागपत जनपद में रविवार सुबह बड़ा हादसा हुआ। यहां रटौल थानाक्षेत्र में मुरादाबाद से राजस्थान के बागड़ में जाहवीर जा रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो टायर फटने से पलट गया। हादसे में 12 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हुए हैं। बागपत जनपद के रटौल थानाक्षेत्र में मुरादाबाद से राजस्थान के बागड़ में जाहवीर जा रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो टायर फटने से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस वे पर पलट गया। जिससे उसमें सवार करीब 12 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए। उन सभी घायलों को एक्सप्रेस वे कर्मियों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। मुरादाबाद के टेंपो चालक सुभाष उर्फ बब्लू ने बताया की वह मुरादाबाद से ही श्रद्धालुओं को लेकर बागड़ राजस्थान जा रहा था। जब वह ईपीई पर लहचौडा के समीप पहुंचा तो उसके टेंपो का टायर फट गया। जिससे टेंपो अनियंत्रित होकर पलट गया और उसमें सवार 12 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हो गए। हादसा होते ही श्रद्धालुओं में चीख-पुकार मच गई तो लहचौड़ा के ग्रामीण वहां पहुंच गए।

## खुले आसमान के नीचे पेट भरने की जुगत

बलिया। चार रिहायशी मकान रविवार को सरयू में विलीन होने के बाद टाड़ी के कटान पीड़ितों की महिलाएं नदी के किनारे खुले आसमान के नीचे आंखों में आंसू लिए चूल्हे पर खाना पका रही थीं। खाना पका रही चिन्ता देवी पत्नी संजय यादव, रेखा देवी पत्नी उपेन्द्र यादव आदि महिलाओं ने कहा कि सरयू ने हमसे सबकुछ छीन लिया। भूख मिटाने के लिए कुछ न कुछ बनाना पड़ेगा। ऐसे में जब सिर पर छप्पर नहीं है तो हम खुले आसमान के नीचे खाना बनाने को मजबूर हैं।वहीं, भूख से छटपटा रहे छोटे-छोटे बच्चे खुले आसमान के नीचे तख्ते पर बैठकर रोटी खाते नजर आए। इन्हें क्या मालूम कि हमारे परिजन किस परेशानियों से गुजर रहे हैं।

## घटौली में दस नलकूपों से लाखों का सामान चोरी

बागपत। यहां अधिकतर गांवों में तेंदुए की दहशत के कारण किसान रात में खेतों पर नहीं जा रहे हैं। वहीं इसका फायदा चोर उठा रहे हैं और नलकूपों को निशाना बनाकर उनमें चोरी कर रहे हैं। घटौली में शनिवार रात चोरों ने दस नलकूपों से लाखों का सामान चोरी कर लिया। किसानों ने चोरी का पता चलने पर थाने में शिकायत की। बालैनी क्षेत्र के गांवों में पिछले एक सप्ताह से लगातार तेंदुए को देखे जाने की बात ग्रामीण कर रहे हैं। तेंदुए की दहशत के कारण शाम होने के बाद लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं और किसान रात को अपने खेतों में सिंचाई करने नहीं जा रहे हैं। चोर इस बात का फायदा उठाकर लगातार चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यहां शनिवार रात घटौली गांव के जंगल में चोरों ने किसान राकेश, लोकेश, बाली, जयराज, बिजेंद्र, एजाज, औसाफ, अनुज, सोराज और सत्ते के नलकूपों का ताला तोड़कर लाखों का सामान चोरी कर लिया। इनमें स्टार्टर, केबल व अन्य सामान शामिल है। इस तरह से किसानों की परेशानी बढ़ गई है और जहां तेंदुए की दहशत के कारण फसलों में सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। वहीं नलकूपों में चोरी होनी शुरू हो गई है। बालैनी थाना प्रभारी प्रदीप ढौंडियाल का कहना है कि चोरों का जल्द पता लगाकर घटनाओं का खुलाया किया जाएगा।

## मैनुअल की जगह अब सामान की होगी ऑनलाइन बुकिंग, बढ़ेगी आमदनी

बलिया। रेलवे स्टेशन पर पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम ( पीएमएस ) की सुविधा शुरू होने वाली है। मैनुअल की जगह अब सामान की ऑनलाइन बुकिंग होगी। सामान बुक कराने के बाद बंडल या पैकेट से चोरी होने, दूसरे स्टेशनों पर उतारने सहित अन्य समस्याएं खत्म हो जाएगी और व्यवस्था पारदर्शी होगी। उपभोक्ता को घर बैठे मोबाइल से पार्सल किस ट्रेन में लोड हुआ और कहां तक पहुंचा इसकी अपडेट जानकारी मिलती रहेगी।

स्टेशन पर सामान पहुंचने पर एसएमएस द्वारा सूचना मिलेगी। समय से सुरक्षित सामान उपभोक्ता को मिलेगा। इलेक्ट्रानिक कांटा से जुड़े होने के कारण कर्मचारियों द्वारा की जाने वाली चोरी रुकने से रेलवे की भी आय में इजाफा होगा। लखनऊ, गोरखपुर, छपरा के बाद बलिया स्टेशन पर सुविधा शुरू होने से व्यापारियों में खुशी व्याप्त हैं। रेलवे स्टेशन के पार्सल कार्यालय में पीएमएस सिस्टम के लिए दो कम्प्यूटर, मॉनिटर, प्रिंटर लग चुका है। कर्मचारियों की ट्रेनिंग हो चुकी है। स्टेशन भवन के जीर्णोद्धार के कारण इंटरनेट कनेक्शन की वायरिंग बाकी है, जो जल्द पूरी हो जाएगी। रेल अधिकारियों की मानें तो अक्टूबर तक यह सिस्टम पूरी तरह कार्य करने लगेगा।

सामान बुकिंग कराने वालों को मिलेगा लाभ

पार्सल में पीएमएस व्यवस्था लागू हो जाने से रेल उपभोक्ता को सुरक्षित और समय से सामान पहुंचने की जानकारी एसएमएस से मिल जाएगी। अभी बुक मोटरसाइकिल व साइकिल छह घंटे बाद छुड़ाने पर प्रति घंटे दस रुपये तथा दस घंटे बाद अन्य सामान छुड़ाने पर प्रति घंटा प्रति क्विंटल दो रुपये जुर्माना देना पड़ता है। दूसरी ट्रेनों में चढ़ाने के कारण पार्सल को गंतव्य तक पहुंचने में महीनों लग जाते हैं। कर्मचारियों की गलती के कारण कुछ पार्सल स्टेशन या ट्रेन में ही पड़े रह जाते हैं। अब पीएमएस सिस्टम से सामान की ट्रैकिंग होगी। स्कैनर व इलेतक्ट्रानिक कांटा से वजन होने के कारण बंडल से सामान चोरी पर नकेल लगने से उपभोक्ताओं को काफी राहत मिलेगी। रेलवे के माध्यम से पार्सल भेजने की प्रक्रिया को आसान एवं फ्रेंडली बनाने के लिए पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम पर कार्य किया जा रहा है। बुकिंग के बाद मोबाइल से सामन की ट्रैकिंग की सुविधा मिलेगी। इस नई व्यवस्था में पार्सल भेजना और मंगाना आसान और पारदर्शी हो जाएगा। - अशोक कुमार, जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी

## हाईवे पर घायल पशु को देखने गए युवकों को बेकाबू कार ने रौंदा

भदोही। वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर भदोही जिले के सूफीनगर के समीप अनियंत्रित कार की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक की हालत गंभीर है। वाराणसी-प्रयागराज हाईवे पर भदोही जिले के सूफीनगर के समीप बेकाबू कार ने तीन युवकों को रौंद दिया। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। एक युवक अस्पताल में मौत से जंग लड़ रहा है। हादसा बीती रात तब हुआ जब तीनों युवक एक वाहन की टक्कर से घायल पशु को देखने के लिए हाईवे के डिवाइडर के पास गए थे। दोनों मृतक प्रयागराज के निवासी थे। पुलिस ने कार को कब्जे में लिया है। हादसे की सूचना के बाद से पीड़ित परिवार में कोहराम मचा है। सूफीनगर के पास शनिवार रात नौ बजे एक अज्ञात वाहन पशु को टक्कर मारते हुए फरार हो गया। टक्कर से पशु घायल होकर तड़पने लगा। पास के ही होटल में काम करने वाले अशोक दूबे ( 32 ) और कृष्ण कुमार बिंद ( 29 ) निवासी पूरे भनई हंडिया प्रयागराज पशु के देखने पहुंचे। उनके साथ गोपाल सरोज निवासी कठौता भी चला गया।तीनों डिवाइडर के समीप खड़े थे। इसी दौरान प्रयागराज की तरफ से आ रही बेकाबू कार ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

## बंदियों की शिफ्टिंग से बदला जेल का माहौल जेल प्रशासन सतर्क, कड़ी की गई सुरक्षा व्यवस्था

बदायूं। जेल की सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने की आशंका से पड़ोसी जिलों से 12 खूंखार बंदी बदायूं शिफ्ट किए गए तो जेल का माहौल संवेदनशील हो गया। एहतियातन बदायूं जेल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। यह बंदी मुरादाबाद, शामली, मुजफ्फरनगर, फर्रुखाबाद, मेरठ, बरेली और कासगंज के रहने वाले हैं।

यह बंदी जिन जेलों में कैद रहे थे। वहां लगातार जेल प्रशासन के लिए मुसीबत खड़ी कर रहे थे या फिर लगातार आपस में विवाद कर रहे थे। इससे उन्हें एक-एक करके बदायूं जेल में शिफ्ट कर दिया गया। वैसे प्रशासनिक आधार पर भेजे गए बंदियों की संख्या 13 थी लेकिन शनिवार को बरेली के एक बंदी की जमानत हो गई। बताया जा रहा है कि इनमें मुरादाबाद से आए बंदी पर पांच मुकदमे दर्ज हैं। उनमें एक मुकदमे में उसको सजा भी हो चुकी है। दो बंदी शामली जिले से आए हैं। उनमें एक हनी नाम का बंदी ज्यादा खतरनाक बताया जा रहा है। तो वहीं मुजफ्फरनगर से आया बंदी सचिन अपने जिले में कुख्यात माना जाता है। उनके अलावा फर्रुखाबाद से तीन, बरेली से तीन और कासगंज से एक बंदी भेजा गया है। इन बंदियों के खिलाफ भी कई मुकदमे दर्ज हैं लेकिन मुजफ्फरनगर और शामली के बंदियों से ज्यादा खतरनाक नहीं है। इन बंदियों पर दर्ज मुकदमे और पिछली जेलों के चाल-चलन को देखते हुए बदायूं जेल में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इन्हें अलग बैरक में रखा जा रहा है।

मेरठ के दो भाइयों पर दर्ज हैं 150-150 मुकदमे

- बदायूं जेल में मेरठ के दो सगे भाई भी बंद हैं। मेरठ निवासी विशाल और ललित पर करीब 150-150 मुकदमे दर्ज थे। उनमें अधिकतर मुकदमों में निर्णय हो चुका है लेकिन अभी भी 75-75 मुकदमे ट्रायल पर चल रहे हैं। बताया जा रहा है कि सपा शासन काल में दोनों भाइयों ने बाइक वोट घोटाला किया था। उनके खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में मध्यप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली समेत कई जिलों में मामले दर्ज हुए थे।

- बदायूं जेल में प्रशासनिक आधार पर 13 बंदियों को भेजा गया था। उनमें एक बंदी की जमानत हो चुकी है। अब केवल 12 बंदी बचे हैं। उन पर लगातार नजर रखी जा रही है। सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत है। - डॉ. विनय कुमार, जेल अधीक्षक

## नदी में समा गए 45 आशियाने, 60 धराशायी होने के कगार पर

बलिया। गोपालनगर टाड़ी बस्ती में सरयू नदी का तांडव थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को शिवजी यादव, बच्चालाल यादव, काशी यादव और केदार यादव का पूरा मकान नदी की धारा में समा गया। किशुनी यादव सहित कई लोगों के मकान का कुछ हिस्सा नदी की मुख्यधारा में गिर गया। इस वर्ष अब तक 35 परिवारों के पक्के मकान व नौ परिवारों की झोपड़ी युक्त मकान सहित कुल 45 परिवारों का मकान नदी में विलीन हो चुका है। फिलहाल इस बस्ती में 60 परिवारों का मकान सरयू नदी में कभी भी विलीन होने के कगार पर है। कटान पीड़ित कटान स्थल से निकल कर सुरक्षित ठौर ढूंढ रहे हैं। गोपालनगर टाड़ी बस्ती 170 परिवारों की थी। इस बस्ती से 500 मीटर की दूरी पर एक निजी कम्पनी के टावर के पास 105 परिवारों का एक और बस्ती है। इस तरह से टाड़ी के दोनों बस्ती को मिलाकर 275 परिवार निवास करते थे। पिछले वर्ष टाड़ी बस्ती के 65 परिवारों का रिहायशी मकान सरयू नदी में विलीन हो गया था। वे लोग रामबालक बाबा आश्रम के पीछे टीएस बंधे पर शरण लिए हुए हैं। बस्ती से 500 मीटर की दूरी पर एक निजी कम्पनी के टावर के पास 105 परिवार निवास करते हैं। इन परिवारों की भी सांस अटकी हुई है। कटान पीड़ितों का कहना है कि जिस तरफ का कटान हो रहा है वह दिन दूर नहीं जब हम लोगों का भी मकान सरयू नदी में विलीन हो जाना है। क्षेत्रीय लेखपाल राजू यादव ने बताया कि इस सप्ताह में सिर्फ शुक्रवार को छोड़कर सरयू नदी की लहरें हर दिन मकानों पर कहर बरपा रही है। शनिवार को दो लोगों का मकान और रविवार को चार लोगों का रिहायशी मकान नदी में समा गया। लेखपाल ने बताया कि कुल 63 लोगों को राशन किट व त्रिपाल वितरण हुआ है। सात लोगों को आवासीय पट्टा दिया गया है।

## रिश्तों का कत्ल-झूठी शान की खातिर 18 साल हत्या के लिए इंतजार करता रहा मामा, पहले जीजा-बहन फिर भांजे को दी मौत

बागपत। उत्तर प्रदेश के बड़ौत में मलकपुर गांव के अमन की हत्या किसी और ने नहीं बल्कि उसके ही मामा ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर की थी। झूठी शान की खातिर भांजे की हत्या के लिए मामा ने 18 साल लंबा इंतजार किया और आखिरकार व अपने खौफनाक मंसूबों में कामयाब भी हो गया। बड़ौत के मलकपुर गांव का अमन भी झूठी शान के भेंट चढ गया। उसके ही मामा ने अमन को मारने के लिए 18 साल तक लंबा इंतजार किया और जैसे ही उसे मौका मिला, उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर अपने भांजे को अपने ही हाथों मौत के घाट उतार दिया, क्योंकि आरोपी अमित के सिर पर झूठी शान का बोझ था।

दरअसल, वर्ष 2004 में मृतक अमन का पिता निरमेश परिवार की मर्जी के खिलाफ अमित की बहन को अपने साथ मलकपुर ले आया था और दोनों ने शादी कर ली थी, तभी से अमित के सिर पर खून सवार था। हत्यारोपी अमित व मृतक अमन का पिता निरमेश काफी अच्छे दोस्त थे। दोनों का एक-दूसरे के घर पर आना-जाना था। इस दौरान निरमेश को अमित की बहन से प्रेम प्रसंग हो गया और अमित की बहन भी निरमेश को पसंद करने लगी थी।

इस बात का जब अमित को पता चला, तो उसने निरमेश के साथ मारपीट की और दोस्ती तोड़ दी थी। जिसके बाद निरमेश अमित की बहन को परिवार की मर्जी के खिलाफ मलकपुर गांव ले आया था और उसके साथ शादी रचा ली थी। शादी के बाद बेटा अमन पैदा हुआ। घर में खुशी का माहौल था, लेकिन अमित के सिर पर खून सवार था, उसने पहले निरमेश का अपहरण किया और बड़ौत में आवास विकास कालोनी में लाकर उसकी हत्या कर दी थी। उसके कुछ दिनों बाद अमित ने अपने बहन को भी गायब कर दिया था, जिसका आज तक पता नहीं चल सका। तब अमन मात्र दो साल का था। उसके बाद भी अमित के सिर पर झूठी शान का बोझ था और वह अमन की भी हत्या करना चाहता था, लेकिन उसे मौका नहीं मिला। इस दौरान अमित ने कई और भी अपराधिक घटनाएं की, जिसमें वह कई बार जेल भी गया।

जमानत पर बाहर आने के बाद अमन पर रखता था नजर

विभिन्न मामलों में सजा काट रहा अमित जब भी कोर्ट से जमानत लेकर बाहर आता, वह अमन पर नजर रखता, लेकिन उसे कभी अमन की हत्या करने का मौका नहीं मिला। 18 साल लंबे इंतजार के बाद अमित ने आखिरकार मौका ढूंढ लिया और उसने अपने दोस्तों के साथ अमन को मौत के घाट उतार दिया। अमन को भी पिता और मां की हत्या का कारण पता चल गया था और अमन भी मामा की जान का दुश्मन बन गया था। अमन अमित को मारता, इससे पहले ही अमित ने योजना बनाकर अमन को मौत के घाट उतार दिया।

नहीं मिला अमन का शव, तलाश जारी

अमन की हत्या कर शव को यमुना नदीं में फेंक दिया गया था। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से यमुना में अमन के शव की तलाश की, लेकिन शव नहीं मिल सका। अमित को अपने भांजे से खतरा पैदा हो गया था। अमन मामा के खिलाफ कुछ करता, इससे पहले ही अमित ने अपने भांजे की हत्या की साजिश रच दी और कई ऐसे युवकों को शामिल किया, जो उसके भी दोस्त थे और अमन के भी।

योजना के तहत अमित ने अमन की हत्या कर दी। फिलहाल अमित ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया -सविरत्न गौतम सीओ बड़ौत।

## मां-बाप का झगड़ा...दो बेटियों ने दी जान-आखिरी सांस तक था गुस्सा, इलाज न करवाने पर अड़ी, ये अरमान रह गया अधूरा

बरेली। पीलीभीत से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां दो बेटियों ने सिर्फ इसलिए मौत को गले लगा लिया, क्योंकि उनकी मां और पिता के बीच विवाद रहता था। आखिरी सांस तक दोनों का गुस्सा कायम रहा। वे इलाज कराने तक के लिए तैयार नहीं थीं। दोनों ने साथ-साथ जहर खाया और साथ में ही दम तोड़ दिया।

पीलीभीत के पूरनपुर में सभासद आसिम की बेटियां कशिश और मुन्नी मां-बाप के आए दिन के झगड़े से इस कदर आहत हो गई थीं कि उन्होंने जीने की ख्वाहिश ही छोड़ दी। रविवार को दोनों ने जहर खा लिया, जिससे दोनों की मौत हो गई। आखिरी सांस तक दोनों का गुस्सा कायम रहा। वे इलाज कराने तक के लिए तैयार नहीं थीं। दोनों ने साथ-साथ जहर खाया और साथ में ही दम तोड़ दिया। दोनों होनहार बहनों की मौत से मोहल्ले के लोग सकते में हैं। कशिश और मुन्नी के माता-पिता में कई दिनों झगड़ा हो रहा था। दरअसल, आसिम की पत्नी सिम्मी को शक था कि आसिम छिप कर अपने भतीजों की आर्थिक मदद करते हैं। इसी को लेकर दोनों के बीच आए दिन झगड़ा होता था। कशिश और मुन्नी इसे लेकर मानसिक रूप से परेशान थीं, लेकिन घर में कोई भी इसे समझने को तैयार नहीं था। मोहल्ले के लोगों के मुताबिक दोनों साथ बैठकर चर्चा करती थीं कि आखिर कब उनके माता-पिता का झगड़ा खत्म होगा। रविवार को तो पति-पत्नी में विवाद इतना बढ़ गया कि सिम्मी मायके जाने की तैयारी करने लगीं। इसके बाद गुस्से में आईं दोनों बेटियों ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने की ठान ली।

दोनों ने दोपहर करीब 12.30 बजे एक साथ जहर खा लिया। पहले कशिश की हालत खराब होने पर उसे सीएचसी लाया गया। कुछ ही देर में छोटी बहन मुन्नी की भी हालत खराब होने लगी। दोनों इस कदर गुस्से में थी कि सीएचसी में इलाज तक नहीं करा रहीं थीं। सीएचसी के डॉ. सौरभ गंगवार की मानें तो उन्होंने दोनों को उल्टियां कराने का प्रयास किया लेकिन वे दवा लेने के लिए तैयार नहीं थी। डॉक्टर ने बताया कि दोनों बहनें जब अस्पताल लाई गईं तब तक उनकी हालत बहुत गंभीर हो चुकी थी। वे इलाज में सहयोग भी नहीं कर रही थीं।

कोटा भेजने का अरमान रह गया अधूरा

आसिम रजा की दोनों पुत्रियां पढ़ने में होशियार थीं। दोनों में अच्छे नंबर लाने की होड़ रहती थी। आसिम रजा ने बताया कि दोनों पुत्रियों के मेधावी होने के चलते उनको पढ़ाई के लिए कोटा भेजने की सोच रहे थे। मगर दोनों की मौत ने उनके अरमानों पर पानी फेर दिया।

पोस्टमार्टम को लेकर रात तक चलती रही जद्दोजहद

दोनों बेटियों की मौत के बाद आसिम रजा व उनका परिवार पूरी तरह से टूट गया। बेटियों की मौत के बाद परिवार वाले शवों का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाहते। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम कराना चाह रही थी। देर शाम तक इसको लेकर परिजन की पुलिस अधिकारियों से बातचीत चल रही थी। रात करीब पौने नौ बजे पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम को भेजे।

## खेत में घास काट रही महिला को लगी गोली, गंभीर

बलिया। मक्के के खेत में घास काट रही 80 वर्षीय महिला के हाथ में गोली लग गई। आसपास के लोगों ने घायल महिला का उपचार के लिए स्थानीय सीएचसी सोनबरसा पहुंचाया, वहां प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में सर्जन डॉ. अनिल सिंह ने जांच के बाद हालत गंभीर देख इलाज के लिए वाराणसी रेफर कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल पर जांच-पड़ताल कर मामले की जानकारी कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। थाना क्षेत्र के हेमन्तपुर गांव निवासी फुलझड़ियां देवी मजदूरी का काम करती है। शनिवार को मौजा करमानपुर में मक्के के खेत से घास काट रही थी। उसी दौरान किसी ने खेतों में पड़ी नील गाय को भगाने के लिए फायर झोंका। खेत में काम कर रही फुलझड़ियां देवी के हाथ को पार करती हुई गोली बाएं पैर के जंघे में लग गई। महिला के चिल्लाने की आवाज सुन आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान व मजदूर जुट गए। उन्होंने इलाज के लिए महिला को सोनबरसा पहुंचाया। थाना प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

## राजस्थान में विस्तार करेगा रालोद, हरियाणा पर भी नजर

बागपत। रालोद ने अब यूपी से बाहर अपने कदम मजबूत करने शुरू कर दिए हैं और यही कारण है कि इस बार राजस्थान विधानसभा के चुनाव में रालोद ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। राजस्थान के साथ ही रालोद की हरियाणा पर भी नजर टिकी हुई है। इसका बड़ा कारण इंडिया में रालोद को तरजीह मिलना माना जा रहा है। यूपी में जहां रालोद के एनडीए के साथ जाने की चर्चाएं चल रही थीं। उन चर्चाओं को रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने इंडिया के साथ रहने की अपनी मंशा को साफ करते हुए खत्म कर दिया है। अब केवल यूपी में लोकसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारा होना बाकी है, लेकिन उससे पहले राजस्थान चुनाव पर रालोद की नजर है। जहां वर्ष 2013 के चुनाव में रालोद ने भरतपुर और मालपुरा में प्रत्याशी उतारे थे और भरतपुर में जीत मिली थी तो मालपुरा में काफी अच्छे वोट मिले थे। इस बार वहां आठ से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है। इसके बाद राजस्थान में इस बार लोकसभा सीट पर भी रालोद की दावेदारी अभी से शुरू हो गई है। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी खुद कहते हैं कि इस बार राजस्थान में ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ा जाएगा। वहीं लोकसभा चुनाव के ठीक बाद हरियाणा में चुनाव होने हैं तो वहां भी यूपी से लगे जिलों पर रालोद की नजर है। इस बार हरियाणा में भी कांग्रेस के साथ मिलकर दो सीटों पर प्रत्याशी उतारे जा सकते हैं। रालोद की इसलिए ही दोनों जगह सक्रियता बढ़ती जा रही है। इंडिया गठबंधन में जहां अभी तक रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को काफी तरजीह मिल रही थी। वहीं अब रालोद के कई पदाधिकारियों को इंडिया में कई जिम्मेदारियां मिली हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शाहिद सिद्दीकी को कैंपेन कमेटी में शामिल किया गया है। इनके अलावा रालोद प्रवक्ता रोहित जाखड़ को सोशल मीडिया वर्किंग कमेटी और एससी-एसटी प्रकोष्ठ के पूर्व अध्यक्ष प्रशांत कन्नौजिया को मीडिया की वर्किंग कमेटी में रखा गया है। इसको देखते हुए माना जा रहा है कि इंडिया में रालोद अहम भूमिका में रहेगा।

## बंदिशों ने खत्म की कहानी...मौत ने मिलाया-प्रेमिका की मौत से गमजदा प्रेमी ने भी की खुदकुशी

औरैया। सीओ भरत पासवान ने बताया दोनों की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट हो सकेगा। अभी तक किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। औरैया जिले में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के अमावता में रविवार सुबह एक युवती ने दूसरी जगह शादी तय होने पर घर में दुपट्टे से फंदा लगाकर जान दे दी। इसकी जानकारी होने पर प्रेमी ने भी गांव के बाहर नहर के किनारे आम के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के अमावता निवासी महावीर की बेटी अंजू ( 19 ) गांव के ही जन सहयोगी इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की थी। पिता महावीर ने पुलिस को बताया कि उसके दो पुत्र प्रदीप व आदेश बाहर नौकरी करते हैं। वह घर पर पत्नी कुसमा व बेटी अंजू के साथ रहते थे।

रविवार सुबह आठ बजे पत्नी खेतों पर काम करने चली गई। इसके बाद वह भी मनरेगा में मजदूरी करने के लिए निकल गए। 11 बजे के करीब बेटी की सहेलियां अंजू को घर बुलाने पहुंचीं, तो उन्होंने बेटी को कमरे में पंखे पर फंदे से लटकता देखा। इस पर वह चीखने लगीं। चीख पुकार सुनकर पड़ोसी भी मौके पर पहुंच गए।

आम के पेड़ पर लटका था शव

जानकारी पर माता पिता भी घर पहुंचे और लोगों की मदद से शव को फंदे से नीचे उतारा। सूत्रों के अनुसार शनिवार को अंजू के बहनोई दूसरी जगह उसका रिश्ता तय करने को लेकर घर आए थे। यह बात अंजू को नगवार गुजरी। पशुपालकों ने नहर के पास खेत में आम के पेड़ पर गांव निवासी कन्हैया ( 20 ) का शव फंदे पर लटकता देखा।

10वीं पास करने के बाद छोड़ दी थी पढ़ाई

इस पर ग्रामीणों ने कन्हैया के भाई रामकेवल, घनश्याम को सूचना दी। सूचना पर बहन कीर्ति व मां शकुंतला रोती-बिलखती हुई पहुंच गईं। पुलिस ने युवक का शव फंदे से उतरवाया। मृतक की मां शकुंतला ने बताया कि कन्हैया ने गांव के जन सहयोगी इंटर कॉलेज से 10वीं पास करने के बाद से पढ़ाई छोड़ दी थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट हो सकेगा कारण

भाई वीरू ने पुलिस को बताया कि उसके भाई का गांव की युवती से प्रेम प्रसंग था। सुबह युवती के फांसी लगाने की जानकारी मिलने से क्षुब्द होकर भाई ने भी आत्महत्या कर ली है। सीओ भरत पासवान ने बताया दोनों की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट हो सकेगा। अभी तक किसी भी पक्ष से तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर व पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बंदिशों ने मिटा दी प्रेमी युगल की हस्ती

अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के अमावता में प्रेमिका के आत्महत्या करने के बाद प्रेमी के भी जिंदगी को अलविदा कह दिया। इसके बाद से दोनों के घरों में कोहराम मचा रहा है। देर शाम को दोनों के शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे। दोनों के परिजनों ने एक ही घाट पर दोनों के शवों का अंतिम संस्कार किया। चिताओं से उठती आग देख हर एक आंख आंसू से छलक आई।

एक ही घाट पर लगी दोनों की अर्थी

देर शाम को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव गांव पहुंचने पर कोहराम मच गया। देर शाम पहले अंजू के परिजन उसकी अर्थी लेकर सिकरोड़ी घाट के लिए निकले। इसके पीछे कन्हैया की अर्थी उठाई गई। दोनों की अर्थी आगे पीछे उठती देख हर एक भावुक दिखा। सिकरोड़ी घाट पर पुलिस की मौजूदगी में दोनों की अर्थियां कुछ दूरी पर लगाई गईं।

दूसरी जगह शादी तय कराया जाना बना मौत का कारण

सूत्रों के अनुसार अंजू के परिजन उसकी शादी कहीं और करना चाहते थे। रिश्ता तय करने के लिए बीते सप्ताह अंजू के जीजा उसकी फोटो लेने आए थे। अंजू के विरोध करने पर उसके पिता ने उसे डांट दिया था। माता-पिता के घर से जाने के बाद अंजू ने फंदा लगाकर जान दे दी। कन्हैया प्रेमिका की मौत का दुख बर्दास्त नहीं कर सका। इस पर उसने भी गांव के बाहर अपनी जीवन लीला को समाप्त कर लिया।

प्रेमी की भी मौत होने की जानकारी पर रास्ते से लौटाया गया प्रेमिका का शव

अंजू की मौत होने पर परिजनों ने लोकलाज के डर से पुलिस को बिना सूचना दिए शव को फंदे से उतार लिया और अंतिम संस्कार के लिए शव को लेकर सिकरोड़ी घाट की ओर निकल गए। तभी ग्रामीणों ने कन्हैया के भी आत्महत्या करने की जानकारी परिजनों को दी। इस पर परिजन आधे रास्ते से ही शव को वापस घर लेकर आए। इधर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घटना स्थल से फोरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## तेंदुआ दिखते ही भैंसा बुग्गी दौड़ाई, स्कूल की छुट्टी कराई

बलिया। लहचौड़ा गांव के रहने वाले लीलू, उसका छोटा भाई रमन उर्फ मोनू और ममेरा भाई महेश निवासी ब्राह्मण पुट्ठी शनिवार सुबह पशुओं के लिए चारा लेने खेत में गया था। चारा लेकर वापस लौटते समय ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के पास उनको तेंदुआ दिखाई दिया। तेंदुआ देखते ही उन्होंने भैंसा बुग्गी को दौड़ा दिया। इस दौरान बुग्गी से नीचे गिरने से किसान महेश घायल हो गया।

तेंदुआ दिखाई देने के बाद से लहचौड़ा गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है। जिसकी सूचना शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी गई तो संविलियन विद्यालय की छुट्टी करके बच्चों को घर भेज दिया गया। इसके अलावा मंसुरपुर मार्ग पर खेत में पानी चला रहे किसान राजकुमार ने भी तेंदुआ दिखाई देने की बात कही है। उधर सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की।

अमीनगर सराय में तेंदुआ घूमने का वीडियो बनाकर वायरल किया

अमीनगर सराय। कस्बे के जंगल में पिछले दो दिनों से तेंदुआ दिखाई देने से दहशत का माहौल बना हुआ है। जिसको लेकर किसान भयभीय है और खेतों में जाना बंद कर दिया है। एक वीडियो भी शनिवार को वायरल की गई। जिसमें कार में बैठा युवक काफी दूर खड़े एक जीव का वीडियो बना रहा है और उस वीडियो में शोर मचा रहा है कि यह अमीनगर सराय का रास्ता है, जिसपर तेंदुआ खड़ा हुआ है। उधर वन विभाग के अधिकारी तेंदुए की पुष्टिहोने से इंकार कर रहे है। कस्बे कि किसान ओमपाल यादव ने बताया कि शनिवार की सुबह वह सिंचाई के लिए खेत में गया था, तभी तेंदुआ दिखाई दिया।

वन विभाग ने जारी किये कंट्रोल रूम के नंबर

जिले के गांवों में तेंदुआ दिखाई देने की सूचनाओं को लेकर वन विभाग ने कंट्रोल रूम स्थापित कर फोन नंबर जारी कर दिये है। जिसमें प्रभागीय वन अधिकारी हेमंत कुमार सेठ के 7839435172, 9450500833, उप प्रभागीय वन अधिकारी के 7839434952, 9871491106, वन रेंजर श्रवण कुमार से 9718406006, 7839434622, वन रेंजर बड़ौत सुनेंद्र सिंह के 8279485138, 7839434618 पर सूचना दी जा सकती है। इसके अव्वा व्हाट्सएप नंबरों 9837923777, 9897606122, 9811818288, 9897127832 पर सूचना भेजी जा सकती है।

# ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में सफाई कर्मचारियों ने सौपा जिला पंचायत राज अधिकारी को ज्ञापन

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले जनपद के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने ऑनलाइन हाजिरी से मुक्ति के लिए आज सुबह 10ः00 बजे से जिला पंचायत सभागार के सामने टीन सेट में एकत्रित होना शुरू किया देखते देखते कर्मचारियों की भीड़ हजारों की संख्या में एकत्रित हो गई जिलाध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में एकत्रित हजारों सफाई कर्मचारियों ने ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में धरना प्रदर्शन करते हुए अवगत कराया की ग्रामीण सफाई कर्मचारी फील्ड का कर्मचारी है जिससे उसकी ड्यूटी अपनी नियुक्ति ग्राम पंचायत के साथ-साथ अन्य स्थानों पर समय-समय पर लगाई जाती है ऐसे में उनकी उपस्थिति कैसे प्रमाणित हो सकती है साथी पंचायत भवन खोलने का समय लगभग 10ः00 बजे है कर्मचारियों की ड्यूटी का समय ग्रीष्म काल में प्रातः 7ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक तथा शीतकाल में प्रातः 8ः00 बजे से दोपहर 3ः00 बजे तक है जबकि पंचायत सहायक के ना आने अथवा अवकाश पर रहने के दौरान सफाई कर्मचारी की उपस्थिति नहीं दर्ज हो सकती ग्राम पंचायत में मजरे कई होने तथा मजरों से पंचायत भवन की अत्याधिक दूरी होने पर उनकी उपस्थिति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा सफाई कार्य प्रभावित होगा वर्तमान समय में जैसे जनगणना निर्वाचन कार्य अन्य सर्वे कार्य सांड पकड़ना गौशाला में ड्यूटी लगा बी बी आईपी मोमेंट में अन्य जगहों पर ड्यूटी करना संचारी रोग में अन्यत्र ड्यूटी ड्राइवर रसोईया अर्दली चपरासी मलिक कंप्यूटर आदि कार्य लिए जाते हैं ऐसी स्थिति में सफाई कर्मचारियों को ऑनलाइन हाजिरी से मुक्त करने के लिए मागो का ज्ञापन अपर मुख्य सचिव पंचायती राज निदेशक पंचायती राज को संबोधित ज्ञापन जिला पंचायत राज अधिकारी महोदय को सोपा धरने को संबोधित करने वालों में मंडल अध्यक्ष नरसिंह नारायण पांडे प्रदेश उपाध्यक्ष जिला संप्रेक्षक अमीर अहमद जिला महामंत्री शिवराम शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष नीलू संगठन मंत्री संतोष यादव फौजदार पांडे महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष सरिता कश्यप महिला मोर्चा महामंत्री रामरति कार्यवाहक अध्यक्ष पूनम सिंह वरिष्ठ उपाध्याय संगीता गुप्ता उपाध्यक्ष सन्नू सिंह गायत्री मिश्रा पूर्व महामंत्री मनोज मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष मनकापुर अतुल तिवारी ब्लॉक अध्यक्ष नवाबगंज मस्तराम यादव ब्लॉक अध्यक्ष छपिया अरविंद मिश्रा ब्लॉक अध्यक्ष वजीरगंज सनी राम महामंत्री विक्रमजीत सिंह ब्लॉक अध्यक्ष बभनजोत धर्मेंद्र वर्मा सहित दर्जनों पदाधिकारी ने संबोधित किया।

# इंकलाब फाउंडेशन द्वारा शिक्षक दिवस पर आयोजित हुआ शिक्षक सम्मान समारोह

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। जिले की सामाजिक संस्था इंकलाब फाउंडेशन द्वारा सोमवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर एपीएस ग्लोब स्कूल गायत्रीपुरम स्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन संस्था के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने किया मुख्य अतिथि फौजदारी बार एसोसिएशन महामंत्री अजेय विक्रम सिंह रहे शहर के गायत्रीपुरम स्थित एपीएस ग्लोब स्कूल गोंडा में सोमवार को इंकलाब फाउंडेशन की ओर से शिक्षक दिवस मनाया गया इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद कर उनके जीवन से प्रेरणा लेने की छात्र-छात्राओं को नसीहत दी गई इंकलाब फाउंडेशन के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि फौजदारी बार एसोसिएशन महामंत्री अजेय विक्रम सिंह ने शिक्षकों को उपहार देकर स्कूल के शिक्षकों का सम्मान किया अजेय विक्रम सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन पूरे दर्शन जीवन काल की नींव होता है शिक्षक एक कुम्हार की तरह बच्चों के व्यक्तित्व को गढ़ता है एक दीपक की तरह जलकर विद्यार्थियों की अज्ञानता का अंधकार दूर करता है गुरुजनों का सम्मान करने से व्यक्तित्व में निखार आता है गुरु ईश्वर का स्वरूप होता है शिक्षक वह नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्यों को जबरन ठूंसे बल्कि वास्तविक शिक्षक तो वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए अतिथि ने कहा कि केवल निर्मल मन वाला व्यक्ति ही जीवन के आध्यात्मिक अर्थ को समझ सकता है स्वयं के साथ ईमानदारी आध्यात्मिक अखंडता की अनिवार्यता है कोई भी आजादी तब तक सच्ची नहीं होती, जब तक उसे विचार की आजादी प्राप्त न हो किसी भी धार्मिक विश्वास या राजनीतिक सिद्धांत को सत्य की खोज में बाधा नहीं देनी चाहिए किताबें पढ़ने से हमें एकांत में विचार करने की आदत और सच्ची खुशी मिलती है पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं कार्यक्रम में अजेय विक्रम सिंह, अविनाश सिंह, प्रधानाचार्य अज़रा सीमिन, अतुल श्रीवास्तव, दिव्या सिंह, अंतिमा सिंह, प्रीति गौतम, अलका सिंह, वर्तिका श्रीवास्तव, रिशु सिंह, मुस्कान खान, काजोल वर्मा, अर्पिता निषाद, काजल श्रीवास्तव, शिवानी सिंह, जेबा अख्तर, शुभम श्रीवास्तव, मोहित सिन्हा उपस्थित रहे

# मारवाड़ी युवा मंच ने शिक्षकों का किया सम्मान

त्रिगुट संवाददाता

गोण्डा। शहर के मारवाड़ इंटर कालेज में मारवाड़ी युवा मंच एवं देवीपाटन महिला शाखा द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुआ।दीप प्रज्वलन स्कूल के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने किया। उसके बाद स्कूल के बच्चों ने सर्वप्रथम सरस्वती वंदना किया और बच्चों ने देशभक्ति गीत गाया तो हरिओम मिश्रा ने बांसुरी से देश भक्ति गीत की ध्वनि सुनाई। स्कूल के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने प्रधानाचार्य राकेश मोहन श्रीवास्तव को दुपट्टा पहन कर उनका सम्मान किया और उनके साथ स्कूल के सभी नौ शिक्षकों को स्कूल के कमेटी और मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारीयों ने सभी शिक्षकों का शाल पहनाकर सम्मान किया। प्रधानाचार्य राकेश मोहन श्रीवास्तव अपने को सम्मानित होने पर बहुत ही भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि यह मैं सम्मान पाकर बहुत खुश हूं। श्री श्रीवास्तव ने स्कूल के कमेटी और मारवाड़ी युवा मंच का आभार व्यक्त किया। मंच का संचालन मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष गोपाल मित्तल ने किया और कार्यक्रम संयोजक विकास अग्रवाल व उत्कर्ष गर्ग रहे। सम्मान समारोह के बाद स्कूल के शिक्षक और मंच के पदाधिकारियों ने मिलकर पौधारोपण किया। जिसमें देवीपाटन महिला मंडल भी शामिल हुई। कार्यक्रम के दौरान स्कूल कमेटी के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल उपाध्यक्ष अनिल मित्तल ,मंच के प्रांतीय सदस्य विकास जैन, मुकेश नहरिया , अमित गर्ग ,गोपाल भावसिंहका, कृष्णा नहारिया, मंच की प्रांतीय सदस्या नीलम जैन, अध्यक्ष नीतू गर्ग, मंत्री सरिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पुष्पा सिंघल, प्रेमलता सिंघल, भावना सोमानी, कोमल पचेरिया, वन्दना माहेश्वरी सहित स्कूल के बच्चे भी मौजूद रहे।

# तीन दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी व मेला का आयोजन

श्रावस्ती। पण्डित ब्रम्भदत्त माध्यमिक विद्यालय चैलाही सिरसिया में तीन दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी व मेला का आयोजन आभा विकाश संस्थान बस्ती - उत्तर प्रदेश व राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के तत्वधान में आयोजित किया गया। 03 सितम्बर से 05 सितम्बर 2023 को इस अवसर पर प्रदर्शनी में रोचक भरी प्रतियोगिताओ का प्रदर्शन हुआ तथा बच्चों को ज्ञान और विज्ञान की जानकारी दी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित करके ज्ञान की देवी मां शारदे की वंदना के द्वारा शुरुआत किया गया।

कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री विजय कुमार पाठक जी को बैच लगाकर माल्यार्पण, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रसस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। सर ने बच्चों को बताया कि आप सभी एक ऐसा लक्ष्य निर्धारित कीजिए जिससे आपका और आपके परिवार, समाज का कल्याण हो और उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर कठिन प्रयास कीजिए। इन्होंने आज के युग मे विज्ञान के योगदान के बारे में बच्चों को बताया। इन्होंने बताया कि आज के युग में बिना विज्ञान के जीवन संभव नहीं है जो कुछ भी है सब विज्ञान की देन है

मुख्य अतिथि श्री घनश्याम पाठक जी को माल्यार्पण, अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रसस्ति पत्र द्वारा सम्मानित किया गया। सर ने सभी विद्यार्थियों को महान वैज्ञानिक होमी जे भाभा के योगदान के बारे में जानकारी दी। इन्होंने बताया कि किस तरह से हमारे देश के महान वैज्ञानिकों ने कठिन परिश्रम के बाद सफलता प्राप्त की और किस तरह से अपना जीवन देश के प्रति समर्पित कर दिया। इन्होंने बच्चों अपने जीवन मे निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया । विशिष्ठ अतिथि प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार पाठक जी का अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया। इन्होंने बच्चों के लिए प्रोत्साहित भाषण दिया। इनके द्वारा हमारे महान वैज्ञानिकों जैसे होमी जे भाभा, सर सी बी रमन , ए पी जे अब्दुल कलाम आदि के योगदान के बारे में और उनके द्वारा किए गए आविष्कारों के बारे मे बच्चों को जानकारी प्रदान की गयी । विद्यालय के अध्यापक श्री अवनींद्र पाण्डेय जी का अंग वस्त्र स्मृति चिन्ह से स्वागत किया गया। इन्होंने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को बताया कि आप सभी लोगों को रोगों से बचाव करने के लिए नियमित रूप से साफ सफ़ाई का ध्यान रखना चाहिए। सर ने बताया कि किस तरह से हमारे वैज्ञानिकों ने हवाई जहाज, बल्ब, भाप इंजन आदि का अविष्कार किया और विज्ञान के द्वारा हमारे समाज को अपना विशेष योगदान दिया। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को विज्ञान के कुछ प्रयोगों के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में सभी बच्चों ने वैरोमीटर, टेलीस्कोप, दूरवीन, चुम्बकीय पथ, पेरिस्कोप, पेंडुलम इत्यादि मॉडल का अवलोकन किया।

इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के सभी अध्यापक और अध्यापिकाएं उपस्थित रहीं । सभी का स्वागत बैच लगाकर, प्रशस्ति पत्र द्वारा किया गया। - इस कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिया, मॉडल प्रतियोगिता तथा कला एवम् पेंटिंग प्रतियोगिता करायी गई इन प्रतियोगिताओं में जिन बच्चों से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया उन सभी बच्चों को इस कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया गया। पूरा कार्यक्रम सतीश कुमार जी की देखरेख में संपन्न हुआ।

## कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में धूम धाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

# शिक्षा मानव जीवन को समुनंत सुसभ्य एवं सुसंस्कृत बनती है- अरुण

त्रिगुट संवाददाता

गोंडा। जिले के सभी विद्यालयों में शिक्षक दिवस धूम धाम से मनाया गया। इसी क्रम में इटियाथोक ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती अर्थात शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आपको बता दें छात्रों और शिक्षा के प्रति राधाकृष्णन के अपार योगदान को देखते हुए ही डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती यानी 5 सितंबर को वर्ष 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्कूल और कॉलेज में अलग-अलग प्रतियोगिताएं और रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थी अपने शिक्षकों को इस मौके पर उपहार और शुभकामनाएं भी देते है। यह दिन शिष्य व गुरु के लिए खास माना गया है। ऐसे में कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पमाला अर्पण कर बच्चों के बीच केक काटकर शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षक अरुण मिश्रा ने बच्चों को शिक्षा की महत्ता को बताते हुए कहा कि शिक्षा मानव जीवन को समुनंत, सुसभ्य एवं सुसंस्कृत बनाती है हम सभी को शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने देश के महान शिक्षकों को स्मरण कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक सलमान, करन सिंह, सौरभ वर्मा एवं विजय कुमार सहित सैकड़ों की संख्या मे छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

# अवध विवि में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के कुशल निर्देशन में परिसर के विभिन्न विभागों में सर्वपल्ली डॉ0 राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। परिसर के एमबीए विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो0 हिमांशु शेखर सिंह की मौजूदगी में प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, डॉ0 राना रोहित सिंह व अन्य शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने डॉ0 कृष्णन को याद किया। गणित एवं सांख्यिकी विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो0 एसएस मिश्र एवं प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 एसके रायजादा, डॉ0 पीके द्विवेदी, डॉ0 अभिषेक कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस की महत्ता से परिचित कराया। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी एवं शिक्षकों में डॉ0 आरएन पाण्डेय, डॉ0 अनिल कुमार विश्वा सहित छात्र-छात्राओं ने शिक्षक दिवस की उपादेयता पर प्रकाश डाला। इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो0 अजय प्रताप सिंह, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 अवध नरायण, डॉ0 संजय चैधरी, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी ने छात्रों को डॉ0 सर्वपल्ली के देश में दिए योगदान से परिचित कराया। भौतिकी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग में विभागाध्यक्ष प्रो0 गंगाराम मिश्र एवं प्रो0 के0के0 वर्मा, डॉ0 गीतिका श्रीवास्तव, डॉ0 अनिल कुमार, डॉ0 सिंधु सिंह ने छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षक दिवस मनाया। परिसर के बीए समन्वयक डॉ0 डीएन वर्मा व बीएससी समन्वयक प्रो0 चयन कुमार मिश्र के नेतृत्व में विभागों के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने हर्षोउल्लास के शिक्षक दिवस मनाया। माइक्रोबायोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो0 तुहिना वर्मा, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार सहित अन्य शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने डॉ0 राधाकृष्णन के जीवन एवं आदर्शों को आत्मसात किया। बायोकमेस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो0 नीलम पाठक एवं प्रो0 फरूख जमाल तथा छात्र-छात्राओं ने भी शिक्षक दिवस मनाया। पर्यावरण विज्ञान विभाग में डॉ0 विनोद चैधरी की मौजूदगी में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. जसवंत सिंह, प्रो0 सिद्धार्थ शुक्ला सहित अन्य शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने डॉ0 राधाकृष्णन को स्मरण किया। अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विभागाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा के मौजूदगी में प्रो0 विनोद श्रीवास्तव, प्रो0 मृदुला मिश्र, डॉ0 प्रिया कुमारी एवं छात्रों ने शिक्षक दिवस मनाया। प्रौढ एवं सतत शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र की उपस्थिति में विभाग में शिक्षक दिवस मनाया गया। इसके साथ ही फाइन आट्स, लाइब्रेरी साइंस, आईआईटी संस्थान, हिन्दी, अंग्रेजी सहित अन्य

# अधिवक्ता संघ उतरौला ने तहसील उतरौला में धरना प्रदर्शन कर मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का पुतला फूंककर विरोध जताया

अरविंद कसौधन

उतरौला ( बलरामपुर ) हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में बार काउंसिलआफ उत्तर प्रदेश केआवाह्न पर अधिवक्ता संघ उतरौला ने तहसील उतरौला में धरना प्रदर्शन कर मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश का पुतला फूंककर विरोध जताया।

मंगलवार को अधिवक्ता संघ उतरौला ने तहसील उतरौला में हापुड़ घटना केविरोध में धरना प्रदर्शन किया। धरना को सम्बोधित करते हुये अधिवक्ता संघ अध्यक्ष वीरेंद्र सिन्हा ने कहा कि पुलिस का कृत्य निंदनीय है,सरकार पुलिस के तानाशाही रवैये को बढ़वा दे रही वकीलों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है ने मार्कण्डेय मिश्र अधिवक्ताओ की जायज मांगे नही मानी गई है एक पक्षीय कार्यवाही की जा रही हैजो गलत है अधिवक्ता इसे कतई स्वीकार नही करेगा। अनीसुल हसन रिजवी ने सरकार हर वर्ग को दबाने का प्रयास कर रही है कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल है।अधिवक्ताओ ने हापुड़ के डी एम व एस पी के स्थानांतरण, अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज में दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाय,वकीलों पर दर्जफर्जी एफ आई आर को स्पंज किया जाय। घायलों अधिवक्ताओ को इलाज व उचित मुआवजा दिया जाए तथा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए की मांग की गई ।इस अवसर पर अखिलेश सिंह, बबर अली ,नाजिर मलिक, रामसुंदर यादव ,रमाशंकर मौर्य,प्रहलाद यादव,महेंद्र पांडेय, अब्दुल मोईद सिद्दीकी, आदित्य श्रीवास्तव ,रवि गुप्ता ,रवि मिश्रा आलोक गुप्ता, प्रवीण कुमार, बृजेश वर्मा, जयकरण भारती ,संतराम वर्मा,निजामुद्दीन अंसारी,अखिलेश यादव,सुभाष वर्मा,मुकेश कुमार,श फजल,आरिफ सिद्दीकी,विनीश गुप्ता,संदीप कुमार,आरिफ खान,सहित तमाम अधिवक्तामौजूद रहे।

# राजपाल ने क्षय रोगियों को पोषण किट वितरित किया

( सत्य प्रकाश पांडेय )

अंबेडकर नगर, श्रीमती आनंदीबेन पटेल माननीय राज्यपाल महोदया, उ0 प्र0 द्वारा जिला चिकित्सालय में 20 क्षयरोगियों को पोषण किट वितरित किया गया।आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत महोदया द्वारा 20 आयुष्मान लाभार्थियों को गोल्डेन कार्ड तथा 78 लाभार्थियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा गोल्डेन कार्ड प्रदान किया गया। दिनांक 01 अगस्त 2023 से 31 अगस्त 2023 तक संचालित विशेष गोल्डेन कार्ड अभियान के दौरान सक्रिय सहयोग करने वाले 16 अधिकारियों एवं कर्मचारियों प्रशस्ति पत्र, उत्कृष्ट कार्य करने वाले सूचीबद्ध 03 चिकित्सालयों को भी प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया इसके अतिरिक्त जनपद मे आयुष्मान योजना में इलाज करने वाले 08 प्राईवेट चिकित्सालयों एवं 12 राजकीय चिकित्सालयों के संचालक / मैनेजर / अधीक्षकों के साथ बैठकर संवाद किया गया।इंडियन रेडक्रास सोसायटी जनपद शाखा अम्बेडकरनगर कार्यकारिणी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को महोदया द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस दौरान मौके पर जिलाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक तथा संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

# राजपाल ने जिलाधिकारी के कार्यों की प्रशंसा की

अंबेडकर नगर ।श्रीमती आनंदीबेन पटेल माननीय राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में तहसील टांडा अंतर्गत जिला प्रशासन के अभिनव प्रयासों से विकसित पुंथर झील में नौका विहार एवं आमजन मानस से संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा पुंथर झील के बारे में विस्तार पूर्वक राज्यपाल महोदया को अवगत कराया गया कि लगभग 96 बीघे में फैली पुंथर झील में बस्ती-आजमगढ़ हाईवे से सटी हुई है। समिति द्वारा द्वारा लगभग 720 क्विंटल उत्पादन स्थल की रमणीयता को देखते हुए इसे पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया गया। जिससे मत्स्यपालन के साथ-साथ स्थानीय नाविकों, रेस्टोरेंट, समूह की महिलाओं तथा ग्राम पंचायत की आय में वृद्धि हुई है। इस झील पर पाये जाने वाले सारस पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं।राज्यपाल महोदया ने जिलाधिकारी के अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए सभी को बधाई दी। वहां पर उपस्थित समूह की महिलाओं से वार्ता किया गया।माननीय राज्यपाल महोदय ने संबोधन में कहा कि पुंथर झील खूबसूरत झील की तरह दिख रहा है।यह झील हाईवे के किनारे स्थित होने के कारण रोजगार के असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने ग्राम वासियों तथा समूह की महिलाओं से कहा कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दें जिससे वह आगे बढ़े और शिक्षित हो। उपस्थित स्कूली बच्चों से भी उन्होंने वार्ता किया। समूह की महिला द्वारा घरेलू कार्य करते हुए समूह से जुड़ने के बाद अपनी सफलता की कहानी बताई। तथा महोदया द्वारा महिलाओं को आगे आ करके काम करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान मौके पर जिलाधिकारी ,पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, भाजपा जिला अध्यक्ष तथा संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

# पुलिस चौकी सालपुर परिसर में पीस कमेटी बैठक का किया गया आयोजन

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया ( गोंडा )। पुलिस अधीक्षक गोंडा अंकित मित्तल के निर्देशन में आगामी त्यौहार कृष्ण जन्माष्टमी व चेहल्लुम के दृष्टिगत पुलिस चौकी सालपुर परिसर में पीस कमेटी मीटिंग कर उपस्थित धर्मगुरुओ/संभ्रांत व्यक्तियों व पीस कमेटी सदस्यो से त्यौहारों को शांतिपूर्वक संपन्न कराने मे सहयोग करने हेतु की गई अपील। बतातें चलें कि मंगलवार को आगामी त्यौहार को देखते हुए पुलिस चौकी सालपुर परिसर में चौकी प्रभारी पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में चौकी क्षेत्र के ग्राम प्रधान, व्यापारी सहित क्षेत्र के सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित किया गया। पीस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए चौकी प्रभारी पवन कुमार सिंह ने आगामी त्यौहार को देखते हुए लोगो को बताया कि आप सभी क्षेत्र के सम्मानित व्यक्ति हैं यदि आप लोगों के क्षेत्र में कहीं कोई समस्या है तो उसको पहले ही बता दीजिए जिससे उसका समाधान निकाल लिया जाए। त्यौहार के दिन किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न करने पर या समस्या उत्पन्न करने वाले व्यक्ति पर उचित दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। पीस कमेटी की बैठक में ग्राम प्रधानों ने कहा कि किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। इस अवसर पर चौकी क्षेत्र के ग्राम प्रधान, व्यापारी व पुलिस के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

# राज्यपाल ने प्राइमरी पाठशाला चिंतौरा का किया निरीक्षण

( सत्य प्रकाश पांडेय )

अंबेडकर नगर ।श्रीमती आनंदीबेन पटेल राज्यपाल उत्तर प्रदेश द्वारा तहसील टांडा अंतर्गत मॉडल ग्राम चिंतौरा के आंगनबाड़ी केंद्र/प्राथमिक विद्यालय पर सुपरवाइजर तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्री से परिचय लिया गया। बच्चों द्वारा अभिवादन व स्वागत किया गया। बच्चों ने कविता सुनाई। महोदया द्वारा बच्चों से संवाद किया गया तथा बच्चों को फल तथा मिष्ठान वितरित किया गया। प्राथमिक विद्यालय में संचालित स्मार्ट क्लास का भी जायजा लिया गया। महोदया द्वारा बच्चों से पठन-पाठन के बारे में संवाद किया।साथ ही साथ उन्होंने पुस्तकालय कक्ष तथा रसोईया घर का भी जायजा लिया।उन्होंने खाना बनाने वाले रसोइयों से भी वार्ता किया। तत्पश्चात राज्यपाल महोदया द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी किट( साइकिल, कुर्सी, मेज खिलौना गाड़ी, सहित अन्य सामग्री ) का वितरण किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से संवाद किया गया। राज्यपाल महोदया ने कहा कि इससे बच्चों को सवारने का कार्य किया जाएगा तथा उनके द्वारा केजी से पीजी के तालमेल बनाने को कहा गया ।बच्चों को टूर पर भेजने का सुझाव दिया गया जिससे उनके ज्ञान वर्धन में वृद्धि हो ।बच्चों में अच्छी आदत डालने और बुराइयों से दूर रहने के लिए शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रेरित किया गया।

इस दौरान मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत अध्यक्ष, मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, भाजपा जिला अध्यक्ष तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

**RNI No. 46071/85**
स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।
गोण्डा कार्यालय
फोन/फैक्स-05262-230683
मो0- 09415120085
लखनऊ कार्यालय-
फोन- 0522-4028445
मो0- 09415249085
:- E-mail :-
trigutdainik@gmail.com